{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 23 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 329
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,540.83
निफ्टी	-	24,252.00
सोना	-	1,47,100
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	95.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

एथेनॉल उत्पादन में चीनी का इस्तेमाल बताना गलत, मक्के का हो रहा इस्तेमाल

केंद्र सरकार ने कहा-वर्तमान में चीनी की आपूर्ति में कमी एक ग्लोबल समस्या

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि चीनी (शक्कर) की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का कारण एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी का इस्तेमाल करना बताना गलत है। बयान में कहा गया है कि एथेनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल हो रही चीनी का शेयर 2025-26 में कम होकर करीब 9 फीसदी हो गया है, जो कि 2022-23 में करीब 12 फीसदी था। साथ ही कहा कि मौजूदा समय में देश में एथेनॉल के उत्पादन के लिए मक्के का इस्तेमाल हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी कई वजहों से हो रही है, जिनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग, मौसम की वजह से गन्ने की फसल को हुआ नुकसान, दुनिया भर में चीनी की सप्लाई में कमी और इंडस्ट्री के कुछ हिस्सों की तरफ से

सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं। मौजूदा सीजन में चीनी का उत्पादन करीब 306 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जबकि गन्ना उगाने वाले राज्यों का शुरुआती अनुमान करीब 343 एलएमटी था।

गन्ने में रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ-साथ ज्यादा बारिश की वजह से जलभराव से भी उत्पादन पर असर पड़ा है। अनुमान से कम उत्पादन के बावजूद अक्टूबर में नया क्रशिंग सीजन शुरू होने तक घरेलू मांग को पूरा करने के लिए देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार ने बताया कि वर्तमान में चीनी की आपूर्ति में कमी एक ग्लोबल समस्या है और यह सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। 2026-27 के लिए दुनिया भर में चीनी की कमी का अनुमान लगभग 33 एलएमटी लगाया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, भारत में आम तौर पर हर साल करीब 320-340 एलएमटी चीनी का उत्पादन होता है, जबकि देश में इसकी खपत करीब 280-290 एलएमटी होती है। जब उत्पादन जरूरत से ज्यादा होता है, तो अतिरिक्त स्टॉक के कारण चीनी मिलों का पैसा फंस जाता है और गन्ना किसानों को भुगतान में देरी हो सकती है। अतिरिक्त चीनी का एथेनॉल बनाने में इस्तेमाल करने से इस बुनियादी समस्या को हल करने में मदद मिली है और चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है।

ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है- खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी (शक्कर) की बढ़ती कीमतों और कम होते स्टॉक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि त्योहारों से पहले मोदी सरकार की नीतियों की कड़वाहट चीनी की मिठास में घुल गई है। खड़गे ने सरकार से सवाल किया कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में चीनी का स्टॉक 9 साल के निचले स्तर पर क्यों पहुंच गया। उन्होंने 10 लाख टन चीनी ड्यूटी-फ्री आयात करने की नौबत पर भी सवाल उठाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। भारत सरकार में खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया था कि देश में चीनी की खुदरा कीमत 20 जुलाई के 48 से बढ़कर करीब 56 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि एक्स-मिल कीमत 7-10 दिनों में 47-48 से बढ़कर 62 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

ट्रक से टकराई कार के परखच्चे उड़े, 3 की मौत

8 गंभीर घायल; नागपुर से कुबेरेश्वर धाम जा रहे थे 11 श्रद्धालु, मुलताई फोरलेन पर तड़के हादसा

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में शनिवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मुलताई फोरलेन पर जीतू ढाबे के पास करीब सुबह 3:30 बजे हुआ। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

पुलिस के मुताबिक, कार में सवार सभी 11 लोग महाराष्ट्र के नागपुर के पास बुट्टी बोरी कोल माइंस क्षेत्र के रहने वाले थे। वे सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि कार चालक को नींद की झपकी आने के कारण सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार सीधे उसके पीछे जा भिड़ी। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों का उपचार जारी है।

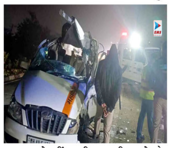

पति-पत्नी समेत तीन की मौत

हादसे में मृतकों में 40 वर्षीय छाया और उनके 42 वर्षीय पति दीपक की पहचान हुई है। तीसरी मृतक महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे को लेकर मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

खास खबर

अभिजीत दिपके के खिलाफ एफआईआर

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दिपके और उनके सहयोगियों के खिलाफ सरकारी स्कूल में बिना अनुमति प्रवेश करने, सरकारी काम में बाधा डालने और शिक्षकों को धमकाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफआईआर जिला परिषद उर्दू स्कूल की 53 वर्षीय शिक्षिका सैयद शमशादबानो खैरात अली की शिकायत पर औसा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। दिपके इन दिनों सीजेपी के 'स्कूल ठीक करो' अभियान के तहत लातूर जिले के सरकारी स्कूलों का दौरा कर वहां की समस्याओं को सामने ला रहे हैं। शिकायत के अनुसार घटना औसा के पास जावली स्थित जिला परिषद उर्दू स्कूल में हुई। आरोप है कि दिपके और उनके सहयोगी बिना अनुमति स्कूल परिसर में दाखिल हुए और विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनसे सवाल-जवाब किए।

अश्विनी भिड़े का वॉट्सएप अकाउंट हैक

मुंबई। मुंबई में बीएमसी कमिश्नर और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े साइबर क्राइम का शिकार हो गई हैं, उनका वॉट्सएप अकाउंट हैक किया गया है। बीएमसी कमिश्नर भिड़े ने खुद घटना की जानकारी देकर लोगों को सावधान किया है। उन्होंने लिखा, मेरा वॉट्सएप अकाउंट हैक हो गया है। कृपया मेरे अकाउंट से आने वाले किसी भी मैसेज पर ध्यान न दें, खासकर उन पर जिसमें मदद या पैसे की मांग की गई हो। महाराष्ट्र की चर्चित 1995 बैच की आईएएस अधिकारी भिड़े मुंबई मेट्रो नेटवर्क को मजबूत करने में अपनी भूमिका के लिए मेट्रो वूमेन के नाम से मशहूर हैं। वर्तमान में वे मुंबई में बीएमसी कमिश्नर के तौर पर महत्वपूर्ण अभियानों की अगुवाई कर रही हैं, जिसमें 320 किलोमीटर फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान शामिल है।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में 3 इंजीनियरों की मौत

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले के बरकाकाना स्थित मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि पावर प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में तीन इंजीनियरों की झुलसने से मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है। फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद रामगढ़ से चार-पांच दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 की घोषणा- 48 शिक्षकों का चयन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 की घोषणा की। देशभर से कुल 48 शिक्षकों का चयन हुआ है, जिसमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों सहित कई संस्थानों के शिक्षक शामिल हैं। चयनित 48 शिक्षकों में 26 पुरुष और 22 महिला शिक्षक हैं। राज्यवार उत्तर प्रदेश से तीन, जबकि बिहार और मध्य प्रदेश से दो-दो शिक्षकों को चुना गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर इन शिक्षकों को पुरस्कृत करेंगी।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर तीन चरणों की गहन चयन प्रक्रिया के बाद इन शिक्षकों का चुनाव किया है। इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शिक्षकों के असाधारण योगदान को सामने लाना और उन्हें सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों से स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया और छात्रों के जीवन को समृद्ध बनाया।

वर्ष 1958 में शुरू हुए इन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कारों का लक्ष्य उत्कृष्ट और समर्पित शिक्षकों के सार्वजनिक सम्मान और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को पहचानना है। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, छात्रों के सीखने और विकास में योगदान देने तथा पढ़ाई में नए व प्रभावी तरीकों का उपयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो।

राजनीति की बात करने नहीं आया, आज आपकी सुनुंगा

पुणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को पुणे में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में केवल छात्राओं को आमंत्रित किया गया था। राहुल गांधी के पहुंचने पर छात्राओं ने 'राहुल-राहुल' के नारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वह यहां राजनीति की बात करने नहीं आए हैं, बल्कि छात्राओं को अपनी बात रखने का अवसर देने आया हूं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'आज मैं राजनीति की बात करने नहीं आया। आज आपको मौका दूंगा। आज आप बोलें कि आप क्या सोचते हैं और क्या चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि छात्राओं के विचारों को उन्हीं के बीच साझा किया जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी। उनका जोर युवाओं और छात्रों की समस्याओं को सीधे सुनने पर रहा। इससे पहले राहुल गांधी के पुणे पहुंचने पर एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। पुणे के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने छात्राओं को अपनी समस्याएं और सुझाव खुलकर रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की बात केवल राजनीतिक मंच से नहीं, बल्कि सीधे उनसे सुनना जरूरी है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की शिक्षा, भविष्य, रोजगार और अन्य मुद्दों से जुड़े विचारों को सामने लाना बताया गया।

30 शर्तों के साथ मिली कार्यक्रम की अनुमति

पुलिस ने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए करीब 30 शर्तों के साथ अनुमति दी थी। कार्यक्रम में छात्राओं की भागीदारी रही। कार्यक्रम को लेकर पहले काफी हंगामा भी हुआ, जिसमें नोंकझोंक भी देखने को मिली। राहुल गांधी पिछले कुछ समय से छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 17 जून को कोटा, 17 जुलाई को देहरादून और 8 अगस्त को प्रयागराज में छात्रों से बातचीत की थी। इन कार्यक्रमों में उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक जैसे मुद्दों को उठाया था।

छात्रों से सीधे संवाद पर जोर

राहुल गांधी का छात्रों के बीच यह संवाद ऐसे समय हो रहा है, जब प्रतियोगी परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था को लेकर देशभर में बहस चल रही है। कांग्रेस नेता इन मुद्दों को लेकर सरकार पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। बल्कि, पुणे में उन्होंने राजनीतिक भाषण देने के बजाय छात्राओं को बोलने का अवसर देने पर जोर दिया।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का विकराल रूप, मामले तेजी से बढ़े

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्वाइन फ्लू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बीते 24 घंटों में 114 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1777 हो गई है। यह आंकड़ा बीते साल के 229 मामलों की तुलना में सात से आठ गुना अधिक है, जो चिंताजनक स्थिति को दिखाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, स्वाइन फ्लू का स्ट्रेन हर कुछ सालों में बदल जाता है, जिससे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। एसी का बढ़ता इस्तेमाल, मॉनसून के दौरान मौसम में लगातार बदलाव, घरों और बंद जगहों पर लोगों की भीड़ तथा हवा के उचित संचार की कमी भी संक्रमण के तेजी से फैलने में सहायक होती है।

कॉलेज स्टूडेंट को एक साल मुफ्त मिलेगा एआई प्लस सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज गूगल ने भारत के कॉलेज विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। कंपनी पात्र छात्रों को एक साल के लिए अपनी उन्नत एआई प्लस सब्सक्रिप्शन मुफ्त प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों को अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों का उपयोग करके अपनी पढ़ाई, शोध और कौशल विकास को बढ़ावा देने में मदद करना है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। इस विशेष ऑफर के तहत, विद्यार्थियों को गूगल के शक्तिशाली एआई मॉडल जेमिनी ओमनी तक सीधी पहुंच मिलेगी, जो उन्हें सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में दोगुनी उपयोग सीमा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, छात्रों को 400 जीबी क्लाउड स्टोरेज और कई अन्य एआई-संचालित सुविधाएं भी बिना किसी शुल्क के मिलेंगी। यह सुविधा छात्रों को बड़े डेटासेट पर काम करने, जटिल परियोजनाओं को संभालने और क्लाउड पर अपनी महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने में सक्षम बनाएगी। गूगल ने इस पहल के साथ ही छात्रों के लिए गूगल एआई प्रो और यूट्यूब प्रीमियम का एक विशेष रियायती पैकेज भी पेश किया है। इस पैकेज के माध्यम से विद्यार्थी विज्ञापन-मुक्त संगीत और वीडियो स्ट्रीमिंग का लाभ उठाते हुए लगभग 70 प्रतिशत तक की बचत कर सकेंगे, जिससे उनका मनोरंजन और सीखने का अनुभव बाधित नहीं होगा।

बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा को हटाने की मांग

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के एक दशक से अधिक समय तक पद पर बने रहने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की वकील योगमाया एमजी ने याचिका दाखिल कर मिश्रा को चेयरमैन पद से हटाने, अदालत की निगरानी में नए चुनाव कराने और पद के कार्यकाल की स्पष्ट सीमा तय करने की मांग की है।

याचिका में दावा किया गया है कि बीसीआई नियम 12(2) के तहत चेयरमैन का कार्यकाल दो साल निर्धारित है। याचिकाकर्ता ने अप्रैल 2025 में जारी उस गजट अधिसूचना को भी चुनौती दी है, जिसके जरिए मनन कुमार मिश्रा का कार्यकाल वर्ष 2030 तक बढ़ाए जाने की बात कही गई है। याचिका में इसे निर्धारित नियमों के विपरीत बताया गया है।

रोटेशन सिस्टम लागू करने की मांग

याचिका में बीसीआई चेयरमैन पद पर लंबे समय तक किसी एक व्यक्ति के बने रहने पर सवाल उठाते हुए पद के लिए रोटेशन सिस्टम लागू करने की मांग की गई है। साथ ही नए चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी की मांग भी की गई है।

नितिन नवीन की नई भाजपा टीम के साथ हुई पहली बैठक

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम के साथ पहली बैठक की। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, संगठन को बूथ और जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा युवाओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरों के गायन से हुई। नितिन नवीन शनिवार को ही भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों के साथ भी बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि इसमें चुनावी राज्यों में संगठन की स्थिति, सरकार और संगठन के बीच समन्वय तथा आगामी राजनीतिक अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा होगी।

209 दिन बाद हुआ बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद 17 अगस्त को 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की गई थी। टीम में 51 नए चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और आठ राष्ट्रीय महासचिव हैं। अध्यक्ष पद संभालने के बाद यह नवीन का पहला बड़ा संगठनात्मक फेरबदल माना जा रहा है। नई टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी हुई है। वहीं वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा और तीरथ सिंह रावत जैसे अनुभवी नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

गोयल और संतोष बरकरार

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और बीएल संतोष को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है। युवा मोर्चा की कमान हेमांग जोशी को सौंपी गई है। वहीं अमित मालवीय को जगह दीपक म्हास्के को भाजपा आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई है।

कुछ ना कहना

जज भगवान नहीं होते कि हर फैसला सही हो

जस्टिस करोल ने विदाई समारोह में कहा- न्याय के लिए विनम्रता जरूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। विदाई समारोह में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका, न्याय के मानवीय पक्ष और जजों की जिम्मेदारी पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं होते और उनसे हर मामले में बिल्कुल सही फैसला देने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। न्याय करने के लिए जजों में विनम्रता का होना जरूरी है।

जस्टिस करोल ने कहा, 'हम जज कोई भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं कर सकते। न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है।'

उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता या प्रतिवादी के रूप में सामने आए व्यक्ति को नहीं देखना चाहिए, बल्कि उसके पीछे मौजूद इंसान को भी समझना चाहिए।

कानून लागू करने के साथ न्यायपूर्ण दृष्टिकोण जरूरी

जस्टिस करोल ने कहा कि संविधान न्यायाधीशों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि कानून को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है। उनके अनुसार अदालत के सामने आने वाला प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण है, चाहे वह कितना ही कमजोर या समाज के किसी भी स्तर से क्यों न आता हो। उन्होंने संवैधानिकता और न्याय के अर्थ पर भी चर्चा की। जस्टिस करोल ने कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का एक आसान तरीका धर्म की अवधारणा से जोड़ा जा सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी धार्मिक अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है। उन्होंने कहा कि जज का कर्तव्य न्याय का सम्मान करना और यह सुनिश्चित करना है कि अदालत के सामने खड़ा प्रत्येक व्यक्ति देखा और सुना जाए। न्याय व्यवस्था में कमजोर व्यक्ति की आवाज को महत्व देना भी न्यायाधीश की जिम्मेदारी है।

आम सूचना

मैं, आशीष मिश्रा अधिवक्ता, पंजीयन क्रमांक १२३३/२००५, आज दिनांक २३/०८/२०२६ को अपने पक्षकार श्री मनीष सोनी पिता सत्यनारायण सोनी जाति सुनार, वार्ड नं. २६ प्रेमनगर बालाघाट तह. व जिला बालाघाट के निवासी है। मेरे पक्षकार ने भूमि ग्राम नेवरगांव प.ह.नं १७/५१ रा.नि.मं. खमरिया तथा तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट की भूमि जिसका खसरा नं. २०१/२ रकबा लगभग ०.०१० हे. भूमि, खसरा नं. २०८ रकबा ०.५९१ हे., खसरा नं. २१० रकबा ०.४७० हे. एवं खसरा नं. २१३/२ रकबा १.००५ हे. भूमि का सौदा शंकरलाल पिता केवलराम बोपचे जाति पवार निवासी ग्राम नेवरगांव, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट से किया था।

अतः आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त भूमि के संबंध में कोई भी व्यक्ति विशेष, संस्था आदि किसी भी प्रकार का कोई भी क्रय-विक्रय, अनुबंध, निर्माण कार्य व अन्य/तृतीय पक्षीय गतिविधियां न करें, अन्यथा वह स्वयं उत्तरदायी होंगे।

दिनांक - २३/०८/२०२६

आशीष मिश्रा
(अधिवक्ता)

बारिश के बीच जर्जर मकानों ने बढ़ाई नगर पालिका की चिंता

शहर में चार निजी और चार शासकीय भवन अति जर्जर घोषित, दो मकानों के हिस्से गिराए, आठ स्थानों पर कार्रवाई की तैयारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में लगातार रुक-रुककर हो रही बारिश के बीच जर्जर और पुराने मकानों को लेकर नगर पालिका की चिंता बढ़ गई है। लगातार बारिश से कमजोर हो चुके भवनों के अचानक गिरने की आशंका को देखते हुए नगर पालिका ने शहर के अलग-अलग वार्डों में स्थित अति जर्जर निजी मकानों के साथ शासकीय भवनों को भी चिन्हित किया है। नगर पालिका की ओर से ऐसे भवनों की सूची तैयार कर सुरक्षा की दृष्टि से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अब तक दो निजी जर्जर मकानों में रह रहे लोगों को हटाने के बाद उनके खतरनाक हिस्सों को गिराया जा चुका है। नगर पालिका की राजस्व शाखा के अजय पटले ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि लगातार हो रही बारिश को देखते हुए शहर में अति जर्जर भवनों का सर्वे कर सूची तैयार की गई है। इनमें निजी और शासकीय दोनों तरह के भवन शामिल हैं। नगर पालिका ने फिलहाल वार्ड क्रमांक 1, वार्ड क्रमांक 24, वार्ड क्रमांक 32 और वार्ड क्रमांक 15 में स्थित चार अति जर्जर निजी मकानों को चिन्हित किया है। इन भवनों की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका द्वारा सुरक्षा संबंधी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 1 और वार्ड क्रमांक 24 में स्थित जर्जर मकानों के मामले में प्रारंभिक कार्रवाई की जा चुकी है। सुरक्षा की दृष्टि से इन मकानों में रह रहे लोगों को बाहर हटाया गया और इसके बाद भवन के ऐसे हिस्सों को गिराया गया, जिनसे बारिश के दौरान हादसे की आशंका बनी हुई थी। नगर पालिका का उद्देश्य किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकना है, क्योंकि

बारिश के दौरान पुराने और कमजोर भवनों की स्थिति और अधिक खराब हो सकती है। नगर पालिका द्वारा केवल निजी मकानों पर ही नजर नहीं रखी जा रही है, बल्कि शहर के कुछ पुराने शासकीय भवन भी जांच के दायरे में आए हैं। इनमें शासकीय मेन बोर्ड स्कूल, पुतली शाला, सेठिया शाला और सेनानी गार्डन परिसर का एक कमरा शामिल है। इन भवनों को भी अति जर्जर श्रेणी में रखा गया है। बारिश के दौरान इन भवनों से भी खतरा उत्पन्न होने की आशंका को देखते हुए नगर पालिका ने इन्हें सूचीबद्ध किया है। नगर पालिका के अनुसार शहर में कुल आठ स्थानों पर जर्जर भवनों और भवनों के हिस्सों को लेकर कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। इनमें चार निजी मकान और चार शासकीय भवन शामिल हैं। संबंधित भवनों को लेकर आवश्यक नोटिस जारी किए जा चुके हैं। नगर पालिका द्वारा भवन मालिकों और संबंधित संस्थाओं को सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया है। बारिश के दौरान जर्जर भवनों के आसपास हादसे की आशंका सबसे अधिक रहती है। लगातार पानी गिरने से दीवारों में नमी बढ़ने के साथ भवन की नींव और कमजोर हिस्सों पर भी असर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में अचानक दीवार या छत का हिस्सा गिरने से जान-माल का नुकसान हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए नगर पालिका ने चिह्नित भवनों पर कार्रवाई तेज की है। नगर पालिका का कहना है कि जिन भवनों की स्थिति अत्यधिक खराब है, वहां सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। आवश्यकता के अनुसार लोगों को भवनों से हटाने के साथ खतरनाक हिस्सों को गिराने की कार्रवाई की जा रही है। शेष चिन्हित भवनों को लेकर भी चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाएगी। बारिश का दौर जारी रहने के कारण नगर पालिका की टीम इन भवनों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। शहर में पुराने और जर्जर भवनों की संख्या को देखते हुए नगर पालिका की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खासकर ऐसे समय में जब लगातार बारिश हो रही है और मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना जताई जा रही है। नगर पालिका ने लोगों से भी अपील की है कि वे जर्जर भवनों और उनके आसपास अनावश्यक रूप से न जाएं तथा यदि किसी पुराने भवन की स्थिति बेहद खराब दिखाई दे तो तत्काल इसकी सूचना नगर पालिका को दें, ताकि समय रहते संभावित हादसे को टाला जा सके।

हीरापुर से निकली विशाल कांवड़ यात्रा, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन के पवित्र महीने में जिलेभर में भगवान भोलेनाथ की भक्ति का माहौल बना हुआ है। शिव मंदिरों में रुद्राभिषेक और जलाभिषेक के साथ श्रद्धालुओं द्वारा कांवड़ यात्राएं भी निकाली जा रही हैं। इसी क्रम में भरवेली क्षेत्र के ग्राम हीरापुर से रविवार को विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में 100 से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए, जो कंधों पर कांवड़

लेकर पैदल हीरापुर से बालाघाट के शंकर घाट के लिए रवाना हुए। कांवड़ यात्रा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। श्रद्धालु डीजे पर बज रहे भगवान शिव के भक्ति गीतों पर झूमते और नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण भोलेनाथ की भक्ति में रंगा नजर आया। श्रद्धालु लगातार भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से होकर शंकर घाट की ओर बढ़ते रहे। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के हाथों में कांवड़ और भगवा ध्वज नजर आए। वहीं कुछ श्रद्धालु अपने कंधों पर भारी त्रिशूल धारण कर समूह के साथ यात्रा में शामिल हुए। त्रिशूल लेकर चल रहे श्रद्धालु लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। कांवड़ यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, वैसे-वैसे इसमें भक्ति और उत्साह का रंग और गहरा होता गया। ग्राम हीरापुर से शुरू हुई यह यात्रा पैदल शहर की ओर रवाना हुई। रास्ते में श्रद्धालु भोलेनाथ के भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए आगे बढ़ते रहे। कांवड़ यात्रा के कारण मार्ग में धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की टोली के साथ चल रहे भक्ति गीतों और भगवान शिव के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। काफी दूरी तय करने के बाद कांवड़ यात्रा बालाघाट के शंकर घाट पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने कांवड़ में लेकर आए पवित्र जल से भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। विधि-विधान और श्रद्धाभाव के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से परिवार और समाज की सुख-समृद्धि तथा जिले में खुशहाली की कामना की।सावन के महीने में आयोजित इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता देखने को मिली। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर धार्मिक आस्था का परिचय दिया। हीरापुर से शंकर घाट तक निकली यह कांवड़ यात्रा क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बनी रही और पूरे मार्ग में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन नजर आए।

पवार महिला संगठन ने किया सावन झूला का आयोजन

सावन के रंग में सजी महिलाएं, गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा पवार मंगल भवन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन के पवित्र महीने में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से पवार महिला संगठन द्वारा स्थानीय पवार मंगल भवन, वार्ड क्रमांक 32 में सावन झूला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन की हरियाली और पारंपरिक संस्कृति के रंग में सजी महिलाओं ने गीत-संगीत के साथ झूले का आनंद लिया और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान मंगल भवन में सावन उत्सव का विशेष माहौल देखने को मिला। महिलाएं हरियाली के प्रतीक के रूप में विशेष श्रृंगार और पारंपरिक परिधानों में पहुंचीं। सावन के गीतों के बीच महिलाओं ने झूला झूलने के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए गीत, नृत्य सहित विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सावन की खुशियों को साझा किया। पवार महिला संगठन की सरिता गौतम ने बताया कि संगठन द्वारा पिछले कई वर्षों से सावन के महीने में इस तरह के झूला कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक मंच पर एकत्रित करना और आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त रहती हैं, ऐसे आयोजन उन्हें कुछ समय अपने लिए निकालने और समाज की अन्य महिलाओं के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि सावन का महीना भारतीय परंपरा में विशेष धार्मिक महत्व रखता है। इस दौरान महिलाएं हरियाली और सावन से जुड़ी परंपराओं के अनुरूप श्रृंगार कर कार्यक्रम में शामिल होती हैं। झूला उत्सव के माध्यम से पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाता है, ताकि आने वाली पीढ़ी भी इन परंपराओं से जुड़ी रहे। कार्यक्रम में महिलाओं ने भगवान भोलेनाथ से जुड़े धार्मिक गीतों और भजनों की प्रस्तुतियां भी दीं। सावन के पवित्र महीने में आयोजित इस आयोजन में महिलाओं ने भगवान शिव की आराधना करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि और समाज में खुशहाली की कामना की। गीत-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच महिलाओं ने उत्साह के साथ एक-दूसरे का उत्साहवर्धन किया। सरिता गौतम ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज की महिलाओं के बीच आपसी संवाद और एकजुटता मजबूत होती है। घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली महिलाओं को जब

इस तरह के सामूहिक कार्यक्रमों में एक साथ आने का अवसर मिलता है तो उनमें नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। उन्होंने बताया कि संगठन भविष्य में भी महिलाओं को जोड़ने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। सावन झूला कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की सहभागिता और उत्साह ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में सावन की हरियाली, पारंपरिक श्रृंगार, झूले और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सुंदर संगम देखने को मिला। महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन में हिस्सा लिया और सावन की परंपराओं को सामूहिक रूप से मनाते हुए एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं।

गोंगपा की जिला स्तरीय बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, प्रदेश और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

गांव-गांव तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने और संगठन मजबूत करने पर बनी रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) बालाघाट की जिला स्तरीय बैठक 22 अगस्त को वीरांगना रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों ने शामिल होकर जिले में संगठन की वर्तमान स्थिति, पार्टी की कार्यप्रणाली, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी समय में पार्टी की गतिविधियों को अधिक प्रभावी तरीके से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा प्रभाग अनिल धुर्वे, राष्ट्रीय महामंत्री एवं लोकसभा प्रभारी अमान सिंह पोर्ते तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री हरेंद्र मार्को सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जिले में पार्टी की गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों की जानकारी ली तथा कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर जमीनी स्तर पर सामने आ रही परिस्थितियों पर चर्चा की। बैठक के दौरान जिले में संगठन की वर्तमान स्थिति को लेकर आत्ममंथन किया गया। अलग-अलग क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन के विस्तार के लिए अब तक किए गए प्रयासों की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके जमीनी कार्यकर्ताओं से होती है। इसलिए बूथ और गांव स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने तथा कार्यकर्ताओं को लगातार पार्टी की गतिविधियों से जोड़कर रखने की आवश्यकता है। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन को और मजबूत बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने, सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया गया। पार्टी की विचारधारा और कार्यक्रमों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव संपर्क बढ़ाने की रणनीति पर भी पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया। पदाधिकारियों ने जिले में संगठन के विस्तार को लेकर अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए उन क्षेत्रों को चिन्हित करने पर जोर दिया, जहां संगठनात्मक गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर हैं। इन कमियों को दूर करने के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, नियमित बैठकें आयोजित करने और पार्टी की गतिविधियों को निरंतर संचालित करने की आवश्यकता बताई गई। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने को लेकर भी बैठक में विचार रखे गए। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि संगठन को केवल जिला मुख्यालय तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक सक्रिय रूप से पहुंचाया जाए। कार्यकर्ताओं से स्थानीय स्तर पर लोगों से संवाद बढ़ाने और पार्टी के कार्यक्रमों एवं विचारधारा की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इसके साथ ही संगठन में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और नए चेहरों को जिम्मेदारी देने को लेकर भी चर्चा हुई। जिला स्तरीय बैठक के बाद दोपहर में उसी परिसर में वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें पार्टी की ओर से बैठक में लिए गए निर्णयों, संगठन की आगामी गतिविधियों और जिले में संगठन के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने आगामी समय में जिले में संगठन को और सक्रिय करने तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में काम करने की बात कही। बैठक के माध्यम से गोंगपा ने जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और जमीनी स्तर पर अपनी मौजूदगी मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत दिया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

ब्रजेश कुमार पटेल जिला मलेरिया अधिकारी के पद पर पदस्थ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय मप्र शासन भोपाल द्वारा जबलपुर के जिला मलेरिया अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल को स्थानांतरित कर जिला मलेरिया अधिकारी बालाघाट के पद पर पदस्थ किया गया है। बालाघाट में पदस्थ जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती मनीषा जुनेजा को स्थानांतरित कर जिला मलेरिया अधिकारी जबलपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाडा में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारितोष शुक्ला को आगामी आदेश तक प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी बालाघाट के पद पर पदस्थ किया गया है।

ट्रांसफार्मर की केबल चुराते एक आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार, दो साथी फरार

ग्रामीणों ने चोर को दबोचा लाखों का माल जब्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रमरमा में बिजली विभाग की कीमती केबल चोरी करने का एक बड़ा मामला सामने आया है। २१ अगस्त को ग्रामीणों की सतर्कता और सजगता से एक चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। जबकि उसके दो अन्य साथी मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस ने बिजली विभाग की कनिष्ठ अभियंता की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी वितरण केंद्र कोचेवाही की कनिष्ठ अभियंता बबीता उइके के द्वारा वारासिवनी थाने में दर्ज कराई गई। एफआईआर के अनुसार २१ अगस्त की सुबह लगभग १० बजे उन्हें लाईन कर्मचारी मिथुन पंचेश्वर ने फोन कर चोरी की घटना की जानकारी दी। सूचना में बताया कि ग्राम रमरमा स्थित एपीटी माईंस के पास लगे १०० केवी ट्रांसफार्मर की एलटी केबल लगभग १०० मीटर लंबी ५० एस यूएमएम एलटी एबी केबल को कुछ लोग काटकर चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही जब कनिष्ठ अभियंता विभागीय कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचीं तो देखा कि ग्रामीणों ने एक युवक को मौके पर ही

दबोच रखा है। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सरजू बोपचे निवासी नेवरगांव बताया। वहीं उसके दो अन्य साथी मुन्नू कारसर्पे और डिलेश गौतम दोनों निवासी नेवरगांव ग्रामीणों को चकमा देकर फरार हो गए। पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि आरोपियों ने चोरी के दौरान ग्रामीणों को गुमराह करने के लिए खुद को बिजली ठेकेदार का आदमी बताया था। चोरी की भारी भरकम केबल ले जाने के लिए आरोपी एक मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी ५० एमपी ८१५६ का इस्तेमाल कर रहे थे। प्राथमिकी रिपोर्ट के अनुसार मौके से जब्त की गई १०० मीटर केबल की अनुमानित कीमत लगभग १५६३६० रुपये है। इससे पूर्व भी इस क्षेत्र ११ केवी कोचेवाही घरेलू फीडर की निम्नदाब लाईन से लगभग ६०० मीटर केबल चोरी हो चुकी है। जिससे विद्युत मंडल को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। घटनास्थल पर पंचनामा तैयार करने के पश्चात बिजली विभाग के अधिकारियों सहायक अभियंता राजीव रंजन व अन्य के सहयोग से पकड़े गए आरोपी सरजू बोपचे को वारासिवनी थाने लाया गया। पुलिस ने कनिष्ठ अभियंता की शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३०३,२ के तहत अपराध दर्ज कर २२ अगस्त को आरोपी सरजू बोपचे निवासी नेवरगांव को न्यायालय पेश कर दो दिन की रिमांड ली गई है। पुलिस टीम फरार आरोपी मुन्नू कारसर्पे और डिलेश गौतम की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

पुलिस लाइन में पदस्थ उप निरीक्षक बनवारी धुर्वे का दुःखद निधन

अचानक तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाया गया-डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस लाइन बालाघाट में पदस्थ उप निरीक्षक बनवारी धुर्वे 53 वर्ष का शनिवार सुबह अचानक स्वास्थ्य खराब होने के बाद निधन हो गया। अचानक स्वास्थ्य खराब होने पर पुलिस लाइन की एंबुलेंस से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट ले लाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार बनवारी धुर्वे वर्ष 1993 में जिला पुलिस बल बालाघाट में आरक्षक के पद पर भर्ती हुए थे।इसके बाद उन्होंने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दीं। सेवा के दौरान पदोन्नति प्राप्त करते हुए वे उप निरीक्षक के पद तक पहुंचे और वर्तमान में पुलिस लाइन बालाघाट में पदस्थ थे। 22 अगस्त की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पुलिस लाइन की एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया।बताया गया है कि उप निरीक्षक बनवारी धुर्वे मूल रूप से सिवनी जिले के ग्राम पाटन थाना कूरई के निवासी थे। यह गांव बालाघाट जिले की सीमा से लगा हुआ है। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। निधन की खबर से पुलिस विभाग और परिजनों में शोक का माहौल है। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम पाटन में किया गया।

बारिश ने बढ़ाई चिंता, नदी-नालों का बढ़ रहा जलस्तर

जिले में 46 इंच बारिश, 27 अगस्त तक भारी बारिश के आसार, वैनगंगा का जलस्तर बढ़ा, शहर के कई वार्डों में जलभराव

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। पिछले करीब एक सप्ताह से रुक-रुककर हो रही बारिश ने जहां मौसम में ठंडक घोल दी है, वहीं नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर और शहर के निचले इलाकों में हो रहे जलभराव ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश का दौर जारी रहने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बाजार से लेकर आवागमन तक बारिश का असर दिखाई दे रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी दिनों में भी मौसम खराब रहने की संभावना जताई है, जिससे प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मानसून सीजन में 22 अगस्त तक जिले में करीब 34 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। तहसीलवार आंकड़ों में बालाघाट तहसील सबसे आगे है, जहां अब तक करीब 46 इंच बारिश हो चुकी है। इसके बाद वारासिवनी में 43 इंच, किरनापुर में 37 इंच, बैहर में 36 इंच, लालबर्रा में 35 इंच, लांजी में 33 इंच, परसवाड़ा में 32 इंच, तिरोड़ी में 30 इंच, बिरसा में 28 इंच तथा कटंगी और खैरलांजी में 25-25 इंच बारिश दर्ज की गई है। लगातार बारिश के चलते जिले के नदी-नालों में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है और निचले इलाकों पर खतरा भी बढ़ता दिखाई दे रहा है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र अगासे के अनुसार 23 से 27 अगस्त तक जिले में मौसम खराब रहने की संभावना है। इस दौरान आंधी-तूफान, गरज-चमक और आकाशीय बिजली के साथ तेज से भारी बारिश हो सकती है। लगातार बारिश के बीच आगामी दिनों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहने का अनुमान है। ऐसे में नदी-नालों का जलस्तर और बढ़ने की आशंका है। विशेषकर निचले क्षेत्रों और नदी किनारे बसे इलाकों में रहने वाले लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। बीते 24

घंटे में भी जिले में करीब आधा इंच बारिश दर्ज की गई है। हालांकि इस वर्ष अब तक हुई बारिश पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब चार इंच कम है। वर्ष 2025 में 22 अगस्त तक जिले में करीब 38 इंच बारिश दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष इसी अवधि तक करीब 34 इंच बारिश हुई है। बारिश का कुल आंकड़ा भले ही पिछले साल से कम हो, लेकिन लगातार हो रही बारिश और आने वाले दिनों में भारी बारिश की संभावना ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

वैनगंगा नदी का बढ़ा जलस्तर

लगातार बारिश का असर जिले की प्रमुख वैनगंगा नदी पर भी दिखाई देने लगा है। 22 अगस्त की शाम करीब 5 बजे तक नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था और नदी का छोटा पुल भी डूबने की स्थिति के करीब पहुंच गया था। नदी में पानी बढ़ने के कारण आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। यदि आगामी दिनों में तेज बारिश का सिलसिला जारी रहता है तो नदी के जलस्तर में और वृद्धि होने की संभावना है। ऐसे में नदी, नालों और पुल-पुलियों के आसपास प्रशासन को निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।

बारिश के बाद शहर के कई वार्डों में जलभराव

22 अगस्त की रात हुई बारिश का असर बालाघाट शहर में भी देखने को मिला। शहर के कई वार्डों में बारिश का पानी जमा हो गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। वार्ड क्रमांक 16 के कुछ हिस्सों में नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा। बारिश का पानी सड़क पर आने से स्थानीय रहवासियों को काफी दिक्कत हुई। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान हर बार कुछ क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद सुधीर चिले ने जलभराव का वीडियो जारी कर नगर पालिका का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित कराया है। उन्होंने नालियों की सफाई कराने और बारिश के पानी की निकासी के लिए बेहतर व्यवस्था करने की मांग की है। पार्षद के अनुसार चक्र चौराहा और गुजरी सहित कुछ क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। बारिश शुरू होते ही नालियों का पानी सड़कों पर आने लगता है, जिससे लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने नगर पालिका से ऐसे स्थानों को चिन्हित कर स्थायी जल निकासी व्यवस्था तैयार करने की मांग की है, ताकि हर बारिश में लोगों को इसी समस्या का सामना न करना पड़े।

कई तहसीलों में पिछले साल से कम बारिश

बारिश के आंकड़ों की तुलना वर्ष 2025 से करने पर इस बार कई तहसीलों में बारिश कम दर्ज हुई है। बालाघाट तहसील में इस वर्ष 46 इंच बारिश हुई है, जबकि पिछले वर्ष 22 अगस्त तक यहां 49 इंच बारिश दर्ज की गई थी। वारासिवनी में इस वर्ष 43 इंच के मुकाबले पिछले वर्ष 51 इंच, बैहर में 36 के मुकाबले 45 इंच, कटंगी में 25 के मुकाबले 36 इंच, किरनापुर में 37 के मुकाबले 41 इंच, लालबर्रा में 35 के मुकाबले 43 इंच, परसवाड़ा में 32 के मुकाबले 47 इंच तथा तिरोड़ी में 30 के मुकाबले 38 इंच बारिश हुई थी। दूसरी ओर लांजी, खैरलांजी और बिरसा में इस वर्ष पिछले साल की तुलना में बारिश अधिक दर्ज की गई है।

विस्थापन के बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरसे वनग्रामों के ग्रामीण

नवेगांव, चिखलाबड्डी और सोनवानी के ग्रामीणों ने विधायक से लगाई गुहार, बोले- पुनर्वास स्थल पर सड़क, बिजली और पेयजल की व्यवस्था अब तक अधूरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के लालबर्रा विकासखंड अंतर्गत वनग्राम नवेगांव, चिखलाबड्डी और सोनवानी से विस्थापित किए गए ग्रामीणों ने शनिवार को बाघ कॉलोनी स्थित शासकीय कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि शासन की योजना के तहत पुराने निवास स्थान से विस्थापित कर उन्हें नए स्थान पर बसाया गया, लेकिन विस्थापन के दौरान जिन मूलभूत सुविधाओं का भरोसा दिलाया गया था, उनमें से कई सुविधाएं अब तक पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। सड़क, बिजली और सबसे बड़ी समस्या पेयजल की बनी हुई है, जिसके कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीण ज्ञानसिंह धुर्वे ने बताया कि सोनवानी कंजर्वेशन के विस्तार के लिए वनग्रामों के परिवारों को शासन की योजना के तहत विस्थापित किया गया था। विस्थापन के समय ग्रामीणों को नए स्थान पर बेहतर जीवन-यापन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई थी, लेकिन वर्तमान स्थिति में कई सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। उनका कहना है कि पुनर्वास स्थल पर सड़क की स्थिति पर्याप्त नहीं है, बिजली की समस्या बनी रहती है और पेयजल की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार सबसे गंभीर स्थिति पेयजल को लेकर है। उन्हें पर्याप्त और शुद्ध पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। पानी की गुणवत्ता को लेकर भी ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। उनका कहना है कि यदि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं कराया

गया तो स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बना रहेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल पेयजल व्यवस्था सुधारने और सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने की मांग की है। विधायक अनुभा मुंजारे के जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर उन्हें ज्ञापन भी सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि पुराने गांव से विस्थापित होकर उन्होंने शासन के भरोसे पर नए स्थान पर अपना जीवन शुरू किया है। ऐसे में पुनर्वास स्थल पर आवश्यक सुविधाओं का अभाव उनके लिए बड़ी परेशानी बन गया है। ग्रामीणों ने विधायक से मांग की कि वे संबंधित विभागों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराकर जल्द से जल्द सुविधाएं उपलब्ध कराने की पहल करें। विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शासन की योजना के तहत सोनवानी कंजर्वेशन के विस्तार के लिए वनग्राम नवेगांव, चिखलाबड्डी और सोनवानी के परिवारों को विस्थापित किया गया है। विस्थापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद करीब 27 परिवारों को लगभग एक वर्ष पहले ग्राम पंचायत साल्हे (ला.) में जीवन-यापन के लिए बसाया गया था। ग्रामीणों द्वारा लगातार मूलभूत सुविधाओं की कमी की समस्या सामने रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुनर्वास के बाद ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि उन्हें नए स्थान पर जीवन-यापन में किसी तरह की परेशानी न हो। जनदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली और पानी की समस्याओं को प्रमुखता से विधायक के सामने रखा। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से आवागमन प्रभावित होता है। बिजली की व्यवस्था को लेकर भी परेशानी है, जबकि पेयजल की समस्या सबसे अधिक गंभीर है। इन समस्याओं के कारण बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य परिवारों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने संबंधित अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा की और समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता में रखते हुए मौके की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाए। विशेष रूप से पेयजल की समस्या का समाधान जल्द कराने की दिशा में काम करने पर जोर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने शासन की योजना के तहत अपने वर्षों पुराने निवास स्थान को छोड़कर पुनर्वास स्थल पर नई जिंदगी शुरू की है। ऐसे में उन्हें वहां सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन-यापन के लिए सड़क, बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलना जरूरी है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जनदर्शन में समस्या सामने आने के बाद संबंधित विभाग सक्रिय होकर जल्द कार्रवाई करेगा और पुनर्वास स्थल की सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों ने मांग की कि केवल अस्थायी व्यवस्था करने के बजाय सड़क, बिजली और पेयजल की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि विस्थापन के बाद उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिए बार-बार प्रशासन के चक्कर न लगाने पड़ें।

भीमा नाला का बढ़ा जल स्तर, नैनपुर-बालाघाट मार्ग चार घंटे रहा बंद

भारी बारिश के बाद बढ़ा पानी का बहाव, मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लगी कतार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण क्षेत्र के नदी-नालों में पानी का बहाव तेजी से बढ़ रहा है। शनिवार को भीमा नाला में अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण नैनपुर-बालाघाट मार्ग करीब चार घंटे तक बंद रहा। नाले में पानी अधिक होने के चलते मार्ग से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई, जिससे दोनों ओर राहगीरों और वाहनों की कतार लग गई। मार्ग बंद रहने के कारण नैनपुर और बालाघाट की ओर आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया गया कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते आसपास के छोटे-बड़े नालों में पानी का स्तर बढ़ गया है। शनिवार को भीमा नाला में भी अचानक पानी का बहाव तेज हो गया। पानी सड़क के ऊपर से बहने लगा, जिसके बाद मार्ग से आवागमन जोखिम भरा हो गया। सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को नाले के पानी के कम होने तक इंतजार करना पड़ा। मार्ग बंद होने के कारण दोनों तरफ बड़ी संख्या में वाहन फंस गए। नैनपुर-बालाघाट मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, विद्यार्थी और अन्य लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में

करीब चार घंटे तक रास्ता बंद रहने से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी हुई। कई राहगीरों को बारिश के बीच सड़क किनारे खड़े होकर पानी कम होने का इंतजार करना पड़ा। स्थानीय राहगीरों का कहना है कि बारिश के दौरान भीमा नाला में पानी का बहाव अचानक तेज हो जाता है। पानी बढ़ने के बाद नाले को पार करना बेहद जोखिम भरा हो जाता है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति अधिक खतरनाक हो जाती है। तेज बहाव के बीच यदि कोई वाहन चालक नाला पार करने का प्रयास करता है तो दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नाले का जलस्तर बढ़ने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों की परेशानी भी बढ़ गई है। विद्यार्थियों, बुजुर्गों और किसानों को बारिश के दौरान आवागमन में सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश होने की स्थिति में नाले का जलस्तर और बढ़ सकता है, जिससे मार्ग पर आवागमन लंबे समय तक प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। राहगीरों ने मांग की है कि बारिश के दौरान भीमा नाला के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जाए और पानी बढ़ने की स्थिति में मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही नाले के आसपास चेतावनी संकेत और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि लोग तेज बहाव के बीच रास्ता पार करने का जोखिम न उठाएं। लगातार बारिश के बीच नैनपुर-बालाघाट मार्ग पर भीमा नाला का बढ़ता जलस्तर आने वाले दिनों में भी परेशानी का कारण बन सकता है।

मारपीट और जबरन वसूली के आरोप में पत्रकार समेत चार के खिलाफ मामला दर्ज

दो लाख रुपये की मांग-50 हजार रुपये लेने का आरोप, वारदात के बाद सभी आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में एक मवेशी व्यवसायी ने पत्रकार सहित चार लोगों पर मारपीट, जान से मारने की धमकी देने और जबरन 50 हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाया है। 21 अगस्त की राशि 9-00 बजे करीब यह वारदात इस थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खुमरीटोला के पास जंगल झुराटोला कच्ची रोड़ पर घटित की गई। मुस्तकीम कुरैशी 45 वर्ष द्वारा की गई शिकायत पर मलाजखंड पुलिस ने पत्रकार टोपराम पटले सहित चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किये। अपराध दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहतगढ़ जिला सागर निवासी 45 वर्षीय मुस्तकीम कुरैशी पिछले करीब पांच वर्षों से ग्राम मंडवा चौकी बिठली में रहकर मवेशियों की खरीदी-बिक्री का काम करते हैं। 21 अगस्त को वे चार छोटे बोदे खरीदकर मजदूर आनंद मरावी के साथ उन्हें हांकते हुए ग्राम डोरली के खुमरीटोला तक पहुंचे थे। मौसम खराब होने के कारण उन्होंने पिकअप वाहन किराए पर बुलाया था और मवेशियों को उसमें लोड किया जा रहा था। रात करीब 9 बजे सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार से पत्रकार टोपराम पटले, सतीश राहंगडाले, बुधराम मरावी और देवनसिंह मरकाम वहां पहुंचे। आरोप है कि चारों ने मुस्तकीम को अवैध कारोबार करने की बात कहते हुए गाली-गलौज की और टोपराम पटले ने उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की।शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने पिकअप चालक दिलीप सहित मुस्तकीम को वाहन में बैठाया और पिकअप को बिरसा की ओर ले जाने लगे। ग्राम शेरपार के जंगल में पिकअप रोककर आरोपियों ने मुस्तकीम से मामला रफा-दफा करने और पुलिस के चक्कर से बचाने के नाम पर दो लाख रुपये की मांग की। रुपये नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने तथा जंगल में जान से मारकर फेंक देने की धमकी देने दी।मुस्तकीम ने डर के कारण उन्होंने अपने पास रखे 50 हजार रुपये देवनसिंह मरकाम को दे दिए। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर हर महीने 20 हजार रुपये देने की बात कही और अपना काम जारी रखने के लिए कहा इसके बाद मुस्तकीम अपने साथी के साथ घर आ गए।रात में तेज बारिश होने के कारण मुस्तकीम तत्काल पुलिस में शिकायत नहीं कर सके। 22 अगस्त को वे मजदूर आनंद मरावी के साथ मलाजखंड थाने पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।मलाजखंड पुलिस ने शिकायत के आधार पर पत्रकार टोपराम पटले, सतीश राहंगडाले, बुधराम मरावी और देवनसिंह मरकाम के खिलाफ मारपीट, धमकी और जबरन वसूली सहित संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी),115(2),308(5),3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट दर्ज होने की भनक लगते हैं सभी आरोपी फरार हो गए जिनकी तलाश मलाजखंड पुलिस द्वारा की जा रही है।

मासूम से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 वर्ष की कठोर कारावास-10 हजार रुपये अर्थदंड

विशेष न्यायाधीश गौतमसिह मरकाम की अदालत का फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत ने एक मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के मामले आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई यह आरोपी सुनील पिता धूपलाल विश्वकर्मा 21 वर्ष वार्ड नंबर 21 लामता थाना लामता निवासी है। जिसे विद्वान अदालत ने 10 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किये है।
मामला लामता थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार 30 मई 2024 को नाबालिग की मां सुबह घर से बाहर गई थी। घर पर बच्चे मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी सुनील विश्वकर्मा नाबालिग को खाना बनाने के बहाने से अपने साथ घर ले लाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शाम को उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी आपबीती बताई। बेटी की बात सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने तत्काल पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। लामता पुलिस ने सुनील विश्वकर्मा के विरुद्ध भादवि की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया और मामले की गंभीरता से विवेचना करते हुए साक्ष्य जुटाए और आरोपी सुनील विश्वकर्मा के विरुद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किये।

यह मामला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतमसिह मरकाम की अदालत में चला। विद्वान अदालत ने विचारण के दौरान आए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सुनील विश्वकर्मा को दोषी पाया और उसे धारा 376(2) च भादवि में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 4 हजार रुपये अर्थदंड तथा पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 6 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। धारा 376 एबी भादवि की सजा को पॉक्सो एक्ट की सजा में समाहित किया गया।प्रकरण में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कपिल कुमार डहेरिया के द्वारा प्रभावी पैरवी की।

सड़क पर सज रहीं सब्जी दुकानें, यातायात व्यवस्था हो रही प्रभावित

चौपाटी एवं मंडी निर्माण की उठी मांग, प्रशासन की उदासीनता से 50 लाख का बजट हुआ था वापस

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में सब्जी मंडी का स्थायी निर्माण न होने के कारण यातायात और जन-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विगत कई वर्षों से सब्जी मार्केट में सड़क पर ही सब्जी की दुकानें सज (लग) रही हैं, जिससे रोजाना आवागमन बाधित हो रहा है। दुकानों और खरीदारी करने आये लोगों के वाहनों के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे स्थानीय निवासियों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत से लंबे समय से चौपाटी (गुमठी) और सब्जी मंडी निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिससे कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मुख्य मार्ग पर दुकानें लगने से सड़क सकरी हो गई है। जब दुपहिया वाहनों से कोई व्यक्ति गुजरता है या सब्जी लेने पहुंचता है तो दुसरे वाहन से ग्राहकों के टकराने के कारण आये दिन विवाद की स्थिति बनते रहती है। साथ ही साप्ताहिक बुधवार बाजार के दिन स्थिति और भी विकराल हो जाती है, जिससे दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को आवाजाही में भारी दिक्कते होती है। साथ ही दुकानदारों के द्वारा सड़क किनारे कचरा फेंकने से कई स्थानों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है और बरसात के दिनों में उक्त गंदगी की दुर्गंध से आसपास के रहवासी एवं आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में रोष व्याप्त है।

जनपद की उदासीनता से वापस लौटी राशि

आपकों बता दे कि लालबर्रा सब्जी मार्केट में सब्जी विक्रेताओं के लिए चौपाटी(गुमठी) निर्माण हेतु विगत वर्ष पूर्व शासन द्वारा 50 लाख रूपये स्वीकृत किये गये थे। इस राशि से ग्राम पंचायत पांढरवानी को निर्माण कार्य करवाना था। ग्राम पंचायत पांढरवानी ने जनपद पंचायत लालबर्रा से निर्माण के लिए स्थान उपलब्ध करवाने की मांग की थी। परंतु जनपद पंचायत द्वारा जगह उपलब्ध न करवाये जाने के कारण स्वीकृत 50 लाख रूपये की राशि शासन को वापस लौट गई। यदि जनपद पंचायत समय पर जगह उपलब्ध करवा देती, तो आज दुकानें सड़क पर न लगकर व्यवस्थित चौपाटी में संचालित हो रही होती। साथ ही वर्तमान में जो दुकाने सड़क पर लग रही है जिसके चलते लोगों को हो रही परेशानियों से निजात मिल जाती। लेकिन प्रशासन की उदासीनता के चलते समस्या जस की तस बनी हुई है और चौपाटी (गुमठी) निर्माण के लिए आई राशि वापस हो गई। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता के चलते लालबर्रा का सब्जी मार्केट में अव्यवस्था फैली हुई है और जगह के अभाव में सड़क पर सब्जी की दुकाने लग रही है, जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कुछ स्थानों पर गंदगी होने से दुकान लगाने वाले दुकानदार एवं ग्राहकों को भी दिक्कतों का सामना करना पडता है। वहीं जाम की स्थिति निर्मित होने पर ग्राहक सामने वाले दुकानदार से ही खरीदी कर लेते है और अंदर स्थित दुकानों तक नही पहुंचने से उनका व्यापार भी प्रभावित होता है। इसलिए स्थानीयजनों एवं सड़क पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों ने शासन-प्रशासन से चौपाटी (गुमठी) एवं मंडी का निर्माण करवाने की मांग की है।

सड़क पर दुकानें लगने से आवागमन हो रहा बाधित - फिरोज

आम आदमी पार्टी जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने बताया कि लालबर्रा सब्जी मार्केट में सड़क पर दुकानें लगने से आवागमन बाधित होने के साथ ही सब्जी एवं अन्य सामग्री लेने आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कुछ स्थानों पर पानी जमा एवं कचरे के कारण गंदगी फैल रही है, जिसकी दुर्गंध से बीमारी होने का डर बना हुआ है, दुकानदार जो जहां-तहां गंदगी कर रहे है उन्हे नही करना चाहिए और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। श्री नियाजी ने बताया कि आगामी त्यौहारों के सीजन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को सड़क पर जो अतिक्रमण फैला हुआ है उसे हटाकर दुकानों को व्यवस्थित करना चाहिए और नियमित रूप से साफ-सफाई की जाये ताकि आने-जाने वालों को हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

50 लाख की राशि वापस लौटने से अटका व्यवस्थापन - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि सब्जी मार्केट में सड़क किनारे सब्जी एवं अन्य दुकानों के बेतरतीब ढंग से लगने के कारण रोजाना यातायात बाधित हो रहा है। जिससे शाम के समय जब स्कूलों की छुट्टी होती है, उस समय बाजार क्षेत्र में स्थिति बेहद विकट हो जाती है। सड़क पर दुकानें फैली होने से ब%चों और आम राहगीरों को काफी परेशानियों सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, विक्रेताओं द्वारा सड़क पर ही कचरा और गंदगी फैलाई जाती है। जिससे लोगों को परेशानी होती है। श्री खान ने बताया कि सब्जी बाजार को व्यवस्थित करने और दुकानदारों के लिए स्थाई चबूतरे व गुमटियां बनाने के लिए पूर्व में 50 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसके बाद जनपद पंचायत लालबर्रा से भूमि उपलब्ध करवाने की मांग की गई किन्तु उन्होने समय पर भूमि उपलब्ध नही करवाये जिसके कारण जो राशि प्राप्त हुई थी वह वापस लौट गया। यदि समय पर भूमि मिल जाती, तो विक्रेताओं को सुव्यवस्थित स्थान मिल जाता और बाजार में अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न होती। आगे बताया कि सड़क पर अतिक्रमण कर दुकानें लगाने वाले दुकानदारों को सख्त हिदायत दी जायेगी कि वे सड़क पर अतिक्रमण कर दुकाने न लगाये, स्व%छता का पालन करें। गंदगी फैलाने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। साथ ही तहसील कार्यालय और ग्राम पंचायत के संयुक्त प्रयासों से सड़कों पर किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाने का अभियान चलाया जायेगा।

पांढ़रवानी हनुमान मंदिर से निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा आज

वैनगंगा नदी से जल लाकर कांवड़ियें करेगें भोलेनाथ का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सावन माह के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम पांढ़रवानी में धार्मिक उत्साह के साथ 23 अगस्त को भव्य कांवड़ यात्रा निकलेगी और वैनगंगा नदी से जल लाकर कांवड़ियें भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगें। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के पावन अवसर पर 23 अगस्त को प्रात: 10 बजे ग्राम स्थित मंदिर से डीजे की धुन पर भव्य कांवड़ यात्रा निकलेगी। इस अवसर पर सभी श्रध्दालुजन ग्राम स्थित हनुमान मंदिर में एकत्रित होगें तत्पश्चात डीजे एवं धार्मिक भजनों की गूंज के साथ कांवड़िये पैदल यात्रा करते हुए पवित्र वैनगंगा नदी के तट पर पहुंचेंगे। वहां से मां वैनगंगा का पावन जल कांवड़ में भरकर पुन: हनुमान मंदिर लौटेंगे और विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रध्दालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आयोजन समिति द्वारा यात्रा मार्ग पर फलाहार, स्वल्पाहार एवं शीतल पेयजल के स्थान-स्थान पर स्टॉल लगाये जायेगें। वहीं जलाभिषेक और पूजन-अर्चन संपन्न होने के पश्चात हनुमान मंदिर प्रांगण में महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर श्रध्दालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने एवं पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

भारत पशुधन ऐप पर पशुओं के आधार अपडेशन हेतु बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुओं की आधार संबंधी जानकारी को अद्यतन करने के उद्देश्य से आज पशु चिकित्सालय लामता में भारत पशुधन ऐप पर आधार अपडेशन से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में पशु चिकित्सालय लामता के अंतर्गत कार्यरत समस्त गौ सेवक एवं गौ मैत्री उपस्थित रहे। बैठक के दौरान गौ सेवकों एवं गौ मैत्रियों को भारत पशुधन ऐप पर पशुओं के आधार अपडेशन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अधिकारियों ने आधार अपडेशन कार्य को गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। बैठक में खंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज पुशाम, प्रभारी पशु चिकित्सालय लामता डॉ. अरविंद नागेश्वर एवं प्रभारी पशु औषधालय चांगो टोला देवेश पटले उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि भारत पशुधन ऐप पर पशुओं की आधार संबंधी जानकारी को अद्यतन करने से पशुओं का डिजिटल रिकॉर्ड अधिक व्यवस्थित एवं सुदृढ़ होगा। इससे विभागीय अभिलेखों के संधारण तथा पशुओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की निगरानी में भी सुविधा होगी।

युवक को लगा करंट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी

अमोली में केबल हटाते समय घटी घटना, अमन अवधिया बाल-बाल बचे, ग्रामीणों में रोष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया। बिजली विभाग के कर्मचारी की गलती के चलते केबल सुधारने के दौरान एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका उपचार जारी है और डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी एवं अवधिया बर्तन दुकान के संचालक व स्थानीय समाचार अखबार के संवाददाता अमन अवधिया के घर का सर्विस वायर शनिवार को किसी अज्ञात चौपहिया वाहन की टक्कर से टूट गया था। शनिवार शाम करीब 5 बजे बिजली विभाग के कर्मचारी वायर दुरूस्त करने पहुंचे थे। आरोप है कि मौके पर मौजूद विद्युत कर्मचारी की मौजूदगी में अमन से टूटे वायर को हटाने के लिए कहा गया। जैसे ही अमन ने वायर को हटाया, उसमें से तेज चिंगारी निकली। झटके में वायर छत पर जा गिरा। इसके बाद जब अमन छत से नीचे उतरने लगा, तभी छत में लगे लोहे के पाइप/एंगल में फैले करंट की चपेट में आ गया। चिपके रहने के दौरान अमन ने बचाव के लिए आवाज लगाई, जिसके बाद परिजनों और पड़ोसियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल बिजली सप्लाई बंद करवाई और लकड़ी के डंडे की मदद से उसे अलग कर नीचे उतारा।

बेसुध अवस्था में पहुंचाया अस्पताल

वहीं विद्युत वायर को हटाते समय करंट के जोरदार झटके से अमन मौके पर ही बेसुध हो गया था। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद परिजन व ग्रामीणों की मदद से युवक को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर भर्ती किया गया। वहीं घटना की खबर फैलते ही अमन का कुशलक्षेम जानने के लिए अस्पताल में उनके परिचितों और स्थानीय निवासियों का जमावड़ा लग गया। प्रत्यक्षदर्शी एवं ग्रामीणों का कहना है कि चालू लाइन (करंट प्रवाहित वायर) को सामान्य नागरिक से हटवाना बिजली कर्मचारियों की घोर लापरवाही को दर्शाता है। अगर समय पर बिजली सप्लाई बंद न की जाती, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने विद्युत कर्मचारी पर कार्यवाही करने की मांग की है।

अमन का उपचार जारी है - खान

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि अमन अवधिया के घर का विद्युत कनेक्शन का वायर (केबल) शनिवार को टूट गया था, जिसका सुधार कार्य शाम में किया जा रहा था। तभी विद्युत करंट लगने से वह झुलस गया था, जिसे तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया है, जहां उपचार जारी है और वह खतरे बाहर है एवं स्वस्थ है। श्री खान ने बताया कि जानकारी मिल रही है जिस समय अमन विद्युत करंट की चपेट में आया उस समय विद्युत कर्मचारी मौजूद थे और उन्ही के कहने पर वह वायर हटा रहा था, जिसकी जांच की जायेगी एवं हमारी पहली प्राथमिकता है कि युवक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले।

बोरी में तेज बारिश के बीच श्रध्दा और उत्साह के साथ निकली कलश वंदन यात्रा

कलश वंदन यात्रा के माध्यम से जन-जन तक पहुंच रहा संत शिरोमणि रविदास जी का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। समाज में समरसता, एकता और संत रविदास जी के लोककल्याणकारी विचारों का प्रसार करने के उद्देश्य से पूरे मध्यप्रदेश में गत 20 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक ''कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान'' चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 22 अगस्त को लालबर्रा विकासखंड के ग्राम बोरी में संत शिरोमणि श्री संत रविदास महाराज जी की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य और गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम बोरी स्थित संत रविदास प्रतिमा स्थल से शनिवार को दोपहर 12 बजे कलश वंदन यात्रा की शुरूआत हुई। क्षेत्र में हो रही अत्यधिक बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद सामाजिक महिलाओं और ग्रामीणों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। पारंपरिक रूप से महिलाओं ने सिर पर पूजित कलश धारण कर पैदल यात्रा निकाली। इस कलश वंदन यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' के अमर संदेश और संत रविदास महाराज जी के जयकारों से गूंजायमान हो उठा। बोरी में सफल आयोजन के पश्चात यह रथ यात्रा अगले पड़ाव कटंगी जनपद पंचायत की ओर रवाना हुई। जहां आगे के विविध कार्यक्रम संपन्न करवाये जायेगें। इस कलश वंदन यात्रा के दौरान तेज बारिश भी हुई लेकिन इस तेज (भारी) बारिश के बीच श्रध्दा और उत्साह के साथ कलश वंदन यात्रा निकाली गई।

संत रविदास जी के विचारों पर मंथन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और मंचीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कलश यात्रा के समापन के बाद एक भव्य मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित अतिथियों और वक्ताओं ने संत रविदास जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर नमन किया। जिसके बाद हाई स्कूल बोरी के प्राचार्य श्री चौहान के मार्गदर्शन में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक स्वागत गीत और सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह की तालियां बटोरीं। मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर ने संत रविदास जी महाराज के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी ने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातिगत भेदभाव और कुरीतियों पर करारा प्रहार करते हुए संपूर्ण मानव जाति को आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उन्हें मिला 'संत शिरोमणि' का दर्जा उनकी महानता को दर्शाता है। आगे कहा कि आज के समय में उनके विचारों को जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रध्दांजलि होगी। रविदास समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दीपक चौधरी ने संत रविदास जी की जीवन यात्रा, उनकी भक्तिधारा और समाज सुधार के कार्यों पर विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद सदस्य पूजा चौधरी, खंड पंचायत अधिकारी चंदनसिंह मर्सकोले, छात्रावास अधीक्षक टीसी टांडेकर, सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसुंदर बारमाटे, सचिव मुरेश्वर गिरी, सहायक सचिव संदीप वैद्य, रविदास समाज अध्यक्ष दीपक चौधरी, महिला अध्यक्ष गीता बालकदास खरोले, महिला कोषाध्यक्ष मुन्नी रमेश झाडेकर, ब्लॉक सचिव कमलेश खरोले, सामाजिक बंधु कस्तूर बारेकर, रमेश खरोले, दुर्गाप्रसाद जगने, प्रकाश बर्वे, मनीष चौधरी, ददन खरोले, मदन खरोले, राजू खरे, प्रदीप बर्वे, संदीप बर्वे, प्रमिला खरे, कांति खरे, नितेश्वरी चौधरी, चंद्रप्रभा चौधरी, रोशनी खरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सावंगी में एक महीने से नल-जल योजना बंद

बारिश में गंदा पानी आने के बाद सप्लाई ठप्प, स्कूल और दूर-दराज के जल स्त्रोतों पर निर्भर ग्रामीणजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सावंगी और उसके आश्रित टोलों में पिछले एक महीने से भी अधिक समय से नल जल योजना पूरी तरह ठप्प पड़ी हुई है। अभी बारिश के मौसम में भी ग्रामीणों को बूंद .बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। पंचायत स्तर पर शिकायत किए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है जिससे ग्रामीणों में शासन और प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है।

गंदे पानी की शिकायत के बाद बंद हुई सप्लाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सावंगी में ग्रामीणों की सुविधा के लिए वर्षों पूर्व नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। योजना के निर्माण में लंबा समय लगने के बाद भी शुरुआत से ही पानी की अनियमित आपूर्ति बनी रही। हाल ही में गर्मी के दिनों में पानी का वितरण किसी तरह शुरू किया गया था लेकिन बारिश की शुरुआत में नदी का जलस्तर घटने से नलों में मटमैला और गंदा पानी आने लगा। ग्रामीणों ने जब इसकी शिकायत पंचायत प्रशासन से की तो समस्या का समाधान करने के बजाय नल जल योजना की सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई। योजना बंद होने के कारण सावंगी के मुख्य गांव और टोलों के लोग अपने पारंपरिक जल स्त्रोतों कुओं और हैंडपंपों पर निर्भर होने के लिए मजबूर हैं। टोले के लोगों को पीने के पानी के लिए गांव के सरकारी स्कूल तक जाना पड़ रहा है। लोग साइकिल और मोटरसाइकिलों में डिब्बे बांधकर पानी ढोने को मजबूर हैं। बारिश का मौसम होने के कारण खुले कुओं और हैंडपंपों का पानी दूषित और असुरक्षित होने की आशंका बनी हुई है। मजबूरी में ग्रामीण इसी असुरक्षित पानी का उपयोग कर रहे हैं,सावंगी पंचायत को बार.बार समस्या से अवगत कराया गया है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से मांग की है कि नल जल योजना को तत्काल सुधारकर गांव में शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें इस गंभीर संकट से राहत मिल सके।

नही मिल रहा पानी ग्रामीणों में आक्रोश-विशाल सेंद्रे

ग्रामीण विशाल सेंद्रे ने बताया कि यह सावंगी ग्राम है हमारे यहां नल जल का पानी नहीं आता है और ना ही ग्राम में किसी व्यक्ति को आ रहा है। अभी हैंडपंप से पानी ला रहे हैं जहां से निस्तार के लिए हम पानी उपयोग कर रहे हैं और स्कूल से पीने का पानी लाते हैं। सभी लोग सुबह से पानी लेने के लिए चले जाते हैं यह दिक्कत सभी के साथ है की पानी लाने के लिए दूर जाना पड़ रहा है। यह जो नल जल योजना का कनेक्शन घरों में दिया गया है इसे यदि चालू कर दिया जाता तो हर किसी को आसानी से घर में ही पानी मिल जाता परंतु अभी योजना बंद पड़ी हुई है। जब से योजना बनी है तब से दिक्कत है कभी चालू होती है कभी बंद हो जाती है सब अचानक होता है।

एक महीना से ज्यादा का समय हो गया है योजना बंद पड़ी हुई है-सुंदरलाल पटले

सुंदरलाल पटले ने बताया कि अभी तो नल में पानी ही नहीं आ रहा है एक महीना से ज्यादा का समय हो गया है पूरी योजना बंद पड़ी हुई है। इसकी शिकायत तो नहीं किये परंतु पंचायत में जाकर हमने बोले हैं तो वहां पर हमें जवाब दिया गया कि पानी आ जाएगा और यही कहते हैं। पंचायत के लोगो से भी चर्चा हुई है परंतु अब पानी नल से नहीं मिलने के कारण हम हैंडपंप और कुंए से पानी लाने के लिए बाहर जा रहे हैं। जब नल जल योजना चालू थी तो हमारे वार्ड नंबर ६ में गंदा पानी आ रहा था उसके बाद से तो बंद ही पड़ी है। जब नल से पानी मिल रहा था तो समस्या नहीं थी पर गंदा पानी आता था इस बात को हमने पंचायत में भी बताया तो उन्होंने धुलाई करने की बात बोले थे पर अब पानी आना ही बंद हो गया। तो बाहर से पानी लेकर आ रहे हैं दिक्कत तो होती है मोटरसाइकिल से पानी लाना पड़ता है।

बहुचर्चित चावल घोटाले में गोंदिया का जय अग्रवाल गिरफ्तार, २५ तक पुलिस रिमांड पर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र में उजागर हुए चर्चित शासकीय चावल घोटाले मामले में गठित विशेष जांच दल द्वारा २२ अगस्त को गोंदिया महाराष्ट्र निवासी दलाल यानि ब्रोकर जय अग्रवाल उम्र ३७ वर्ष को गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने पुलिस की अर्जी पर सुनवाई करते हुए आरोपी को २५ अगस्त तक के लिए पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहन पूछताछ जारी है जिससे घोटाले से जुड़े कई और बड़े खुलासे होने की संभावना बनी हुई है। जांच में सामने आया है कि गोंदिया निवासी जय पिता श्रीराम अग्रवाल पेशे से ब्रोकर का काम करता है। आरोप है कि वह शासकीय वितरण प्रणाली के चावल को अवैध रूप से खुले बाजार में खपाने की मुख्य कड़ी का काम कर रहा था। वह राइस मिलरों और अवैध खरीदारों के बीच माध्यम बनकर सरकारी राशन की अफरा.तफरी को अंजाम दे रहा था। विदित हो कि यह पूरा मामला ३ जून को पहली बार उजागर हुआ था। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी। जांच में धीरे धीरे एक बड़ा सिंडिकेट सामने आया, जिसमें अब तक कई राइस मिलर, मुनीम, ट्रक ड्राइवर, इथेनॉल प्लांट के अधिकारी समेत कई लोगों को आरोपी बनाया जा चुका है और जांच की आंच अन्य संदिग्धों तक भी पहुंच रही है। पुलिस द्वारा दर्ज अपराध क्रमांक २७२/२६ के तहत आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१६(३), ३१८(३), ३१८(४), ३३६(३), ३३८, ३४०(२),३,५, ६१(२), २३८ के तहत पुलिस टीम ने जय अग्रवाल को रिमांड पर लेकर लगातार पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गोंदिया और आसपास के जिलों राज्यों में शासकीय चावल की सप्लाई किन.किन व्यापारियों और मिलों तक की जाती थी। २५ अगस्त तक की रिमांड अवधि के दौरान इस घोटाले में शामिल अन्य नाम भी उजागर होने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय कवि प्रणय श्रीवास्तव हुए विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मां वैन गंगा एवं चंदन नदी पर पहली बार अष्टक स्त्रोत संस्कृत में एवं चालीसा आरती का सृजन कर लंदन बुक ऑफवर्ड रिकॉर्ड में दो बार पंजीकृत हो चुके अंतर्राष्ट्रीय कवि प्रणय श्रीवास्तव को आयोजित एक साहित्यिक समारोह में डॉक्टरेट विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग संचालक श्रीरंग देवरस एवं वरिष्ठ नागरिक मंच के सभी लोगो के द्वारा सम्मानित कर अलंकृत किया गया। श्रीरंग देवरस एवं क्षीर सागर पारधी के द्वारा अपने करकमलों से यूनिवर्सल ऑनरेरी अवॉर्ड कौंसिल नई दिल्ली के द्वारा प्रदत्त मेडल एवं डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान कर शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग के बी एल भैंना ,जिला क्षत्रिय राजपूत समाज के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा, जिला कायस्थ समाज के अध्यक्ष राजेश वर्मा,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष निर्दोष माडल, अशोक सागर मिश्र, अमर सिंह ठाकुर,मोहन आचार्य, भोलानाथ नंदी ,नितेंद्र श्रीवास्तव,अश्विनी उपाध्याय,प्रदीप खंडेलवाल,पदम सुराना,संदीप रूसिया ,अभय सेठिया,महेंद्र सुराना,संजय रूसिया ,दिलेश खंडेलकर,पंचम हनवत ,विक्की एडे, सुनील जायसवाल,सुरेंद्र बिसेन, मनोहर सिंह ठाकुर,हीरा सिंह चंदेल ,मनीराम बिसेन ,प्रदीप खंडेलवाल ,मनोहर बोकडे ,रामेश्वर मसखरे, सुमेर चंद कोल्हे, अशोक दुबे ,गणेश चूरहे ,डी एल एडे ,शिव दयाल पटले , भेजेंद्र चौधरी ,निलेश नेमा,सुनीता हनवत, सृष्टि मेश्राम,शरद डेकाटे,दिव्या श्रीवास्तव, अजीत जैन , सुरेश सिंघई,नंदलाल उइके ,अनिता श्रीवास्तव मौजूद रहे। अलंकरण समारोह के पश्चात वरिष्ठ नागरिक मंच के द्वारा ६८ दीपक प्रज्वलित कर जन्म दिवस मनाया गया एवं सुंदर कांड एवं हनुमान चालीसा पाठ करने के पश्चात डॉ प्रणय श्रीवास्तव के द्वारा रचित साईं बाबा,राधा कृष्ण , महा कालेश्वर भगवान की संगीत मय दिल्ली के युवा गायक अनूप सिंह राठौर द्वारा स्वरबद्ध भजनों की प्रस्तुति कर सामूहिक नृत्य किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन दिलेश खंडेलकर के द्वारा किया गया। अंत में आभार व्यक्त करते हुए साहित्यकार डॉ प्रणय श्रीवास्तव ने वरिष्ठ नागरिक मंच के सभी साथियों,अतिथियों,मित्रों परिजनों को भी धन्यवाद दिया।

वारासिवनी तहसील कार्यालय का विधायक पटेल ने किया निरीक्षण

12 बजे के बाद भी अधिकारी कर्मचारी नहीं पहुंचे कार्यालय,काम से आए ग्रामीणजन होते रहे परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी तहसील कार्यालय में आमजनों की समस्याओं का समाधान ना होने की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए विधायक विवेक पटेल ने वारासिवनी तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। जहां उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं को देखा और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी और होने वाली परेशानियों के बारे में पूछताछ की। जिसके बाद वे तहसीलदार और नायब तसीलदार के कक्ष में पहुंचे। मगर वे नदारद थे किसी भी कर्मचारियों को नहीं पता था कि अधिकारी कहा और किस काम से गए है। उनके ना रहते काम से आए ग्रामीणजन घंटों उनका इंतजार करते रहे जिसके बाद विधायक विवेक पटेल ने पटवारियों से मुलाकात की और उन्हें निर्देशित किया कि तहसील कार्यालय में आने वाले लोगों के सभी काम प्राथमिकता के आधार पर करे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमारा निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाना और यह सुनिश्चित करना होता है की आम जनता को समय पर उनकी समस्याओं का समाधान मिले। निरीक्षण के दौरान विभाग के अधिकारी कर्मचारी नदारद थे। जिससे काम से पहुंचे ग्रामीणजन उनके इंतजार में थे मैने अधिकारियों से फोन पर चर्चा की आम जनता को काम के लिए भटकना ना पडे। उनका समय पर काम हो,दूर दराज से पहुंचे ग्रामीणों को बार.बार बुलवाकर परेशान ना करे समय पर काम पूरा करे।

नगर पालिका मे संगीतमय सुदंरकांड पाठ का हुआ आयोजन

भजन गायक आदित्य खंजाची के भजनो पर झूमते नगरवासी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद में प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी सावन माह में संगीतमय सुंदरकांड के संगीतमय कायक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के साथ पार्षदगणो व गणमान्य नागरिको ने भी अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लिया। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने बताया की नपा परिषद पिछले कई सालो से प्रमुख त्योहारो में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करती आयी है। आज हमने सावन माह में संगीतमय सुदंरकांड के माध्यम से सामुहिक रूप से प्रभू श्रीराम व प्रभू हनूमान के दरबार में हाजिरी लगायी है। आज के आयोजन का उद्वेश्य है की हमारे नगर में सदैव विकास की गाथा अनवरत चलते रहे और प्रभू कृपा से सुख समृद्वी भी बनी रहे। संगीतमय कार्यक्रम में प्रात से शाम तक एक से एक भजनो की प्रस्तुती भी दी। जिसमें खाटू श्याम जी, जगन्नाथ जी, हनुमान जी भजनो के साथ संगीतमय हनुमान चालिसा ने भक्तो पर जादू सा कर दिया। अनेक पलो में भक्त दोनो हाथ उठाकर जंहा जयकारे करते नजर आये। इस दौरान नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, निरंजन बिसेन, समीर बिसेन, आलोक खरे, लोकेश ठाकरे, संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, प्रवीण रूसिया, श्रीमती दीपा रूसिया, मनोज दांदरे, आशूतोष कोहाड, अमित येरपूडे, आशूतोष कोहाड, शैलेन्द्र तिवारी, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके सहित नगर वासी मौजूद रहे।

पेपर लीक से पटना राजभवन तक, छात्रों के गुस्से में छिपी राजनीति का सच

बिहार की राजनीति में छात्रों, परीक्षा और रोजगार का मुद्दा एक बार फिर सड़क पर है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब पांच किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई, पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में तेजस्वी यादव तथा मीसा भारती को हिरासत में लिया गया। करीब एक घंटे बाद तेजस्वी को छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की तथा कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस की ओर पानी की बोतलें फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आईं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक राजनीतिक मार्च के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके पीछे बिहार के छात्रों का असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, रोजगार की चिंता और उससे कहीं बड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा छिपी हुई है। असली सवाल यही है कि आखिर पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा हर राजनीतिक दल इतनी ताकत से क्यों उठा रहा है? क्या यह केवल छात्रों के भविष्य की चिंता है या इसके पीछे चुनावी राजनीति का भी बड़ा गणित काम कर रहा है?सीवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से एके-47 से फायरिंग का मामला इस बहस को और गंभीर बना चुका है। उपलब्ध घटनाक्रम के अनुसार 25 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी ने एके-47 से गोलियां चलाईं। एक अन्य जवान के सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग करने की बात भी सामने आई। इसके बाद मामला राजनीतिक विवाद का विषय बन गया। राजद सांसद मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया और बाद में प्रशासनिक स्तर पर भी बदलाव हुए। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे में एके-47 से चार राउंड हवाई फायरिंग होने की बात स्वीकार की, लेकिन यह भी कहा कि छात्रों को एके-47 की गोली नहीं लगी। यहीं से मामले का सबसे बड़ा सस्पेंस सामने आता है। एक तरफ पुलिस फायरिंग की घटना स्वीकार की जाती है, दूसरी तरफ सरकार का कहना है कि छात्रों को गोली नहीं लगी। राजनीतिक दल इसे छात्रों पर गोली चलाने की घटना के रूप में पेश कर रहे हैं, जबकि सरकार फायरिंग को अलग संदर्भ में रख रही है। इसी अंतर ने मामले को केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक संघर्ष का मुद्दा बना दिया है। तेजस्वी यादव का राजभवन मार्च इसी राजनीतिक माहौल का विस्तार है। उन्होंने छात्रों के समर्थन में संघर्ष जारी रखने और युवाओं को रोजगार मिलने तक सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। उनका यह कहना कि वे जेल से डरने वाले नहीं हैं और सत्ता में आया व्यक्ति एक दिन सत्ता से बाहर जाता है, बताता है कि आंदोलन को राजद केवल छात्र मुद्दे तक सीमित नहीं रखना चाहता। पार्टी इसे सरकार की कार्यशैली, रोजगार और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ व्यापक राजनीतिक अभियान में बदलना चाहती है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष के लिए यह मुद्दा कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। बिहार में युवाओं की बड़ी आबादी प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहती है। परीक्षा की तारीखों में बदलाव, कथित पेपर लीक, नकल, भर्ती प्रक्रिया में देरी या परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल सीधे युवा मतदाता की चिंता से जुड़ते हैं।

मिलावटखोर माफिया बनाम शासन प्रशासन

जहरीली शराब से होती मौतें क्या कानून-व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा हैं?

वैश्विक स्तरपर हाल के दिनों में गुजरात के भावनगर जिले से सामने आई जहरीली शराब की त्रासदी ने एक बार फिर पूरे देश के सामने वह असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है,जिसका उत्तर भारत वर्षों से तलाश रहा है जब शराबबंदी लागू है,जब कानून कठोर हैं,जब पुलिस, प्रशासन,आबकारी विभाग और खुफिया तंत्र मौजूद हैं, तब आखिर जहरीली और अवैध शराब आम लोगों तक पहुंचती कैसे है?20 अगस्त 2026 को उपलब्धनवीनतम रिपोर्टों के अनुसार भावनगर त्रासदी में मृतकों की संख्या सात से बढ़कर आठ हो गई है और करीब 39 लोग उपचाराधीन बताए गए हैं। जांच में कथित रूप से मेथनॉल से तैयार जहरीली शराब,लोकप्रिय ब्रांड की नकली बोतलों और अंतरराज्यीय आपूर्ति नेटवर्क के संकेत मिले हैं; पुलिस ने 21 आरोपियों को नामजद कर 13 गिरफ्तारियां किए जाने की भी जानकारी दी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि भावनगर की घटना इसलिए और गंभीर है क्योंकि गुजरात भारत के उन राज्यों में है जहां दशकों से शराबबंदी लागू है।शराब की बिक्री,खरीद और सेवन पर प्रतिबंध का मूल उद्देश्य सामाजिक स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और नशे से होने वाले अपराधों को नियंत्रित करना रहा है,लेकिन जमीन पर यदि प्रतिबंधित शराब भूमिगत बाजार में उपलब्ध हो जाए तो समस्या केवल शराब सेवन की नहीं रह जाती; वह अवैध अर्थव्यवस्था,संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, नकली ब्रांड, रासायनिक विषाक्तता और प्रशासनिक विफलता का संयुक्त संकट बन जाती है।भावनगर में सामने आया कथित नकली आईएमएफएल नेटवर्क इसी खतरनाक तंत्र की ओर संकेत करता है। रिपोर्टों के अनुसार शराब कथित रूप से मध्य प्रदेश से कच्चे माल के साथ जुड़ी थी, जबकि निर्माण भावनगर क्षेत्र में किए जाने की बात जांच में सामने आई है।डिस्क्लेमर यह पूरी जानकारी मीडिया से ली गई है। साथियों,लेकिन भावनगर की कहानी कोई अकेली कहानी नहीं है। यह भारत में जहरीली शराब की उन अनगिनत त्रासदियों की नई कड़ी है जिनमें गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते रहे हैं।वर्ष 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में मेथनॉल- मिश्रित अवैध शराब ने ऐसा कहर बरपाया कि देश स्तब्ध रह गया। शुरुआती दिनों में मृतकों की संख्या तेजी से बढ़ी और अंततः सरकारी तथा मीडिया रिपोर्टों में 65 मौतों और 200 से अधिक लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई।इस त्रासदी में उल्टी,पेटदर्द,दस्त और गंभीर विषाक्तता के लक्षणों के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।जांच में मेथनॉल की मौजूदगी सामने आई, जबकि अवैध शराब के नेटवर्क से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की गई और प्रशासनिक स्तर पर भी अधिकारियों के विरुद्ध कदम उठाए गए।कल्लाकुरिची से ठीक एक वर्ष पहले, मई 2023 में तमिलनाडु के विलुप्पुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अवैध शराब पीने से 22 लोगों की मौत हुई थी। एक ही राज्य में लगातार दो वर्षों में ऐसी घटनाओं का सामने आना इस बात का प्रमाण है कि समस्या किसी एक गांव, एक शराब विक्रेता या एक स्थानीय गिरोह तक सीमित नहीं है। यह उस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा है जिसमें अवैध उत्पादन, रसायनों का दुरुपयोग, वितरण स्थानीय संरक्षण और मांग,सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। साथियों, गुजरात स्वयं इस संकट से बार-बार जूझता रहा है।जुलाई 2022 में बोटाद और आसपास के क्षेत्रों में जहरीली शराब की त्रासदी में सरकारी आंकड़ों के अनुसार मृतकों की संख्या 42 तक पहुंची थी।उस मामले में औद्योगिक मेथनॉल के इस्तेमाल की बातसामने आई थी और शुरुआती जांच में यह भी बताया गया था कि रासायनिक पदार्थ को शराब के रूप में इस्तेमाल किया गया। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि मेथनॉल कोई सामान्य शराब नहीं है; यह औद्योगिक रसायन है और मानव शरीर में जाने पर गंभीर विषाक्तता,दृष्टि-हानि, अंगों की विफलता और मृत्यु तक का कारण बन सकता है। इसलिए जहरीली शराब की त्रासदी को केवल 'नकली शराब' कहकर समाप्त कर देना समस्या की वास्तविक गंभीरता को कम करके देखना होगा।गुजरात के इतिहास में इससे भी बड़ी त्रासदी जुलाई 2009 में सामने आई थी,जब अहमदाबाद में जहरीली शराब के सेवन से 136 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंचे थे। उस घटना के बाद अवैध शराब नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई और कानून को और कठोर बनाने की चर्चा हुई। लेकिन डेढ़ दशक से अधिक समय बाद भी 2022 और अब 2026 की घटनाएं यह पूछने के लिए मजबूर करती हैं कि क्या केवल कठोर कानून बनाना पर्याप्त है, अथवा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी प्रशासनिक प्रणाली को पुनर्गठित करने की आवश्यकता है? साथियों, यह प्रश्न केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। बिहार में वर्ष 2022 की छपरा-केंद्रित जहरीली शराब त्रासदी में मृतकों की संख्या बाद में 80 से अधिक पहुंच गई; एक रिपोर्ट के अनुसार 17 दिसंबर तक आंकड़ा 81 तक पहुंच चुका था। बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं का सामने आना भी उसी विरोधाभास को रेखांकित करता है,कानून की किताब में प्रतिबंध और जमीन पर अवैध आपूर्ति, दोनों साथ-साथ चल सकते हैं यदि प्रवर्तन व्यवस्था में गंभीर छेद हों।पंजाब में वर्ष 2020 की जहरीली शराब त्रासदी भी स्वतंत्र भारत की सबसे भयावह घटनाओं में गिनी जाती है। अमृतसर, तरनतारन और गुरदासपुर क्षेत्रों में अवैध शराब के सेवन से मृतकों की संख्या बाद की रिपोर्टों में 120 के आसपास पहुंची।रेउटर्स की शुरुआती रिपोर्ट में 86 मौतों की पुष्टि की गई थी, जबकि बाद की रिपोर्टिंग में आंकड़ा और बढ़ा। इतना ही नहीं, पंजाब में बाद के वर्षों में भी ऐसी घटनाएं सामने आती रहीं; 2025 में अमृतसर के मजीठा क्षेत्र में कथित जहरीली शराब से दो दर्जन से अधिक मौतों ने फिर वही सवाल उठाया कि पिछली त्रासदियों से आखिर कितना सबक लिया गया। साथियों, इन घटनाओं को एक साथ देखने पर भारत के सामने एक भयावह पैटर्न उभरता है।एक राज्य में शराबबंदी है,दूसरे में शराब उपलब्ध है लेकिन गरीबों के लिए महंगी है;कहीं अवैध शराब सस्ती होने के कारण बिकती है, कहीं प्रतिबंध के कारण भूमिगत बाजार बनता है और कहीं संगठित अपराधी लोकप्रिय ब्रांड की बोतलों में जहरीला तरल भरकर उपभोक्ता को भ्रमित करते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वास्तविक पीड़ित प्रायः वही लोग बनते हैं जिनके पास महंगी चिकित्सा सुविधा, कानूनी सहायता और सामाजिक सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती। जहरीली शराब केवल शरीर को नहीं मारती; वह पूरे परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देती है। परिवार का कमाने वाला सदस्य मरता है तो पीछे बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल, कर्ज, भोजन और भविष्य सभी प्रश्न बनकर खड़े हो जाते हैं। साथियों, इस संकट की जड़ में केवल उपभोक्ता को दोष देना आसान है, लेकिन पर्याप्त नहीं।निश्चित रूप सेअवैध शराब का सेवन गंभीर जोखिम है और लोगों को ऐसी शराब से दूर रहना चाहिए,परंतु शासन का दायित्व केवल नागरिकों को चेतावनी देना नहीं है।शासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि जहरीला उत्पाद बाजार तक पहुंच ही न सके। इसके लिए पुलिस और आबकारी विभाग की पारंपरिक छापेमारी व्यवस्था से आगे बढ़कर सप्लाई-चेन इंटेलिजेंस विकसित करनी होगी। मेथनॉल और अन्य औद्योगिक रसायनों की खरीद-बिक्री, परिवहन और अंतिम उपयोग की डिजिटल निगरानी, संदिग्ध थोक खरीद की पहचान,नकली बोतलों और लेबलों केउत्पादन पर कार्रवाई तथा अंतरराज्यीय सूचना साझाकरण को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।भावनगर की घटना इस दृष्टि से विशेष चेतावनी है कि यदि जहरीली शराब कथित रूप से एक राज्य से दूसरे राज्य तक कच्चे माल के माध्यम से पहुंच सकती है और फिर स्थानीय स्तर पर तैयार होकर नकली ब्रांड के रूप में बाजार में जा सकती है, तो केवल जिला पुलिस की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। यह अंतरराज्यीय संगठित अपराध की तरह जांच मांगती है।पुलिस,आबकारी, राजस्व, रसायन एवं उद्योग विभाग, स्वास्थ्य विभाग और साइबर/वित्तीय जांच एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना साझा करने की व्यवस्था आवश्यक है। जिस प्रकार मादक पदार्थों के नेटवर्क की जांच में वित्तीय लेनदेन, मोबाइल संचार और सप्लाई चैन का विश्लेषण किया जाता है, उसी प्रकार अवैध शराब के बड़े नेटवर्क पर भी सटीकता से किया जाना चाहिए। साथियों, एक और महत्वपूर्ण प्रश्न प्रशासनिक जवाबदेही का है। हर त्रासदी के बाद कुछ गिरफ्तारियां,कुछ निलंबन और कुछ छापेमारी होती है;लेकिन कुछ महीनों बाद व्यवस्था फिर सामान्य हो जाती है। यही चक्र सबसे बड़ा खतरा है। आवश्यकता इस बात की है कि किसी क्षेत्र में अवैध शराब पकड़े जाने पर केवल विक्रेता नहीं, बल्कि उस क्षेत्र में लंबे समय तक चल रही अवैध भट्ठियों और वितरण नेटवर्क की प्रशासनिक जवाबदेही भी तय हो। यदि किसी इलाके में वर्षों से अवैध शराब बिक रही है, तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय खुफिया तंत्र को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई? यदि जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि कार्रवाई हुई तो नेटवर्क इतनी सटिका से दोबारा कैसे खड़ा हो गया? साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत को इस समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के प्रश्न के रूप में नहीं बल्कि पब्लिक हेल्थ और फूड-सेफ्टी जैसी बहु-क्षेत्रीय चुनौती के रूप में देखना होगा।जहरीली शराब का संकट अचानक सामने आने वाली सामूहिक विषाक्तता है, इसलिए प्रत्येक जिले में त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल होना चाहिए।अस्पतालों में मेथनॉल विषाक्तता की पहचान तत्काल उपचार,विष-विज्ञान प्रयोगशालाओं की क्षमता और चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण को मजबूत करना होगा। घटना के शुरुआती घंटों में जितनी तेजी से संदिग्ध शराब के नमूने सुरक्षित किए जाएं और मरीजों की पहचान हो,उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं।इसके साथ ही उपभोक्ता जागरूकता को भीआधुनिक बनाया जाना चाहिए। केवल यह कहना कि अवैध शराब न पीएं पर्याप्त नहीं है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

-ललित गर्ग

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा। अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 卐महत्वपूर्ण हिस्सा卐 कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था। इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है। फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है। गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है।

आज पर्यावरण का बचाने और उसके सौंदर्य को समझने हेतु रामायण का अध्ययन जरुरी

आज पर्यावरण खतरे में हैँ जिससे लोग बीमार हो रहें हैं जिसको सहजने की नितांत आवश्यकता है ऐ भी भारतीय ज्ञान परम्परा के अनुसार समझा जा सकता है दरअसल पर्यावरण ने संसार में दो प्रकार की भूमिकाएँ निभाईं। मनुष्य ने अन्य जीवित प्राणियों की तरह भौतिक पर्यावरण से संसाधन प्राप्त किए और पर्यावरणीय संसाधनों में भी योगदान दिया। समय के साथ पर्यावरण के प्रति मनुष्य की भूमिका बदलती गई। एक कारक होने से लेकर पर्यावरण का परिवर्तक और विध्वंसक बनने तक, पर्यावरण में किए गए असंख्य परिवर्तनों के कारण अनेक विनाशकारी समस्याएँ उत्पन्न हुईं। बदलते संबंधों के ऐतिहासिक पर्यावरण में पर्यावरण विज्ञान के अध्ययन का महत्व बहुत अधिक हो जाता है क्योंकि पर्यावरण अध्ययन के माध्यम से प्राकृतिक पर्यावरण पर मानवीय गतिविधियों के दुष्प्रभावों को अच्छी तरह से उजागर किया जा सकता है। प्राचीन काल में मनुष्य और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच संबंध काफी संतुलित था। लेकिन समय के साथ उपभोक्तावाद को दर्शाने वाले परिवर्तनों के कारण यह संबंध शोषण और दोहन से असंतुलित हो गया। वेदों, ऋचाओं आदि में वनस्पतियों का वर्णन मिलता है। इस विशाल महाकाव्य में प्रकृति और मनुष्य के बीच के संबंधों को भी विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया है। संजीवनी बूटी के माध्यम से रोगों की रोकथाम आदि कई उदाहरण हैं, जिनके माध्यम से प्रकृति की जीवंतता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यद्यपि पर्यावरण विज्ञान विषय को एक इकाई में समाहित करना आसान नहीं है, फिर भी यहाँ इस विषय को समझने का प्रयास किया जाएगा। रामायण में मानव जीवन से जुड़े सभी पहलू प्रतिबिम्बित होते हैं। वाल्मीकि रामायण का प्रस्तुत श्लोक पर्यावरण असंतुलन की पीड़ा को व्यक्त करता है-

मा निषाद प्रतिष्ठान त्वमगमः शाश्वतीः समाः।
यतोअंचमिथुनादेकमवधीः काममोहितम।।

उपर्युक्त श्लोक में प्रकृति के नियम के विरुद्ध कार्य करने वाले के प्रति कठोरता का भाव तथा पक्षी के प्रति दया व सहानुभूति का भाव दर्शाया गया है। इस प्रकार पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं का आदि से अंत तक समग्रतापूर्वक चित्रण किया गया है। इसके अन्तर्गत भौगोलिक वातावरण, जीव-जंतु, पेड़-पौधे एवं जलवायु का वर्णन प्राप्त होता है। साथ ही छहों ऋतुओं का भी मनोहर वर्णन मिलता है। विभिन्न नदियों, पहाड़ों, जंगलों एवं पवित्र स्थानों की चर्चा की गई है। इसमें भूमि, जल एवं वायु के प्रदूषण एवं उनके संरक्षण के उपायों पर भी चर्चा की गई है। नदियों और पहाड़ों की स्थिरता का विचार रामायण में भी प्रतिबिंबित होता है- यावत् स्थास्यन्ति गिरयः सरिताश्च महीतले। तावत् रामायण कथा लोकेषु प्रचारिष्यति। असंख्य वृक्षों से सुशोभित वन क्षेत्र बड़ा ही सुन्दर था। आश्रम बनाने के लिए वन में एक समतल, सुन्दर और शांत स्थान देखकर श्री राम लक्ष्मण से कहते हैं कि यह स्थान समतल है, वृक्षों से भरा है, कमलों से भरे तालाबों से भरा है और विविध वृक्षों से घिरी गोदावरी नदी भी यहीं है। अतः यह स्थान आश्रम बनाने के लिए उपयुक्त है। इसी प्रकार ऊबड़-खाबड़ और ऊबड़-खाबड़ भूमि का वर्णन है। अयोध्या से गंगा तट तक के मार्ग के वर्णन में ऊबड़-खाबड़ भूमि की चर्चा की गई है। अयोध्या कांड में भरत अपने कारीगरों को ऊबड़-खाबड़ भूमि को समतल करने तथा दुर्गम स्थानों को जानकर उन्हें सुगम बनाने की आज्ञा देते हैं। जब दक्षिण में सीता की खोज की जा रही थी, तब वानरों ने पहाड़ों, घने जंगलों, गुफाओं आदि में खोज की।चित्रकूट के मार्ग में भूमि बड़ी ही सुन्दर दिखाई गई है, यहाँ भल्लावे और बेल के वृक्ष दिखते हैं, सुन्दर माल्यवती नदी बहती है।दण्डकारण्य की सुन्दरता का भी वर्णन किया गया है। वह स्वच्छ तथा जंगली पशु-पक्षियों से भरा हुआ था। आश्रमों का वह पवित्र समूह वैदिक मंत्रों की ध्वनियों से गुंजायमान रहता था। आश्रम कमल के फूलों से भरे तालाबों और फलों से लदे वृक्षों से घिरा हुआ था। सुतीक्ष्ण मुनि का आश्रम भी दण्डकारण्य का ही एक भाग था। ऋषि अगस्त्य के भक्त का आश्रम भी सुंदर था और पेड़ों से घिरा हुआ था। ऋषि अगस्त्य के आश्रम के रास्ते में नीवार, कटहल, साखू, अशोक, तिनिश, चिरबिल्व, महुआ, बेल, तेंदू के पेड़ थे जो फूलों और लताओं से सजे हुए थे। यहाँ के जानवर और पक्षी शांत और क्षमाशील लग रहे थे। पंचवटी नाम की जगह फलों, फूलों और पानी से भरा एक जंगल वाला इलाका था। वहाँ बहुत सारे झरने थे। वहाँ तरह-तरह के सुंदर पेड़ थे जो फूलों की बारिश करते थे। पहाड़ी ज़मीन- चित्रकूट पहाड़ की ज़मीन का वर्णन करते हुए वाल्मीकि कहते हैं कि यह धातुओं से सजी हुई चांदी की तरह चमक रही थी। कुछ धातुओं में रक्त के समान लाल चमक होती है, कुछ क्षेत्र पीले तथा मजिष्ठा रंग के होते हैं, कुछ मणियों के समान चमकते हैं और कुछ पुखराज के समान थे, कुछ स्फटिक के समान थे, कुछ में केवड़े की चमक थी तथा कुछ नक्षत्रों तथा तारों के समान चमकते थे

केचिद् रजतसंकाशः केचित क्षतजसन्निभाः। पीतमंजिष्ठावर्णश्च केचिन्मनिवरप्रभा। पुष्पार्ककेतकभास्च केचिज्याते ईर्सप्रभाः। विराजन्तेऽचलेन्द्रस्य देश धातुविभूषितः।।

इस पर्वतीय भूमि पर आम, जामुन, आसन, लोध्र, प्रिय, आल, कटहल, धव, अंकोल, भव्य, तिनिश, बेल, तिन्दुक, बाँस, कश्मीरी, अरिष्ट, वरन, तिलक, महुआ, बेर, आँवला, कदम्ब, बेंत, धन्वन आदि घने छायादार वृक्ष थे, जो फूल और फलों से लदे हुए पर्वत की शोभा बढ़ा रहे थे। पर्वत पर झरने गिर रहे थे और कहीं-कहीं धरती से झरने निकलकर बह रहे थे। वहाँ रजतपर्वत, विंध्यगिरि, महेन्द्रपर्वत, महोदयपर्वत आदि का वर्णन मिलता है। महेन्द्रपर्वत की चोटियाँ धातुओं के ढेरों से सुशोभित थीं। मैनाक पर्वत बड़े-बड़े वृक्षों और लताओं से भरा था। लंका में पर्वत वृक्षों से आच्छादित थे। वाल्मीकि रामायण के युद्धकाण्ड के 39वें अध्याय में सुवेल पर्वत तथा उसके शिखर त्रिकूट पर्वत का वर्णन मिलता है। इस पर्वत शिखर का विस्तार सौ योजन था और इसकी चोटियाँ अत्यन्त ऊँची थीं, जिन पर कोई पक्षी आसानी से नहीं उड़ सकता था। षट्योजन वस्तुर्नं विमलं चारुदर्शनम्। श्लक्ष्णम श्रीमन्महच्चैव दुष्प्रापं शकुनायरपी। मनसापि दुरारोहम् प्राक् फल कर्मणा जनाः। निवेशता तस्य शिखरे लंका रावणपालित।। वन- रामायण में वनों का विस्तार से वर्णन किया गया है। महर्षि वाल्मीकि ने कुछ वनों का उल्लेख किया है जैसे- दण्डकारण्य, पंचवटी, जनस्थान, क्रौंचारण्य, मतंगवन, विंध्यवन, अशोकवन, सालवन, तपोवन, निरजंनवन, चैत्ररथवन, भरुंडवन, नीलवन, लोधवन आदि। दण्डकारण्य- दण्डकारण्य में ऋषियों के सुंदर आश्रम थे। यह वन प्रचुर फल-फूलों से सुशोभित था तथा मृगों और पक्षियों के झुंड का निवास स्थान था। सुप्रज्ञाफलमूलानि पुष्पितानि वननि च। प्रशस्तमृग्युठानि शान्तपक्षिगणानि च। वहाँ पंपा सरोवर था, जिसके फूल न मुरझाते थे और न गिरते थे। राम को वन दिखाते समय शबरी वन का परिचय देती है कि पशु-पक्षियों से परिपूर्ण यह वन मातंगवन के नाम से जाना जाता है। विंध्य पर्वत में ही ऋक्षबील नाम की एक प्रसिद्ध गुफा थी, जो चारों ओर से लताओं और वृक्षों से आच्छादित थी।वानरों ने गुफा के भीतर एक जंगल देखा, जहाँ सभी वृक्ष सुनहरे थे। वहाँ कमल के फूल वैदूर्य मणि के समान थे, वे सब पक्षियों से भरे हुए थे। सुनहरे वृक्षों से घिरे हुए झील थे, जो सुनहरी मछलियों और सुनहरे कमलों से भरे हुए थे और स्वच्छ जल से युक्त थे। समुद्र तट की भूमि- समुद्र तट की भूमि का पर्यावरण में विशेष स्थान है। इसका वर्णन रामायण में भी मिलता है। तटीय भूमि फल-फूलों से भरे हजारों वनों से आच्छादित थी, वहाँ नाना प्रकार के सरोवर तथा वेदिकामंडित आश्रम, कदलीवन और नारियल के वृक्ष थे। नानापुष्पफलैरवृक्षैरनुकीर्णं सहस्रश। शीतमंगलतोयाभिः पद्मिनीभिः समन्तः। विशालैश्रमपदैरवेदिमद्भिरलंकृतम्।। समुद्र तट पर स्थित लंकापुरी में हरी-भरी घास और वृक्षों से भरे हुए वन थे। वृक्षों से नदियां, नदियां, नदियां, नाले निकले. गंगा के प्रवाह के संबंध में वर्णन मिलता है कि- किसी भी वर्ष गंगा का जल वेग से फैलता हुआ किसी स्थान पर वक्र गति से बह रहा होता है।

क्वचित् दुरुततारं याति कुटिलं क्वचिदयातम। विनतां क्वचिदुद्धूतं क्वचिद याति शनैः शनैः। सलिलानेव सलिलां क्वचिदाभ्यातं पुनः।।

पहाड़ों से निकलती गंगा के जल में प्रशुमार, सांपों और चंचल मछलियों के समूह के तैरने का भी वर्णन है। इसके अलावा वाल्मीकि रामायण में भी गंगा नदी की सात धाराओं का उल्लेख है। यमुना नदी - यमुना नदी का उल्लेख गंगा और यमुना नदियों के संगम पर किया गया है। नूनं प्राप्तः स्म सम्भेदं गंगायमुनायोर्वयम्। तथा शरूयते शब्दो वारिनोर्वरगृहर्षजः।। यमुना नदी को पार करते समय सीता का उसे प्रणाम करना और उनका कौशल प्रदर्शन। मंदाकिनी - मंदाकिनी चित्रकूट पर्वत के पास बहने वाली एक नदी थी, जिसका दूसरा नाम माल्यवती भी था। मंदाकिनी के दर्शन कर राम अपने सारे कष्ट भूल जाते हैं।

नानंद हस्तो मृगपक्षिजुष्टान, जहौ च दुःखं पुरीवाप्रवासत।।

राम अयोध्याकांड में वर्णित मंदाकिनी के जल को सभी सुखों को देने वाला बताते हैं। आज सुख और शांति के लिए मनुष्य नदी क्षेत्र में भी जाने को तैयार रहता है।ईस. गोदावरी - अरण्य कांड के दौरान, हिरणों के झुंड श्री राम के लिए इसके किनारों को कवर करते थे।

यहाँ गोदावरी रम्या पुष्पितैस्त्रुभिर्वता।
हंसकरंडवाकीर्ण चक्रवाकोपशोभिता।

नर्मदा नदी को पानी पीना पसंद नहीं है। नर्मदा नदी - वाल्मीकि रामायण में, अन्य पृष्ठों के मार्ग का वर्णन करते हुए, ... इसकी सुंदरता बढ़ाएँ। चक्रमंतौ वरन शैलं शैलोचैलं वनद वनम्। ततः पुष्करिणी वीरौ पंपा नाम गमिष्यथ। अशर्करमविभ्रमशन समतीर्थमशैवलम्। पंपा के जल में हंस, करंडव, क्रौंच, कुरार, सदैव मधुर स्वर में टर्राते रहते हैं। पंपा के तट फूलों से भरे हैं और इसका पानी कमल की सुगंध से भरा है, शुभ, सुखद, यह ठंडा, रोग-निवारक, थकान दूर करने वाला और चांदी की तरह स्वच्छ है।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दिसावरी तेजी से शनिवार को किराना बाजार में हल्दी सुर्ख रही। बादाम में तेजी देखी गयी। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में विशेष तेजी-मंदी का अभाव रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में दिसावरी तेजी के बाद बाजार मजबूत नज़र आये। बादाम गिरी में बढ़त देखी गयी। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 6000 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। दलहनों में चना 6600-6650 रू. प्रति क्विंटल पर सुर्ख देखा गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 6600-6750, खोपरा गोला 370-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1150, सिंगापुरी 920-960, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1470-1475, कपास्या 1630, धूलिया 1640, कड़ी 1640,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1510, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7200-7400, सोयाबीन 6000, टोली (महुआ बीज) 5500-5700, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6650, एवरेज 6300-6400, विशाल 6350-6450, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडयम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, उड़द गर्मी 8400-8800, ग्रेविटी क्लीन 9200-9500, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5000,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 242000, चाँदी (99) 241800, टंच 241200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 156500,

आईआईटी हैदराबाद में स्थापित होगा जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र

नई दिल्ली। एजेंसी। जिंदल स्टील (जेएसपीएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने देश के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत इस्पात समाधानों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, हाथ मिलाया है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के तहत आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उच्च क्षमता और लागत-दक्षता वाले इस्पात उत्पादों का विकास और प्रचार करना है। यह उत्कृष्टता केंद्र विशेष रूप से उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइनरों, सलाहकारों, इंजीनियरों, ईपीसी कंपनियों और उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर उन्नत इस्पात ग्रेड के उपयोग की संभावनाओं को पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है।

वैश्विक दबाव में रहा बाजार-कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

मुंबई। एजेंसी। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक

फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर 76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया। सेंसेक्स 628.04 अंक की शानदार बढ़त के साथ 77,537.72 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी 153.55 अंक ऊपर चढ़कर 24,231.85 पर पहुंच गया। यह पिछले कुछ दिनों की निराशा के बाद एक बड़ी राहत थी। हफ्ते के अंत में उतार-चढ़ाव और मामूली बढ़त हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती गिरावट के बावजूद प्रमुख सूचकांक अंततः मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

राशन वितरण में आएगा बदलाव, डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

नई दिल्ली। एजेंसी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वॉलेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद, इस सीबीडीसी आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना को अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित सात और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की तैयारी है। यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश में खाद्यान्न वितरण को अधिक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

चीनी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि अनुचित, जमाखोरों पर होगी कार्रवाई- सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने चीनी की कीमतों में हालिया बेतहाशा वृद्धि को पूरी तरह अनुचित करार देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग से कीमतों में उछाल आया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है, और बढ़ती कीमतें उद्योग की जमाखोरी का परिणाम हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि घरेलू मांग पूरी होने के बावजूद चीनी उद्योग

द्वारा कीमतों में तेज वृद्धि अनुचित है। उन्होंने राज्यों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है, साथ ही थोक उपभोक्ताओं पर 1 सितंबर से 15 दिन की खपत से अधिक चीनी के भंडारण पर रोक लगाई है। चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। 2025-26 विपणन सत्र में उत्पादन अनुमान 343 लाख टन से घटकर 306 लाख टन रह जाने के बावजूद, सालाना घरेलू मांग 280-285 लाख टन की तुलना में यह पर्याप्त है। उन्होंने इस तीव्र मूल्य वृद्धि को अनुचित बताया, जिसमें खुदरा कीमतें 48 से 56 रुपये और मिल-स्तर पर 47-48 से 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए केवल 28 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब मक्के से बनता है, अतः कीमत वृद्धि का कोई वास्तविक कारण नहीं है। सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से त्योहारी मौसम में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

मेष- आज रिश्तों को संभालकर चलना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। प्यार और समझदारी से आप हर स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। जीवनसाथी आपकी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए उन्हें मनाने में देर न करें। उधार लेने का विचार आ रहा है तो फिलहाल रुक जाना बेहतर होगा, क्योंकि आगे चलकर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

वृषभ- आज का दिन खुशियां लेकर आएगा, खासकर विद्यार्थियों के लिए। कोई नया कोर्स शुरू करने या नई दिशा में कदम बढ़ाने का मौका मिल सकता है, जो आगे सफलता दिलाएगा। आमदनी के नए स्रोत बनने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर में किसी नए मेहमान के आने से रौनक बढ़ेगी और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मिथुन- आज आपका हुनर आपकी सबसे बड़ी पहचान बनेगा। कला, रचनात्मकता और किसी विशेष कौशल में निखार आएगा, जिससे आपको दूसरों से अलग पहचान मिल सकती है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है। काम के सिलसिले में यात्रा भी हो सकती है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं तो हर किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

कर्क- आज आर्थिक मामलों में राहत मिलने से मन काफी हल्का महसूस करेगा। बच्चों के साथ समय बिताना आपको सच्ची खुशी देगा। कुछ प्रभावशाली या खास लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए नए अवसर लेकर आएगी। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला आपसी बातचीत से सुलझने की संभावना है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा और नौकरी में प्रमोशन या कोई अच्छी खबर मिलने से दिन और भी खास हो सकता है।

सिंह- आज आपको आमदनी और आत्मविश्वास दोनों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। नए लोगों से संपर्क बनेगा, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कारोबार में सुधार होगा और आपके फैसले दूसरों को प्रभावित करेंगे। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आप दोनों मिलकर भविष्य की योजनाओं पर काम कर सकते हैं।

कन्या- आज दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ें। मौज-मस्ती के साथ काम पर भी पूरा ध्यान देना जरूरी है। अगर स्वास्थ्य से जुड़ी कोई परेशानी पहले से चल रही है, तो उसे टालने के बजाय सही सलाह लें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। संतान को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। आज अपने काम खुद पूरा करना बेहतर होगा, क्योंकि दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता नुकसान पहुंचा सकती है।

तुला- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। आप खुद में सुधार लाने की कोशिश करेंगे, लेकिन ऑफिस में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। मेहनत का परिणाम जरूर मिलेगा, इसलिए धैर्य बनाए रखें। संतान से जुड़ा कोई फैसला सोच-समझकर लें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ पैसों का लेन-देन करने से बचें। घर में मेहमानों के आने से खर्च बढ़ सकता है और मन थोड़ा विचलित भी रह सकता है। शांत रहकर परिस्थितियों को संभालें।

वृश्चिक- आज चुनौतियां सामने आएंगी, लेकिन आपको उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी और समाधान की राह निकल सकती है। एक साथ कई जिम्मेदारियां मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन यही अनुभव आपको आगे बढ़ाएगा।

धनु- आज खर्च बढ़ सकते हैं और साथ ही आप भविष्य को लेकर गंभीरता से सोचेंगे। मां की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। भाई-बहनों की जरूरतों को नजरअंदाज न करें, वरना रिश्तों में दूरी आ सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ा मानसिक दबाव कम महसूस होगा। पिता की कोई बात मन को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य से काम लेना बेहतर रहेगा।

मकर- आज आपके दिमाग में कई नए विचार आएंगे, जो कारोबार को नई दिशा दे सकते हैं। साझेदारी में काम शुरू करने के अच्छे संकेत हैं। किसी सरकारी योजना में निवेश का विचार बन सकता है, लेकिन दस्तावेज और शर्तें अच्छी तरह जांचने के बाद ही आगे बढ़ें। कुछ लोग आपके भरोसे का गलत फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। अपनी कीमती वस्तुओं का खास ध्यान रखें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ी कोई उपयोगी चीज या अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र की राजनीति से दूर रहना ही समझदारी होगी, क्योंकि बेवजह की चर्चा आपके प्रमोशन पर असर डाल सकती है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपको खुशी मिलेगी। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें।

मीन- आज आपके आसपास खुशियों का माहौल रहेगा और कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। ऑफिस में कोई सरप्राइज, उपहार या सम्मान मिल सकता है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। काम के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक रहेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े लोन के मंजूर होने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8358

शब्द जाल में उन देशों के नाम ढूंढिए जो ऐथेंस 2004 ओलम्पिक में प्रथम 10 स्थानों पर रहे. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अमेरिका, चीन, रूस, आस्ट्रेलिया, जापान, जर्मनी, फ्रांस, इटली, दक्षिण कोरिया, ग्रेट ब्रिटेन

इ	अ	मे	अ	आ	स्ट्रे	लि	या	र	प	जा
न	ट	क	मे	इं	डो	ने	ग	ति	मा	पा
अ	दा	ली	रि	मा	ग	ची	द	ह	प	न
जी	ग	ल	का	द	न	स	न	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	क्षि	मे	ह	का	न	दे
ज	र्म	नी	र	व	प	ण	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	ग्रे	ला	को	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	ट	रा	रि	वि	ला
क	फ्रां	बा	रू	स	का	र	ब्रि	न	या	दे
र	स	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्ट	टे	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	न	र

शब्दजाल - 8357 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	इं
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	रि	स्का	क	द्रा
चु	मे	ल	घा	ट	छ	मि	दु	ब	वृ	व
इं	को	न्हा	न	बा	वा	स	थु	ध	ष	ती
डि	बें	मी	ल	म	र	न	क्रो	न	वा	च
या	ट	न	र	रा	क	ण	ती	ण	बां	र
द	सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	थं	बा	दी	स
क	सु	द	र	व	न	क	फ	भौ	पु	क
रा	म	तु	प	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	ला	जी	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	मू	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.29 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.40 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.55 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	14.11 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	16.16 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	18.02 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.35 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	21.06 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.46 बजे से
		मिथुन	00.44 बजे से
		कर्क	02.57 बजे से
		सिंह	05.14 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 235 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 04.19 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मूल 17.45 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 06.15 बजे को समाप्त।
करण वणिज 15.11 बजे तदनन्तर विष्टि 04.19 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 10.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 30'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872810
जूलियन दिन 2461275.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 09
विशेष पुत्रदा एकादशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्चा कर्मयोगी

एक बार सेवाग्राम में गांधीजी से एक कार्यकर्ता ने पूछा, 'आप के जीवन पर किस व्यक्ति का प्रभाव सबसे अधिक पड़ा?' गांधीजी ने कहा, 'भाई रायचन्द्र, टाल्स्टाय और रस्किन से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं, मगर मेरे ऊपर सबसे ज्यादा प्रभाव भाई रायचन्द्र का ही पड़ा है।' कार्यकर्ता ने पूछा, 'वह कैसे?' गांधीजी ने कहा, 'भाई रायचन्द्र का बहुत बड़ा व्यापार था। वह हीरे मोती की परख करते थे और लाखों का कारोबार करते थे।' कार्यकर्ता ने गांधीजी से आश्चर्य से देखा। उसे यह बात थोड़ी अटपटी लग रही थी कि गांधीजी आखिर एक व्यापारी से क्यों प्रभावित हुए। गांधीजी ने उसकी मनोदशा को भांपकर कहा, 'लेकिन वह साधारण कारोबारी नहीं थे। वह एक संत थे। उनकी गद्दी पर कोई और चीज हो या न हो, कोई धार्मिक पुस्तक अवश्य रखी होती थी। बगल में वह एक डायरी भी रखते थे। जब भी उन्हें फुरसत मिलती, वह पढ़ने लगते। पुस्तक में मन को छूने वाली कोई बात होती तो वह उसे डायरी में नोट कर लेते। जो व्यक्ति लाखों की लेन- देन की बात करके फौरन ज्ञान की पुस्तक पढ़ने लगे और आत्मज्ञान की बात लिखने लगे, वह व्यापारी नहीं बल्कि शुद्ध ज्ञानी कहा जाएगा। मेरे साथ उनका कोई स्वार्थ नहीं था। मगर जब भी मैं उनकी दुकान पर पहुंचता, वह धर्म चर्चा शुरू कर देते थे। उस समय मुझे धर्म चर्चा में रुचि नहीं थी फिर भी मैं भाई रायचंद्र की बातों को ध्यान से सुनता था। इसके बाद मैं कई संत-महात्माओं से मिला, मगर किसी ने मुझे इतना प्रभावित नहीं किया। मुझसे लोग पूछते हैं कि आखिर रायचन्द्र में क्या खास बात है जिससे मैं इतना प्रभावित हुआ। मुझे उनके कर्मयोग ने प्रभावित किया। आम धारणा यह है कि एक काम करते हुए दूसरा काम करना कठिन है। मगर रायचन्द्र को देख कर लगा कि मनुष्य सांसारिक जीवन जीते हुए भी संत और ज्ञानी हो सकता है। इसी कारण मुझे रायचन्द्र सच्चे कर्मयोगी नजर आए।'

फिल्म वर्ग पहेली - 7302

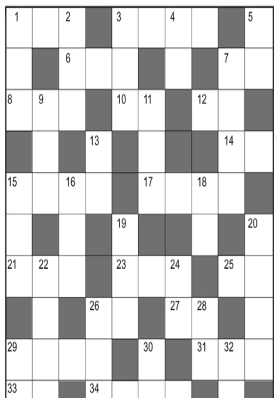

ऊपर से नीचे:-
१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जनि अब्राहम, तारा शर्मा को फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दुल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलुजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तुने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-
१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरुख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पुजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7301

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7611

★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7610 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8826

बाएँ से दाएँ
1. आकाश, व्योम- 2
2. नाजुक, मुलायम- 3
4. हार, पराजय- 2
6. संध्या, सांझ, गोधूलि- 2
7. जोर, बल- 2
9. सोना, धतूरा- 3
12. नाप-जोख करना- 3
14. सिक्कों की आवाज- 3
16. रहस्यज्ञाता- 4
17. तालाब, ताल, तलैया- 4
18. नियंत्रण, घोड़े की रास- 3
20. गिरवी वस्तु- 3
22. सैनिक कार्रवाई- 3
24. चिट्ठी, पत्र- 2
26. बर्तन- 2
27. सुर, क्रम- 2
28. वाचन करने वाला- 3
29. पितामह- 2

ऊपर से नीचे
1. लवण- 3
2. भीगा हुआ- 2
3. खुमार, नशा- 2
5. सर्दी में हाथ सेंकना- 3
6. भाजी, सब्जी, तरकारी- 2
8. इंकार, मनाही- 2
10. मस्जिद, नमाज पढ़ने की जगह- 5
11. आम जनता- 2
13. लालन-पालन- 5
14. इमाम दस्ता- 3
15. वचन, प्रतिज्ञा- 3
19. खखसार, कपोल- 2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना- 3
21. नाखून- 2
22. सखा, दोस्त- 2
23. निजात, छुटकारा- 3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं- 2
26. पवित्र- 2

शब्द पहेली - 8825 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सिविल अस्पताल लांजी में विधायक राजकुमार करहि ने भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

बिरसा विकासखंड के 10 मरीज भर्ती, 8 बच्चे और 2 बड़े शामिल; उपचार के बाद स्वास्थ्य में लगातार सुधार

पद्मेश न्यूज। लांजी। 22 अगस्त को लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार करहि ने सिविल अस्पताल लांजी पहुंचकर बिरसा विकासखंड के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों से उपचार के लिए भर्ती मरीजों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। विधायक ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विधायक श्री करहि ने चिकित्सा अधिकारी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय कुमार उपराड़े तथा शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित खारोले से भर्ती मरीजों की स्थिति और उन्हें दिए जा रहे उपचार की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों का बेहतर उपचार करने तथा उनकी नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए। विधायक ने मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की सलाह देते हुए साफ एवं सुरक्षित पेयजल का सेवन करने, बच्चों को पानी उबालकर पिलाने, मच्छरदानी का उपयोग करने, स्वच्छ कपड़े पहनने तथा पौष्टिक आहार लेने की बात कही। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने और किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपचार कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या के लिए मरीज अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। आवश्यकता होने पर वे स्वयं भी अपनी समस्या से उन्हें अवगत करा सकते हैं, ताकि समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सके। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय कुमार उपराड़े ने बताया कि पूर्व में बिरसा विकासखंड के 6 मरीज सिविल अस्पताल लांजी में भर्ती हुए थे, जिनका मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में उपचार किया गया। उपचार के बाद सभी मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। वर्तमान में बिरसा विकासखंड के कुल 10 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें 8 बच्चे और 2 वयस्क शामिल हैं। अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है तथा सभी मरीजों के स्वास्थ्य में लगातार सुधार देखा जा रहा है। विधायक के अस्पताल भ्रमण के दौरान चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ ही मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का भी जायजा लिया गया।

कोचेवाही से दादा कोटेश्वर धाम तक घुटनों के बल कावड़ यात्रा

पद्मेश न्यूज। लांजी। सावन का पवित्र महीना चल रहा है और पूरा इलाका हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज रहा है। इसी बीच क्षेत्र के कोचेवाही गांव से शिवभक्ति की एक ऐसी अद्भुत तस्वीर सामने आई है, जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। यहां के एक युवा शिवभक्त ने वो कर दिखाया है जो आमतौर पर लोग सोच भी नहीं पाते। ग्राम कोचेवाही निवासी सचिन पिता घुनेश्वर बागड़े ने भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी अटूट आस्था दिखाते हुए घुटनों के बल कावड़ यात्रा शुरू की है। 22 अगस्त को सुबह ठीक 8 बजे कोचेवाही के हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद वे सोन नदी के दुमोहन घाट पहुंचे और वहां से पवित्र जल लेकर दादा कोटेश्वर महादेव धाम के लिए रवाना हुए। बताया जा रहा है कि यह यात्रा बेहद कठिन है। पैदल चलना ही मुश्किल होता है, लेकिन घुटनों के बल कई किलोमीटर की दूरी तय करना किसी तपस्या से कम नहीं है। कच्चे-पक्के रास्ते, बारिश और थकान के बावजूद सचिन के चेहरे पर भक्ति का तेज और हौसला साफ दिखाई दे रहा है। हर कदम पर उनके मुंह से बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे निकल रहे हैं। इस कठिन तप में वे अकेले नहीं हैं। उनके इस संकल्प में गांव के करीब 15 लोगों ने साथ देने का फैसला किया है। साथ चलने वालों में युवराज यादव, घनाराम बडघैया, छोटू बागड़े, संजय धारणे, लखाराम बागड़े, दक्ष सहारे, राजा बागड़े सहित अन्य ग्रामवासी शामिल हैं, जो लगातार उनका हौसला बढ़ा रहे हैं और रास्ते में उनकी मदद कर रहे हैं। यात्रा के पहले दिन का पड़ाव दुल्हापुर तय किया गया है। जानकारी के अनुसार इस जत्थे ने दुल्हापुर में विश्राम किया और आज सुबह फिर से यात्रा शुरू कर लांजी स्थित दादा कोटेश्वर धाम पहुंचेगा, जहां विधि-विधान के साथ भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सचिन ने यह यात्रा गांव की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सभी की मनोकामना पूर्ति के लिए संकल्प के रूप में ली है। गांव में इस यात्रा को लेकर काफी उत्साह है। रास्ते में पड़ने वाले गांवों में लोग फूल-मालाओं से इस जत्थे का स्वागत कर रहे हैं

और जगह-जगह पानी और जलपान की व्यवस्था कर रहे हैं। बतादें कि सावन के महीने में लांजी के दादा कोटेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा की विशेष धूम रहती है। यहां हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु वैनगंगा सहित अलग-अलग पवित्र नदियों से जल लेकर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान पूरा लांजी क्षेत्र शिवमय हो जाता है और बोल बम के जयकारों से गूंज उठता है। इस बार सचिन की यह अनोखी घुटनों वाली यात्रा इस धाम की भक्ति में एक नया अध्याय जोड़ रही है।

जिला कांग्रेस ने जारी की जिला कार्यसमिति की सूची, मुकेश चौहान बने लांजी नगर के प्रभारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला कांग्रेस पार्टी बालाघाट के द्वारा जिला कार्यसमिति की सूची जारी की गई है। सूची में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिनमे जनरल सेक्रेटरी, वाइस प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी आदि को जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं नगरीय निकायों मे प्रभावी कार्य हेतु नियुक्ति की गई है. सभी नियुक्तियां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष जीतू पटवारी, जिला अध्यक्ष विधायक संजय उइके, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव हिना कावरे, कि अनुशंसा पर सभी नियुक्तियां की गई है।

इसी क्रम में जिला कॉंग्रेस कमेटी सचिव

मुकेश चौहान को लांजी नगर का प्रभारी बनाया गया है। मुकेश चौहान की नियुक्ति से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को नगर स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा।नवनियुक्त प्रभारी मुकेश चौहान ने संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में सक्रियता से कार्य करने की बात कही। आपकी नियुक्ति पर पूर्व विधायक हीना कावरे, जनपद पंचायत लांजी अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष रेवाजी कराटकरे, नगर कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने, मुकेश जोशी , मनीष जुझार, मनीषा रविन्द्र धारणे,ललित कबीरे, अशोक पालीवाल, पूनम आसटकर, राजू बापुरे, संतोष आवरे, ज्योति ईश्वर उमरे, ओमकार रहांगडाले, खेमचंद दानी, मुकेश दसरिया ,राजू मेंढे, मुकेश रणदिवे, महेन्द्र सोनवाने, शरद आसटकर, दिनेश लांडे, संजीत ठाकरे, देबीलाल चौधरी, आशीष सोनू श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र चूटे, घनश्याम पटले, संजय वानखेड़े, कोमल काडे, योगेन्द्र मिश्रा, राम ठाकरे, लिखेन्द उपराड़े, एडवोकेट अनमोल तिडके, जीतू मोरघड़े, सुरेन्द्र चौधरी, पन्ना बिल्हारे, पोषण मस्करे, नरेन्द्र नागपुरे, बंटी पटेल, मोनू हरिनखेड़े, अफजल बेग, आरिफ बेग, सैयद अरशद, इरशाद खान, गणेश बागड़े, राजू सोयाम, प्रभुदयाल किरमें, विनोद उमरे, टुमन घोरमारे, सिद्धीक अंसारी, अफसाना अंसारी, जुग्गू खान, बब्बू भाईजान, युवराज पटले, महेश चौधरी, गोवर्धन घोरमारे, श्याम बेदरे, राधेश्याम नखाते, रविन्द्र धारने, दिनेश चौहान, लीलाराम मानकर, अमन श्रीवास्तव, शिवम् नखाते, लक्ष्मण कावरे, रामकृष्ण गिरिया, कल्याण कालबेले, योगदास नागपुरे, अजीत नागपुरे, गुरुदास लिल्हारे, रामेश्वर बिल्थरे, विश्वनाथ मोरघड़े, मुरली बावनथडे, स्नेहा बागड़े, राकेश बागड़े, कैलाश मस्करे, बब्लू उमरे, पप्पू कावडे, भरत बड़में, नरेश चौहान, सीताराम बड़मे, चंद्रकांत किरनापूरे, प्रवीण दुबे, पप्पू कामरी, सुखराम बड़में, दिलीप रामटेके, पवन कश्यप, विजय रामटेककर, राजेश पन्द्रे, सखाराम वरकड़े, गुड्डु गोस्वामी, नरेन्द्र मोतीचुर, ललित वरकड़े, राकेश पद्रे सहित सभी कॉंग्रेस जनों ने बधाई प्रेषित की है।

राम नाम के साथ बड़गांव में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ सम्पन्न

धार्मिक आयोजन के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम बड़गांव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ समिति, ग्राम समितियों एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का 21 अगस्त को शुभारंभ और 22 अगस्त को विश्रांति के साथ समापन हुआ। आयोजन में धर्म के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। राम यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने घरों के सामने दीप सजाकर भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। भजन और बैंड-बाजे के साथ निकली यात्रा में ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बना।

स्वास्थ्य शिविर में 195 लोगों की जांच

केयर हॉस्पिटल गोंदिया के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें 195 लोगों की जांच कर दवाइयां एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। वहीं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर में 142 लोगों की जांच हुई, जिसमें 45 मरीजों में मोतियाबिंद चिन्हित किया गया। चिन्हित मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया।

पौधारोपण और प्लास्टिक मुक्त अभियान

पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने पौधारोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त गांव का संदेश दिया गया।

हल्दी-कुमकुम, हवन-यज्ञ और कन्या पूजन

महिलाओं के बीच सामाजिक एकता और सौहार्द बढ़ाने के लिए हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। हवन-यज्ञ में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर सुख-शांति एवं जनकल्याण की कामना की। कन्या पूजन के माध्यम से बेटियों के सम्मान, शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य का संदेश दिया गया।

बच्चों को शिक्षा और संस्कार का संदेश

कार्यक्रम में बच्चों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत और अच्छे संस्कारों के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों ने सांस्कृतिक एवं शिक्षाप्रद प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षित और संस्कारित बच्चे ही परिवार एवं समाज की मजबूत नींव बनते हैं। आयोजकों ने कहा कि श्रीरामचरित मानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देता है। धार्मिक आयोजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण एवं समाजसेवा से जोड़ना ही अभियान का उद्देश्य है। सावन माह में क्षेत्र के 30 गांवों में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में समस्त ग्रामवासियों एवं भक्तगण का सहयोग रहा।

बहेला में भी अखण्ड पाठ का शुभारंभ

इसी क्रम में ग्राम बहेला में 22 अगस्त को संगीतमय अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद जांच शिविर, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान तथा महाप्रसाद सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सन शाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी में उत्साह से मनाया गया हरित दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में संचालित सन शाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी में शनिवार, 22 अगस्त 2026 को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति बच्चों में प्रेम एवं जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से ग्रीन डे (हरित दिवस) उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर को हरे रंग के गुब्बारों, रिबन तथा बच्चों द्वारा बनाए गए पेड़-पौधों के चित्रों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के संचालक अविनाश रैंच एवं प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी रैंच द्वारा की गई। प्रधान पाठिका ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाते हुए कहा कि बचपन से ही बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

फैंसी ड्रेस से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरित दिवस के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें फैंसी ड्रेस, सेव ट्री और सेव अर्थ जैसी गतिविधियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों ने पेड़, पत्तियों, सब्जियों और फलों के रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के महत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय की प्रधान पाठिका, समस्त शिक्षिकाओं एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मिलकर हरित दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और संरक्षण की भावना विकसित करना रहा।

नांग सांप के काटने से बिगड़ी युवक की तबीयत, जड़ी-बूटी से राहत मिलने का दावा

देवरबेली के राकेश यादव को खेत में काम के दौरान हुआ सर्पदंश, परिजन तत्काल लांजी लेकर पहुंचे

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम देवरबेली निवासी 35 वर्षीय राकेश पिता साकुलाल यादव के साथ 22 अगस्त की सुबह खेत में काम करने के दौरान सर्पदंश की घटना सामने आई। राकेश के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे वह खेत गया था। खेत की धुरे पर चलते समय अचानक उसका पैर नांग सांप के ऊपर पड़ गया, जिसके बाद सांप ने उसके पैर में काट लिया। सर्पदंश के बाद राकेश तत्काल अपने घर पहुंचा और परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी। उसके अनुसार, कुछ ही देर में उसका गला सूखने लगा तथा हाथ-पैर कांपने लगे। उसकी हालत बिगड़ती देख परिवार के लोगों ने तत्काल चारपहिया वाहन की व्यवस्था की और उसे उपचार के लिए लांजी रवाना किया। राकेश के साथ उसके भाई राजेन्द्र यादव, समल यादव तथा वाहन मालिक विष्णु आचरे भी लांजी पहुंचे। देवरबेली से लांजी पहुंचने में करीब पौने दो घंटे का समय लगा और सुबह लगभग 8-45 बजे

वे लांजी पहुंचे। इस दौरान राकेश की तबीयत लगातार बिगड़ रही थी।

कोटेश्वर भगवान का नाम लेकर दी जड़ी-बूटी

लांजी पहुंचने के बाद राकेश ने आत्माराम चन्ने को सांप द्वारा पैर में काटे जाने की जानकारी दी। राकेश के परिजनों के अनुसार, आत्माराम चन्ने ने भगवान कोटेश्वर का नाम लेकर उसे खाने के लिए जड़ी-बूटी दी। परिजनों का दावा है कि जड़ी-बूटी लेने के कुछ समय बाद राकेश को धीरे-धीरे राहत महसूस होने लगी और करीब एक घंटे के भीतर उसकी हालत सामान्य हो गई।

करीब 45 वर्षों से सर्पदंश पीड़ितों को निःशुल्क जड़ी-बूटी देने का दावा

स्थानीय लोगों के अनुसार, आत्माराम चन्ने के परिवार में कई पीढ़ियों से सर्पदंश के मामलों में जड़ी-बूटी देने की परंपरा चली आ रही है। बताया गया कि आत्माराम चन्ने स्वयं पिछले करीब 45 वर्षों से सर्पदंश के शिकार लोगों को जड़ी-बूटी देते आ रहे हैं और इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लेते। उनके पास प्रतिवर्ष आसपास के क्षेत्रों से सर्पदंश के करीब 25 से 50 पीड़ति पहुंचने का दावा किया जाता है। आत्माराम चन्ने इसे भगवान कोटेश्वर महादेव की कृपा मानते हैं। सर्पदंश से पीड़ति लोगों को वे भगवान कोटेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर नारियल चढ़ाने की सलाह भी देते हैं।

श्रीमती शकुंतला तिड़के का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 09 निवासी एवं गायत्री शक्तिपीठ लांजी के परिव्राजक विनोद तिड़के व शैलेंद्र तिड़के की माताजी श्रीमती शकुंतला तिड़के पति स्वर्गीय सुखराम जी तिड़के (सेवानिवृत शिक्षक) का 86 वर्ष की उम्र में 22 अगस्त को शाम 7.10 बजे निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार आज 23 अगस्त दिन रविवार को सुबह 11 बजे कोटेश्वर मोक्ष धाम किया जाएगा। इनके निधन पर परिजनों, इष्ट मित्रों, नाते रिश्तेदारों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें, तथा शोकाकुल परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

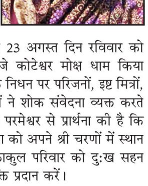

एमपी में अब किसानों को जीरो ब्याज पर मिलेगी खाद, कर्ज चुकाने की टेंशन खत्म

किसान अपनी फार्मर आईडी जरूर बनवाएं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों से अपनी फार्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 20 अगस्त से फार्मर आईडी बनाने का अभियान शुरू किया गया है। किसानों को इसके लिए न भटकना पड़ेगा और न ही लंबी कतारों में लगना होगा। शासकीय दल स्वयं किसानों के पास पहुंचकर फार्मर आईडी बनाएंगे।

मुख्यमंत्री शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। सरकार ने किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, ताकि पैसों की कमी खेती के आड़े न आए।

डॉ. यादव ने किसानों से पारंपरिक फसलों के साथ बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आयवर्धक क्षेत्रों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिवपुरी की मूंगफली देशभर में पहचान बना रही है और सामूहिक प्रयासों से जिले को कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाएगा।

किसानों के लिए योजनाओं का उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अब ऋण चुकाने के लिए 31 मार्च की निश्चित समय-सीमा से राहत मिलेगी। किसान एक वर्ष के भीतर अपनी सुविधा के अनुसार ऋण चुका सकेंगे। उन्होंने ई-विकास 2.0 प्रणाली को अधिक सरल और किसान हितैषी बताते हुए कहा कि किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार बिना अनिवार्य संयोजन के कोई भी एक उर्वरक खरीद सकेंगे।

उन्होंने कहा कि माधव टाइगर रिजर्व और होम-स्टे जैसी गतिविधियों से किसानों के लिए आय के नए अवसर भी विकसित हो रहे हैं। अगले वर्ष चना और गन्ना लगाने वाले किसानों को दिन के समय पूरी अवधि बिजली उपलब्ध कराने की योजना का भी उन्होंने उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को प्रतिवर्ष कुल 12 हजार रुपये की सहायता मिल रही है। उन्होंने रक्षाबंधन के अवसर पर जिले के किसानों और लाड़ली बहनों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, कोलारस विधायक महेंद्र सिंह यादव, करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल की एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल की एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक शनिवार को हुई। बैठक में संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाने, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण, तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के स्वागत उद्बोधन में मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा के संदर्भ में विस्तार से अवगत कराया तथा कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के सचिव(मध्य प्रदेश -प्रभारी) प्रतापनारायण मिश्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, जनसंपर्क बढ़ाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक का शुभारंभ वंदे मातरम् एवं महापुरूषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात संगठन सृजन

अभियान के अंतर्गत जिला एवं ब्लॉक इकाइयों के गठन की समीक्षा की गई तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रभाव फेरी एवं ध्वज वंदन कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला, विधानसभा एवं ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, संगठनात्मक विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर (रिफ्रेशर कैंप) के आयोजन एवं उसकी तैयारियों की समीक्षा भी की गई। साथ ही आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा कर संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से जिलेवार रचनात्मक आवश्यक सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक में कांग्रेस सेवादल के तीनो विंग सेवादल, महिला सेवादल एवं यंग ब्रिगेड सेवादल के पदाधिकारी एवं विभिन्न जिलों से पधारे अध्यक्षगण सम्मिलित हुए। बैठक को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस सेवादल की प्रदेश महिला अध्यक्ष संगीता कांकरिया एवं यंग ब्रिगेड सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अनुशासन, सेवा भावना एवं संगठन के प्रति पूर्ण समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

चुनौतियों को अवसर में बदलकर एमपी सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य बना -मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाले राज्यों में अग्रणी बन गया है। कभी प्रदेश पर बीमारू राज्य का टैग लगाया गया था, लेकिन चुनौतियों को अवसर में बदलकर मध्यप्रदेश ने विकास की नई पहचान बनाई है। कृषि के साथ अब औद्योगिक क्षेत्र में भी प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'द इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम-2026' में 'मध्यप्रदेश सत्र' को संबोधित कर रहे थे। सत्र का विषय 'फायरसाइड चैट ऑन एमपी - अनलॉकिंग द हार्ट ऑफ इंडिया' था। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश की खूबियों और निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश का अमृतकाल है और सभी राज्य मिलकर भारत की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। नदी जोड़ो अभियान, सिंचाई परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय कर चुनौतियों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रदेश के विभिन्न अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सौर और पवन ऊर्जा की क्षमता का उपयोग करते हुए ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वच्छ और पर्याप्त ऊर्जा के साथ उद्योगों के लिए भूमि एवं अधोसंरचना उपलब्ध कराने पर सरकार का विशेष जोर है।

उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल एवं गारमेंट, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, खाद्य प्रसंस्करण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। एमएसएमई, स्टार्टअप और बड़े उद्योगों के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और बेहतर कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था, डिजिटल प्रक्रियाओं और समयबद्ध अनुमोदन को प्राथमिकता दी जा रही है। निवेश प्रस्तावों के त्वरित निराकरण और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रक्रियाओं को लगातार सरल बनाया जा रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति को भी बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि सड़क, रेल, हवाई संपर्क और लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना के विस्तार से राज्य देश के प्रमुख बाजारों और वैश्विक सप्लाई चेन से बेहतर तरीके से जुड़ रहा है।

नोटरी नहीं, मैरिज ऑफिसर को विवाह पंजीयन का अधिकार

भोपाल । स्टेट बार काउंसिल ने अधिसूचना जारी कर नोटरी, शपथ आयुक्त और मैरिज ऑफिसर की कानूनी भूमिकाओं को स्पष्ट किया है। अधिसूचना में कहा गया है, नोटरी या शपथ आयुक्त के समक्ष केवल शपथ-पत्र, घोषणापत्र अथवा अन्य दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा सकता है। वह स्वयं विवाह संपन्न कराने या विवाह प्रमाणपत्र जारी करने के लिए कानूनी रूप से अधिकृत नहीं हैं।

मैरिज ऑफिसर को संबंधित विवाह कानून के तहत विवाह संपन्न कराने और उसका पंजीयन करने का वैधानिक अधिकार प्राप्त होता है। शपथ आयुक्त का काम मुख्यतः शपथ दिलाना और शपथ-पत्रों को सत्यापित करना है। नोटरी दस्तावेजों के प्रमाणीकरण एवं अन्य निर्धारित कानूनी कार्य करता है। बार काउंसिल ने लोगों से अपील की है। विवाह के लिए अधिकृत मैरिज ऑफिसर को ही मैरिज करने का अधिकार है।

स्वर्गवासी कर रहे हैं मनरेगा और बीबी- जीरामजी में मजदूरी, कागजों में जारी हो रहा है,भुगतान

भोपाल। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के इमलिया ग्राम पंचायत में यह मामला उजागर हुआ है। तालाब सड़क और सीसी रोड के निर्माण कार्य में इन्हें मजदूरी पर रखा गया। मनरेगा और बीबी-जीरामजी योजना के रिकॉर्ड में ऐसे लोगों के नाम मजदूरी मे दर्ज हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। कागजों में मृत व्यक्ति भी मजदूरी कर रहे हैं। उनके नाम से मजदूरी का भुगतान हो रहा है।

स्थानीय स्तर पर सामने आए रिकॉर्ड ने योजनाओं की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि फर्जी मस्टर रोल तैयार कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। मृत लोगों के नाम पर भुगतान हो रहा है। तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि योजनाबद्ध भ्रष्टाचार का मामला है। मामले की जांच कर दोषियों से राशि की वसूली और कार्रवाई की मांग उठ रही है।

मप्र में शराब कारोबार में एकाधिकार

11 डिस्टलर्स का 33 जिलों की कारोबार पर कब्जा

भोपाल। मध्य प्रदेश में शराब कारोबार मे शराब निर्माता कंपनियों ने एकाधिकार बनाने के लिए आपस में सांठ- गांठ कर ली है। हर साल शराब महंगी होती चली जा रही है। मध्य प्रदेश के शराबियों को नशे की सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। शराब निर्माता ठेकेदार आबकारी विभाग और सरकार के संरक्षण में मध्य प्रदेश में शराब के कारोबार में लूट मची हुई है। कुछ चुनिंदा डिस्टलर्स का प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है? उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार 2012-13 से 2026-27 के बीच मध्य प्रदेश के सभी जिलों में शराब की प्रमुख कंपनियों ने जिलों का बटवारा करके शराब बिक्री की अपनी हिस्सेदारी तय कर ली. मनमाने तरीके से टेंडर भरा. एकाधिकार होने के कारण शराब के लिए बढ़ते चले जा रहे हैं. शराबियों को सुनयोजित रूप से लोग लूटा जा रहा है. चार समूहों के पास करीब 70 प्रतिशत शराब कारोबार है। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है, शराब की कीमतों को लेकर मध्य प्रदेश देश के सबसे महंगे राज्यों में है। सवाल यह है, जब उत्पादन और वितरण का बड़ा हिस्सा सीमित कंपनियों के पास है.इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है. यदि कुछ कंपनियां अलग-अलग जिलों को अपने प्रभाव क्षेत्र में नीलामी में भाग लेती और सभी को समान रूप से अवसर मिलता. निर्माता और ठेकेदारों के बीच में स्पर्धा बढ़ती, तो शराब में जो लूट मची है वह लूट नहीं होती। 11 कंपनियों द्वाराअलग-अलग जिलों में लंबे समय से कारोबार किया जा रहा है। शराब के कारोबार में इनका एकाधिकार बन गया है. हर तरीके से लूट की जा रही है. 2012-13 से 2026-27 तक शराब कारोबार के आकार बढ़ता जा रहा है। यही वह बिंदु है जहां कार्टेल बनाकर उपभोक्ताओं से सुनयोजित लूट की जा रही है.यह गंभीर जांच का विषय है। भारतीय

प्रतिस्पर्धा आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए.

सबसे बड़ा सवाल आबकारी विभाग पर खड़ा हो रहा है। क्या टेंडर की शर्तें वास्तव में स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा बढ़ाती हैं, या शराब कारोबार का लाभ कुछ चुनिंदा लोगों तक पहुंच रहा है। इसमें आबकारी विभाग के अधिकारी और सरकार के मंत्री भी शामिल हैं? शराब कंपनियों को बार-बार उन्हें जिलों का ठेका क्यों मिलता है? यदि कंपनियां लगातार वही क्षेत्र हासिल करती हैं. नए कारोबारियों के लिए प्रवेश मुश्किल हो, ऐसी नीति की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।जांच का विषय होना चाहिए, आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा जो नीति बनाई जाती है वह शासन और शराब उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, या ठेकेदारों के हितों को ध्यान में रखा जा रहा है. शराब कारोबारियों को आपस में मिलकर बंदरबाँट करने का मौका दिया जा रहा है.

सवाल गंभीर हैं, स्वतंत्र जांच जरूरी है।

2022 में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की कार्रवाई के बाद एकाधिकार कुछ समय के लिए खत्म हुआ. उसके बाद फिर वही स्थिति बन गई है।

सीसीआई को मध्य प्रदेश में शराब कारोबार को लेकर पिछले 3 सालों में डिस्टलर्स की बोली प्रक्रिया, जिलावार आवंटन, कीमतों, उत्पादन, बिक्री और आपसी संबंधों की स्वतंत्र जांच करनी चाहिए। कार्टेल बनाकर बाजार नियंत्रित करने के प्रमाण मिलते हैं. ऐसी स्थिति में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए. हजारों करोड़ के शराब कारोबार की शराब नीति में पारदर्शिता और वास्तविक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित

वर्षों से कुछ चुनिंदा कंपनियों के दबदबे की उच्चस्तरीय जांच हो - जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश के शराब टेंडरों में वर्षों से कुछ चुनिंदा कंपनियों के कथित वर्चस्व और टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक प्रदेश के 33 जिलों में शराब के प्रमुख टेंडरों की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच तथा संपूर्ण प्रक्रिया का ऑडिट कराने की मांग की है।

श्री पटवारी ने कहा कि वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक शराब कारोबार में कुछ चुनिंदा कंपनियों का लगातार प्रभाव बना हुआ है। सामने आए दावों के अनुसार चार समूहों के पास लगभग 70 प्रतिशत बाजार है तथा कई जिलों में वर्षों से उन्हीं कंपनियों को लगातार टेंडर मिलते रहे हैं। यदि यह तथ्य सही है तो यह महज संयोग नहीं माना जा सकता। इससे प्रदेश की पूरी टेंडर व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टेंडर व्यवस्था लागू होने के बावजूद यदि टेंडर के परिणामों में पुराने पैटर्न की पुनरावृत्ति हो रही है तो सरकार को प्रदेश की जनता के सामने इसका स्पष्ट जवाब देना चाहिए। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की कार्रवाई के बाद वर्ष 2022 में जिस कथित पैटर्न के टूटने की बात सामने आई थी, उसके बाद यदि फिर वही स्थिति दिखाई दे रही है तो इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

श्री पटवारी ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि सरकार शराब कारोबार से हजारों करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करने वाले कारोबारियों के हितों की रक्षा कर रही है या प्रदेश के राजस्व और जनता के हितों की? उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व किसी कारोबारी समूह को संरक्षण देना नहीं, बल्कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए प्रदेश के राजस्व और जनहित की रक्षा करना है।

श्री पटवारी की प्रमुख मांगें

1. वर्ष 2012-13 से अब तक प्रदेश में शराब के सभी प्रमुख टेंडरों का स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय ऑडिट कराया जाए।
2. किन कंपनियों ने किन-किन जिलों में कितने वर्षों तक लगातार टेंडर प्राप्त किए, इसका पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए।
3. प्रत्येक टेंडर में भाग लेने वाली कंपनियों, उनकी बोली, पात्रता तथा अंतिम चयन की प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए।
4. यह जांच कराई जाए कि किसी कंपनी अथवा कंपनियों के समूह ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित तो नहीं किया।
5. टेंडर प्रक्रिया में मिलीभगत, कार्टेल अथवा किसी अधिकारी और कंपनी के बीच गठजोड़ की आशंका होने पर स्वतंत्र जांच कराई जाए।
6. पिछले वर्षों में सरकार को शराब टेंडरों से प्राप्त वास्तविक राजस्व और संभावित प्रतिस्पर्धी बोली के आधार पर प्राप्त हो सकने वाले राजस्व के बीच अंतर का भी परीक्षण कराया जाए।

श्री पटवारी ने कहा कि यह मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय नहीं है। यदि टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रही है तो सरकार को सभी तथ्यों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि पूरे मामले को पारदर्शिता के साथ जांच के दायरे में लाकर जांच रिपोर्ट प्रदेश की जनता के सामने सार्वजनिक की जाए।

शक्कर की बढ़ती कीमतों से त्यौहार की मिठास फीकी कर रही भाजपा सरकार - माकपा

भोपाल। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने शक्कर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। माकपा के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने आरोप लगाया कि त्यौहार के अवसर पर शक्कर महंगी होने से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है और राखी जैसे पर्व की खुशियां प्रभावित हो रही हैं।

जसविंदर सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा गन्ने का उपयोग एथेनॉल उत्पादन में बढ़ाने का निर्णय अब शक्कर की उपलब्धता और कीमतों पर असर डाल रहा है। उन्होंने दावा किया कि करीब 25 लाख टन गन्ने को एथेनॉल उत्पादन में लगाने के कारण शक्कर की कीमतों में तेजी आई है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार अचानक बढ़ी कीमतों के वास्तविक कारणों को स्पष्ट क्यों नहीं कर रही है।

माकपा नेता ने कहा कि सरकार अब शक्कर आयात करने की बात कर रही है, लेकिन गन्ने से एथेनॉल उत्पादन पर रोक लगाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। उनके अनुसार आयात प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद शक्कर को भारत पहुंचने में दो महीने से अधिक समय लग सकता है, जिससे आगामी त्यौहारों पर भी महंगाई का असर पड़ने की आशंका है।

उन्होंने सरकार से शक्कर की कीमतों को तत्काल पूर्व स्तर पर लाने और आम उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की है।

एसडीओपी केके वर्मा पर महिला ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, गिरफ्तार

- 2017 से 2023 तक शादी का झांसा देकर कई बार बनाये शारीरिक संबंध - रिटायरमेंट के बाद शादी करने का किया था वादा - 2023 में सेवानिवृत के बाद किया इंकार, जाति से अपमानित कर संपर्क तोड़े - अगस्त 2026 में पीड़िता ने दर्ज कराई एफआईआर, भोपाल से हुई गिरफ्तारी

भोपाल। पांढुर्णा जिले के सौसर में पदस्थ रहे पूर्व एसडीओपी केके वर्मा के खिलाफ 31 वर्षीय महिला की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। वर्मा करीब तीन साल पहले रिटायर्ड हो चुके हैं। पांढुर्णा पुलिस ने उन्हें भोपाल से गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। महिला का आरोप है कि वर्मा ने साल 2017 से 2023 के दौरान शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। वहीं शुरुआत में जब उसने वर्मा की बात मानने से इंकार करते हुए उसका विरोध किया तब उसे और उसके परिवार को मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं सहित एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा की पीड़ित महिला पुलिस को दिए बयान में बताया कि साल 2017 में उनके परिवार के एक सदस्य के साथ मारपीट का मामला उमरानाला चौकी में दर्ज हुआ था। तत्कालीन सौसर एसडीओपी केके वर्मा इस मामले के जांच अधिकारी थे, जिसके चलते महिला का उनसे संपर्क और पहचान हुई।

- वर्मा ने दबाव बनाकर सरकारी आवास में बनाये संबंध

महिला का आरोप है कि इस घटना के बाद केके वर्मा ने उनसे मोबाइल फोन पर बातचीत शुरू कर दी और उनके घर के सामने आकर भी मुलाकात करते थे। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने महिला के मोबाइल नंबरों पर लगातार संपर्क बनाए रखा और बातचीत करता रहा। महिला ने बताया कि साल 2017 के आसपास आरोपी ने उन पर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तब आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि वर्मा ने सौसर के सरकारी आवास में भी उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। महिला के मुताबिक इस दौरान आरोपी ने उसे शादी करने का भरोसा दिया।

- ट्रांसफर के बाद भी करता रहा शारीरिक शोषण

महिला ने बताया कि साल 2018 में केके वर्मा का सिवनी ट्रांसफर हो गया था। इसके बाद भी दोनों का संपर्क बना रहा और वहां भी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। साल 2019 में आरोपी का भोपाल ट्रांसफर होने के बाद भी वर्मा उससे संपर्क करता रहा।

- रिटायरमेंट के बाद शादी करने का वादा किया

पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया है कि वर्मा ने उससे वादा किया था की सेवानिवृत्ति के बाद वह उससे शादी कर लेगा। हालांकि इस बीच महिला ने वर्मा पर कई बार शादी करने का दबाव डाला, लेकिन वह नहीं माना। महिला के मुताबिक साल 2023 में रिटायरमेंट के बाद जब उसने दोबारा शादी की बात कही तो आरोपी ने उससे बात करने से इनकार कर दिया। आरोप यह भी है की वर्मा ने उसकी जाति को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत करने का निर्णय लिया। महिला ने बताया कि वह अनुसूचित जाति से संबंधित है और आरोपी सामान्य वर्ग से है। एफआईआर में जातिसूचक अपमान और धमकी से संबंधित प्रावधान भी लगाए गए हैं।

- इन धाराओं में दर्ज हुई एफआईआर

महिला ने पांढुर्णा पुलिस से 20 अगस्त 2026 को शिकायत की थी, जिसके बाद आरोपी पूर्व एसडीओपी के के वर्मा पर धारा 376(2)(एन), 376(2)(के)(आई), 377, 506, 3(1)(डब्ल्यू)(आईआई) और 3(2)(वी) एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं का उल्लेख किया गया है।

निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस 10 फीसदी बढ़ी

भोपाल। मध्य प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेजों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को अब अधिक फीस चुकानी होगी। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस में 10 फीसदी वृद्धि संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। नई फीस व्यवस्था मेडिकल शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों पर लागू होगी। फीस बढ़ोतरी के बाद एमबीबीएस सहित अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई का खर्च बढ़ने से विद्यार्थियों और अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अनुसार फीस निर्धारण निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के तहत किया गया है। निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को अब संशोधित फीस के अनुसार भुगतान करना होगा। अधिसूचना जारी होने के बाद कॉलेज प्रबंधन को नई फीस लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे मेडिकल शिक्षा की बढ़ती लागत को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है।

हैदराबाद में नाले पर बन रही आठ मंजिला इमारत ढही, मध्यप्रदेश के दो मजदूरों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित गाचीबोवली इलाके में शनिवार को एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत अचानक धराशायी हो गई। हादसे में मलबे में दबने से मध्यप्रदेश के दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और संभावित रूप से फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फायर और रेस्क्यू टीमों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। एक फायर अधिकारी के मुताबिक मलबे से अब तक दो शव निकाले जा चुके हैं। एक घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत दलों को आशंका है कि मलबे के नीचे कोई और व्यक्ति फंसा हो सकता है, इसलिए सावधानी से मलबा हटाया जा रहा है।

नाले के ऊपर निर्माण का आरोप

HYDRA के कमिश्नर एवी रंगनाथ ने बताया कि निर्माणाधीन इमारत करीब 60 वर्ग गज जमीन पर बनाई जा रही थी और इसमें सात से अधिक मंजिलें थीं। निर्माण को करीब आठ मंजिला बताया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार इमारत नाले के ऊपर बनाई जा रही थी और प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी।

हॉकी वर्ल्ड कप

भारत के सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ महिला हॉकी विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे से भारतीय खेमे को झटका जरूर लगा है, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम के लिए सेमीफाइनल के दरवाजे अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। पूल-ई के समीकरण ऐसे हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत और अनुकूल परिणाम भारत को अंतिम चार में पहुंचा सकते हैं। दूसरे दौर के पूल-ई में चार टीमें शामिल हैं और शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नीदरलैंड्स अपने दोनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसका गोल अंतर भी प्लस चार है। चीन ने दोनों मैच ड्रॉ खेले हैं और दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खाते में एक-एक अंक है। दोनों टीमों का गोल अंतर माइनस दो है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए हैं, जबकि भारत के नाम दो गोल हैं। इसी बेहतर स्कोरिंग रिकॉर्ड के कारण ऑस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है।

अब भारत को अपने अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराना ही होगा। जीत के साथ भारतीय टीम के चार अंक हो जाएंगे और सेमीफाइनल की उम्मीद मजबूत हो जाएगी।

ड्रॉ की स्थिति में भारत के केवल दो अंक होंगे, जबकि हार के साथ उसका सफर समाप्त हो जाएगा। भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से पहले नीदरलैंड्स और चीन आमने-सामने होंगे। यदि नीदरलैंड्स चीन को हरा देता है और भारत ऑस्ट्रेलिया को मात देता है, तो भारत चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। चीन के ड्रॉ करने की स्थिति में उसके तीन अंक होंगे और भारत की जीत उसे भी पीछे छोड़ देगी। हालांकि, अगर चीन उलटफेर करते हुए नीदरलैंड्स को हरा देता है तो उसके पांच अंक हो जाएंगे और भारत जीत के बावजूद चार अंकों पर तीसरे स्थान पर रह जाएगा। नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी कमी मौकों को गोल में बदलने की रही। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में फॉरवर्ड लाइन और पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतर प्रदर्शन के साथ रक्षापंक्ति को भी अनुशासित रखना होगा। मुख्य कोच शोर्ड मारिन की रणनीति और टीम का सामूहिक प्रदर्शन भारत के सेमीफाइनल अभियान की दिशा तय करेगा।

दूसरे टेस्ट में क्लीन स्वीप पर भारत की नजर, गिल-जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत दर्ज कर भारतीय टीम ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में टीम इंडिया की कोशिश कोलंबो टेस्ट जीतकर श्रीलंका का क्लीन स्वीप करने की होगी। यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है। भारत ने विदेश में अपनी पिछली टेस्ट सीरीज जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। इसके बाद टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी, जबकि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ उनकी धरती पर सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। घरेलू मैदान पर भी भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निराशा हाथ लगी थी। ऐसे में गॉल टेस्ट में मिली 165 रन की जीत ने कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को बड़ी राहत दी है।

भारत यदि दूसरे टेस्ट में भी जीत दर्ज कर सीरीज 2-0 से अपने नाम करता है तो उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में सुधार की संभावना है। टीम 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान तक पहुंच सकती है, हालांकि इसके लिए ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट का परिणाम भी अहम रहेगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश फिलहाल चौथे स्थान पर बना हुआ है। कोलंबो टेस्ट में सबसे ज्यादा नजर कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर रहेगी। दोनों ही खिलाड़ी पहले टेस्ट में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। गिल हालांकि अच्छी फॉर्म में हैं और अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक जड़ चुके हैं। कप्तानी संभालने के बाद उन्होंने 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक की औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से उतरेंगे।

यशस्वी जायसवाल की हालिया फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। पिछले आठ पारियों में उनके बल्ले से केवल एक अर्धशतक निकला है। गॉल टेस्ट में वह दोनों पारियों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। कोलंबो में उन्होंने नेट्स पर अतिरिक्त अभ्यास कर अपनी

तकनीकी कमियों को दूर करने की कोशिश की। गेंदबाजी विभाग में कुलदीप यादव की जगह पर भी फैसला अहम होगा। पहले टेस्ट में उन्हें 25 ओवर में केवल एक विकेट मिला था और वह भारतीय गेंदबाजों में सबसे महंगे रहे थे। श्रीलंका के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को अंतिम एकादश में पदार्पण का मौका मिल सकता है।

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी और सरफराज खान।

श्रीलंका- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरु उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदारा, कामिंडु मेंडिस, सहान अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो और विश्वा फर्नांडो।

त्रिशा-गायत्री ने रचा इतिहास, विश्व चैंपियनशिप में 15 साल बाद महिला डबल्स में भारत को पदक

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन की स्टार जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में शनिवार को खेले गए महिला डबल्स के सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन की विश्व नंबर-1 और मौजूदा चैंपियन लियू शेंगशु और टैन निंग के खिलाफ 21-18, 13-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद त्रिशा-गायत्री ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया।

घरेलू दर्शकों के जबरदस्त समर्थन के बीच भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में आक्रामक शुरुआत की। चीन की जोड़ी एक समय 18-16 से आगे थी, लेकिन त्रिशा और गायत्री ने लगातार पांच अंक हासिल कर पहला गेम 21-18 से जीत लिया। दूसरे गेम में 12-12 तक मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन इसके बाद चीनी खिलाड़ियों ने रणनीति बदलते हुए रैलियों को छोटा रखा और दबाव बढ़ाया। उन्होंने दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक गेम में विश्व नंबर-1 चीनी जोड़ी ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 21-8 से गेम जीतकर फाइनल में जगह बनाई।

हालांकि सेमीफाइनल की हार के बावजूद त्रिशा-गायत्री की उपलब्धि ऐतिहासिक रही। 2011 के बाद पहली बार भारतीय महिला डबल्स जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीता है। इससे पहले ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने 2011 में महिला डबल्स में भारत के लिए पदक जीता था। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद अब 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का हिस्सा भी हैं। विश्व चैंपियनशिप की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद उनसे एशियन गेम्स में भी पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

6-7 सेलिब्रेशन से वायरल हुई मेधावी बिधूड़ी, गेंदबाजी के साथ सोशल मीडिया पर छाई युवा लेग स्पिनर

नई दिल्ली। महिला दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के पहले मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली क्वींस को भले ही हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम की युवा लेग स्पिनर मेधावी बिधूड़ी ने अपनी शानदार गेंदबाजी और अनोखे '6-7' सेलिब्रेशन से सोशल मीडिया पर जबरदस्त सुर्खियां बटोर लीं। उनके वीडियो तेजी से वायरल हुए और क्रिकेट प्रशंसकों के बीच उनके नाम की चर्चा शुरू हो गई। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी लोकप्रियता और आकर्षक व्यक्तित्व को लेकर उन्हें 'नेशनल क्रश' तक कहना शुरू कर दिया। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने सेंट्रल दिल्ली क्वींस के सामने 157 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में सेंट्रल दिल्ली क्वींस की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन ही बना सकी और उसे 29 रन से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, मेधावी ने अपनी गेंदबाजी से प्रभाव छोड़ा। उन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मेधावी का दूसरा विकेट सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गया। निशिका सिंह को आउट करने के बाद उन्होंने पारंपरिक अंदाज में जश्न मनाने के बजाय हाथों को ऊपर-नीचे करते हुए '6-7' वाला खास सेलिब्रेशन किया। यह अंदाज कैमरे में कैद होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। प्रशंसकों ने उनके इस अनोखे और युवा पीढ़ी से जुड़े सेलिब्रेशन को खूब पसंद किया। मैच के बाद मेधावी ने इस सेलिब्रेशन के पीछे की कहानी भी बताई। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह जर्सी नंबर 12 चाहती थीं, लेकिन वह नंबर पहले से किसी अन्य खिलाड़ी के पास था। इसके बाद उनकी छोटी बहन ने उन्हें 67 नंबर चुनने की सलाह दी। मेधावी के अनुसार, उनकी बहन ने उन्हें बताया कि '6-7' का अंदाज इन दिनों युवाओं के बीच ट्रेंड में है। इसके बाद उन्होंने जर्सी नंबर 67 चुना और विकेट लेने के बाद उसी से जुड़ा सेलिब्रेशन करने का फैसला किया। 20 वर्षीय मेधावी बिधूड़ी दिल्ली की युवा लेग स्पिनर हैं और दाएं हाथ से गेंदबाजी करती हैं। वह पिछले कुछ समय से दिल्ली के घरेलू क्रिकेट ढांचे का हिस्सा रही हैं। मेधावी इससे पहले 2025 में महिला दिल्ली प्रीमियर लीग में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के लिए खेल चुकी हैं, जबकि मौजूदा सत्र में वह सेंट्रल दिल्ली क्वींस का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके अब तक के टी20 रिकॉर्ड पर नजर डालें तो मेधावी ने 11 मैचों में 11 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20 रन देकर तीन विकेट रहा है और उनका इकॉनमी रेट 6.68 का है। पहले मुकाबले में टीम को जीत नहीं मिल सकी, लेकिन मेधावी की फिरकी और '6-7' सेलिब्रेशन ने उन्हें

भारत-श्रीलंका मुकाबले पर मंडराया बारिश का खतरा, जानें मौसम का हाल

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच रविवार, 23 अगस्त से कोलंबो के ऐतिहासिक सिंहली क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। गाले में मिली शानदार जीत के बाद भारतीय टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ आत्मविश्वास से भरी हुई है, लेकिन इस महत्वपूर्ण मुकाबले पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है, जिससे खेल में लगातार बाधा आने की आशंका है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ट मैच के पांचों दिन बारिश होने की प्रबल संभावना है, जो दोनों टीमों के लिए चिंता का विषय बन सकती है। मैच के पहले दिन बारिश की संभावना 64 प्रतिशत है, खासकर सुबह और दिन के समय में इंद्र देव खेल में खलल डाल सकते हैं। दूसरे दिन यह आशंका बढ़कर 96 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जो कि सबसे अधिक है, जिससे एक पूरा दिन भी धुल सकता है। टेस्ट मैच के तीसरे दिन भी बारिश होने की संभावना 91 प्रतिशत है, जबकि चौथे दिन भी मौसम खराब रहने का अनुमान है, जिससे खेल का मजा किरकिरा हो सकता है। टेस्ट के आखिरी दिन भी बारिश होने की आशंका 91 प्रतिशत है, जो मैच के रोमांचक मोड़ पर बाधा डाल सकती है। भारतीय टीम ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 165 रनों से हराया था। उस मैच में देवदत्त पडिक्कल ने 167 रनों की दमदार पारी खेली थी, जबकि केएल राहुल ने भी 82 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया था। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं। गेंदबाजी में, युवा स्पिनर मानव सुथार ने अपना जादू खूब चलाया और पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट चटकाकर श्रीलंका के बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

गौतम गंभीर बोले- मेरा काम ट्रॉफी जिताना है, लाइक्स और व्यूज बटोरना नहीं

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम को लेकर हो रही बाहरी चर्चाओं, सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं और टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन पर उठ रहे सवालों को लेकर बेबाक प्रतिक्रिया दी है। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 23 अगस्त से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले गंभीर ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य लोगों को खुश करने के लिए सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज हासिल करना नहीं, बल्कि भारतीय टीम को ट्रॉफियां जिताना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि टीम के बारे में बाहर क्या चर्चा हो रही है, उससे उनके काम करने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता। उनके अनुसार टीम प्रबंधन का पूरा ध्यान मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करने और बड़े टूर्नामेंट व सीरीज जीतने पर है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि उनका काम ट्रॉफियां जीतना है, लाइक्स और व्यूज हासिल करना नहीं।

टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन और रैंकिंग को लेकर पूछे गए सवालों पर गंभीर ने टीम के संघर्ष में होने की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम खराब दौर से नहीं, बल्कि बदलाव के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में कुछ उतार-चढ़ाव होना स्वाभाविक है और हर मुकाबले में एक जैसा प्रदर्शन करना संभव नहीं होता। गंभीर ने कहा कि रैंकिंग को जरूरत से ज्यादा महत्व नहीं दिया जाना चाहिए।

स्टार्क और शोरिफुल की कहर बरपाती गेंदबाजी, दूसरे टेस्ट के पहले दिन गिरे 18 विकेट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरीना में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच का पहला दिन पूरी तरह गेंदबाजों के नाम रहा। दिनभर में कुल 18 विकेट गिरे और दोनों टीमों के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखाई दिए। पहले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश की पहली पारी को महज 64 रन पर समेट दिया। इसके बाद बांग्लादेशी गेंदबाजों ने भी जोरदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट झटक लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 165 रन बना लिए थे और उसे 101 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हो गई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। मिचेल स्टार्क ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह बिखेर दिया। उन्होंने 10 ओवर में केवल 12 रन देकर छह विकेट अपने नाम किए। शादमान इस्लाम और तंजीद हसन खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। मुमिनुल हक नौ रन बना सके, जबकि कप्तान नजमुल हुसैन शांतो पहली ही गेंद पर एलबीडब्ल्यू होकर आउट हो गए। मुशफिकुर रहीम ने 42 गेंदों का सामना करते हुए पांच रन बनाए और कुछ समय तक संघर्ष किया, लेकिन पैट कमिंस ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। लिटन दास बिना खाता खोले आउट हुए। मेहदी हसन मिराज ने 11 और हसन महमूद ने 10 रन बनाए। शोरिफुल इस्लाम 14 रन बनाकर अंतिम बल्लेबाज के रूप में आउट हुए, जिसके साथ बांग्लादेश की पारी 33.6 ओवर में 64 रन पर समाप्त हो गई। तैजुल इस्लाम 11 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टार्क के अलावा पैट कमिंस ने तीन और जोश हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

अंपायर के फैसले पर फंसे स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन रोमांच अपने चरम पर रहा। गेंदबाजों के दबदबे वाले इस मुकाबले में दोनों टीमों के बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया, लेकिन मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी के सामने मेहमान टीम महज 64 रन पर सिमट गई। इसके बाद बांग्लादेशी गेंदबाजों ने भी जोरदार पलटवार करते हुए ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को मुश्किल में डाल दिया। ऑस्ट्रेलिया की पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और नई गेंद से बांग्लादेश ने 40 रन के भीतर तीन

विकेट झटक लिए। इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और कैमरून ग्रीन ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने टीम को शुरुआती झटकों से उबारते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया, लेकिन स्मिथ का विकेट मुकाबले का अहम मोड़ बन गया।

स्टीव स्मिथ 42 रन के निजी स्कोर पर शोरिफुल इस्लाम की गेंद पर एलबीडब्ल्यू करार दिए गए। पारी के 26वें ओवर में ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद को स्मिथ खेल नहीं सके और गेंद उनके पैड पर जा लगी। बांग्लादेशी खिलाड़ियों की जोरदार अपील के बाद अंपायर कुमार धर्मसेना ने उन्हें आउट दे दिया। इसके बाद स्मिथ ने कैमरून ग्रीन से बातचीत की और निर्णय की समीक्षा के लिए डीआरएस का इस्तेमाल किया। वीडियो रिप्ले में गेंद और विकेट के बीच बेहद करीबी स्थिति दिखाई दी। समीक्षा के बाद फैसला अंपायर्स कॉल के आधार पर बरकरार रहा और स्मिथ को पवेलियन लौटना पड़ा। इस फैसले के बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी एक बार फिर दबाव में आ गई।

भारतीय महिला पहलवानों ने जीते रजत और कांस्य पदक

नई दिल्ली। स्लोवाकिया में आयोजित अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय महिला कुश्ती टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पदकों की संख्या में इज़ाफ़ा किया। चैंपियनशिप के आखिरी दिन भारत ने एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया, जो भारतीय कुश्ती के बढ़ते कद को दर्शाता है। भारतीय महिला पहलवानों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए कई प्रभावशाली जीत हासिल कीं। 68 किग्रा भार वर्ग में मानसी लाथर ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन चीन की चेनलिंग सोंग से 1-2 के बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस परिणाम के साथ मानसी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जो उनके बेहतरीन प्रदर्शन का प्रमाण है।

समग्र शिक्षा (सेकेण्डरी एजुकेशन)

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला बालाघाट

नया कलेक्ट्रेट भवन परिसर बालाघाट Emall:- balaghat.rmsa@gmail.com

क्रमांक/SSA/निविदा/2026-27/489 बालाघाट तारीख-22/08/2026

निविदा आमंत्रण

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु विषयवार प्रशिक्षण कार्यक्रम, इंस्पायर अवार्ड प्रदर्शनी एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए टेन्ट सामग्री, भोजन जलपान, प्रिटिंग कार्य, स्टेशनरी, हेतु सील बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित है। निविदा फार्म जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट (समग्र शिक्षा) खण्ड से 1000/- (एक हजार रूपये मात्र) पृथक-पृथक जमा कर दिनांक 23/08/2026 से 31/08/2026 सांयकाल 5 बजे तक कार्यालयीन समय पर प्राप्त कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदा दिनांक 01/09/2026 दोपहर 03.00 बजे क्रय समिति एवं निविदाकर्ताओ या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा संबंधी शर्ते कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

(धनश्री जैन)
जिला शिक्षा अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र)

कार्यालय नगर परिषद, लांजी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

(फ़ोन- 07635-255202 ईमेल-cmolanji@mpurban.gov.in)

पत्र क्र./1026/ई-टेण्डर/2026-27 लांजी,दिनांक 21-08-2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	क्र. 2026_UAD_530372_1 दिनांकः- 21-08-2026	आवश्यकतानुसार विभिन्न कार्यों हेतु मेनपॉवर / श्रमिक(कुशल / अर्द्धकुशल / अकुशल), सफाईकर्मी, वाहन ड्राईवर, समयपाल इत्यादि उपलब्ध कराने का कार्य।	समयावधि- 12 माह लागत- 80,00,000/-	10000/- 80000/-	24/09/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(श्रीमति रेखा ताराचंद कालबेले) अध्यक्ष नगर परिषद. लांजी

(श्री दिनेश कचवाहे) सभापति लोक निर्माण शाखा नगर परिषद, लांजी

(श्री मयूर वहाने) लोक निर्माण शाखा नगर परिषद, लांजी

दिल्ली में राहत पहाड़ों में आफत बनी बारिश, कई राज्यों में बरस रहे बदरा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार को हुई बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत प्रदान की। दिनभर में कई हिस्सों में हुई हल्की से मध्यम बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया, जिससे दिल्लीवासियों ने चैन की सांस ली। वहीं दूसरी तरफ पहाड़ी इलाकों में बारिश ने तबाही मचा रखी है। कहीं सड़के बंद है तो कहीं कई घर जमींदोज हो गए है। राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। इधर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ क्षेत्र, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भी कई जगहों पर बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी दिल्ली में शनिवार को आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहा। सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर हल्की से बहुत हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ इलाकों में मध्यम बारिश भी हुई। शाम के समय भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश का एक और दौर देखने को मिला, जिससे तापमान में गिरावट आई और हवा में ठंडक घुल गई। शनिवार को दिल्ली का तापमान 25 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान था। हालांकि, दिल्ली के लिए भारी बारिश को लेकर कोई रेड या ऑरेंज अलर्ट जारी नहीं किया गया है, लेकिन उम्मीद है कि रुक-रुककर बारिश और उमस का दौर बना रह सकता है। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 22 अगस्त को भी बारिश की संभावना जताई गई है, जो इन क्षेत्रों में गर्मी से और राहत दिला सकती है।

यूपी, बिहार समेत कई राज्यों के मौसम का हाल

देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में भी मानसून की गतिविधियां तेज बनी हुई हैं। उत्तर प्रदेश में 24 अगस्त के बीच कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है।मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ क्षेत्र, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भी कई जगहों पर बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। विशेष रूप से ओडिशा में 24 से 27 अगस्त के बीच बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। छत्तीसगढ़ में भी 27 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है, जिसके लिए प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दक्षिण भारत की बात करें तो तटीय कर्नाटक, केरल, माहे और लक्षद्वीप में तेज बारिश हो सकती है। केरल और तटीय कर्नाटक में 23 से 25 अगस्त के बीच भारी बारिश की संभावना है। कोंकण और गोवा में भी 27 अगस्त तक कई जगहों पर बारिश होने का अनुमान है।

पहाड़ी इलाकों में नहीं थम रही बारिश

मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि देश के कई हिस्सों में मानसून 27 अगस्त तक सक्रिय रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में कई जगहों पर तेज बारिश होने का अनुमान है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है। हालांकि, यह बारिश कुछ क्षेत्रों के लिए मुश्किलें भी लेकर आई है। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण प्रशासन अलर्ट पर है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हिमाचल प्रदेश में भी लगातार भारी बारिश और खराब मौसम का असर सड़क, बिजली और पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं पर पड़ा है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, प्रदेश में 166 सड़कें बंद हैं, जिनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-003 भी शामिल है। बारिश के कारण 130 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 222 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं, जिससे दूरदराज के इलाकों में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ओडिशा में भी बाढ़ प्रभावित इलाकों पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। 15 अगस्त तक राज्य के 52 ब्लॉक के 429 गांव बाढ़ के पानी से प्रभावित थे और राहत व बचाव के लिए 79 टीमें तैनात की गई थीं। केंद्रीय जल आयोग ने राज्य के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ का खतरा जताया है, क्योंकि आने वाले दिनों में भी भारी बारिश का अनुमान है।

जंतर मंतर पर जातिगत आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर गैर-आरक्षित श्रेणी के लोगों और युवाओं ने जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकारी सहायता, छात्रवृत्ति और फीस में छूट जैसे लाभ जातिगत पहचान के बजाय पूरी तरह से आर्थिक स्थिति के आधार पर मिलाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एससी/एसटी एक्ट को रद्द करने की अपील की। उनका तर्क था कि इस एक्ट का लाभ हमेशा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक नहीं पहुँचता और इसका दुरुपयोग व्यक्तियों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में क्रीमी-लेयर का नियम लागू करने और दशकों पुराने आरक्षण प्रावधानों की मौजूदा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखकर समीक्षा करने की भी मांग की। उनका कहना था कि हालात काफी बदल गए हैं और अब आर्थिक पिछड़ेपन को बिना किसी भेदभाव के हल करने पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए।

यह विरोध प्रदर्शन आरक्षण सुधार आंदोलन के बैनर तले नीट के छात्र हर्ष दुबे के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान की जनरल सेना, चाणक्य सेना और करणी सेना जैसे संगठन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारी, जिनमें मुख्य रूप से युवा पुरुष थे, अपने हाथों में भगवा झंडे और गरीबों के लिए आरक्षण, जाति के लिए नहीं जैसे नारे लिखे प्लेकार्ड लिए हुए थे। हालांकि, यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर पर भारी सुरक्षा बलों की तैनाती की और शाम को कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आयोजकों को रामलीला मैदान में 500 लोगों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति मिली थी, जंतर मंतर पर नहीं।

आतंकी मामले की जांच- अनंतनाग में एनआईए की छापेमारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को आतंकी मामले की जांच के सिलसिले में दो स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, एनआईए की टीम ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के सहयोग से बिजबेहरा और दूरू इलाके में स्थित दो आवासीय घरों की तलाशी ली है। अधिकारियों ने मीडिया को बताया है, कि दोनों स्थानों पर जांच एजेंसी की टीम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान घरों में मौजूद विभिन्न सामान और दस्तावेजों की जांच की गई। हालांकि, छापेमारी के दौरान किसी तरह की महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। एनआईए की यह कार्रवाई एक आतंकी मामले से जुड़े इनपुट और संदिग्ध गतिविधियों की जांच के तहत की गई है। जांच एजेंसी स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय कर मामले से जुड़े संभावित सुराग जुटाने में लगी है। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान पूरा होने के बाद बरामद सामग्री और जांच से जुड़ी अन्य जानकारियों का आकलन किया जाएगा।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर को मिलेगी अभेद्य सुरक्षा- शाह ने त्रिकोणीय ग्रिड की घोषणा की

सिलीगुड़ी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक के नाम से जाना जाता है, की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड की घोषणा की। सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के उत्तर बंगाल फ्रंटियर मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में, उन्होंने करीब 189 करोड़ की विभिन्न प्रशासनिक और आवासीय परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन भी किया।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक है, जो पूर्वोत्तर सहित आठ राज्यों को जोड़ता है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र की सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए, उन्होंने धुबरी (असम), किशनगंज (बिहार) और चोपड़ा (पश्चिम बंगाल) में तीन नए सैन्य गैरीसन (सैन्य छावनी) वाले एक रक्षा त्रिकोणीय ग्रिड के गठन की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि यह ग्रिड क्षेत्र में निगरानी, सैन्य उपस्थिति और प्रशासनिक नियंत्रण को काफी हद तक मजबूत करेगा, जिससे किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सकेगा।

इस कार्यक्रम में गृह मंत्रालय और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। शाह ने 1965 में स्थापित एसएसबी की भूमिका की सराहना की, जो 2001 से भारत-नेपाल और 2004 से भारत-भूटान सीमाओं की कुशलता से सुरक्षा कर रही है। उन्होंने क्षेत्र में तीस्ता प्रहार जैसी सैन्य अभ्यासों के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो सुरक्षा तैयारियों को परखने के लिए नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। गृह मंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को भी दोहराया, जिसके लिए उन्होंने विनिर्माण, रक्षा शक्ति, तकनीक और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित सप्त धारा (सात मुख्य स्तंभों) का उल्लेख किया। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में भूमि संबंधी विवादों के समाधान में हुई प्रगति का भी जिक्र किया।

पूर्ण वंदे मातरम के सम्मान, गरिमा और विरासत की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

भाजपा का प्रस्ताव, कांग्रेस के फैसले की निंदा

नई दिल्ली । केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को वंदे मातरम के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक विरासत की रक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव के माध्यम से भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के उस निर्णय की कड़ी निंदा की है, जिसमें 19 अगस्त, 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 के अपने प्रस्ताव को पुन: स्वीकार कर वंदे मातरम के गायन को केवल पहले दो पदों तक सीमित करने का फैसला किया है। भाजपा ने इस कदम को राष्ट्रीय गीत की गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के साथ कांग्रेस पार्टी का समझौता बताया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रस्ताव की जानकारी देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी वंदे मातरम को भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा पूर्ण वंदे मातरम के सम्मान, गरिमा और विरासत की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

अपने प्रस्ताव में भाजपा ने कांग्रेस के निर्णय को संवैधानिक संस्थानों और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों से ऊपर रखने का प्रयास बताया। बीजेपी पार्टी ने 1950 में संविधान सभा की घोषणा और 2026 में संसद द्वारा राष्ट्रीय गीत को जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करने से स्थापित स्थिति की दृढ़ता से पुष्टि की है। भाजपा ने राष्ट्रीय गीत को सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण या संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति के अधीन करने के हर प्रयास का विरोध करने का संकल्प लिया। बीजेपी पार्टी ने कहा कि वह जनता के सामने उस ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भ को उजागर करेगी, जिसमें वंदे मातरम के गायन को सीमित किया गया था, जिसमें मुस्लिम लीग की आपत्तियां और बाद में बढ़ती सांप्रदायिक और अलगाववादी मांगों की राजनीति मुख्य रुप से शामिल थी।

भाजपा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के उस ऐतिहासिक कथन को जन-जन तक पहुंचाएगी, जिसमें उन्होंने वंदे मातरम को साम्राज्यवाद-विरोधी नारा और शुद्धतम राष्ट्रीय भावना से जुड़ा बताया था। भाजपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से देशव्यापी अभियान चलाकर वंदे मातरम का इतिहास,अर्थ, राष्ट्रीय महत्व और गौरवशाली विरासत भारत के हर कोने तक पहुंचाया जाएगा, विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता फैलाई जाएगी, ताकि छह पदों वाले पूर्ण राष्ट्रीय गीत और उसके इतिहास को विस्मृति में न जाने दिया जाए।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि यह केवल किसी राजनीतिक दल से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि भारत के सम्मान और उन असंख्य देशभक्तों की विरासत का प्रश्न है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया।

नृपेंद्र मिश्रा हर 15 दिन में अयोध्या आते हैं बैठक करते हैं पर चंपत राय से नहीं मिलते

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी से शुरू हुई 'अंदरूनी कलह' अब खुलकर सामने आ गई है। एसआईटी जांच रिपोर्ट में क्लीनचिट मिलने के बाद चंपत राय बंसल ने 9 पन्नों का लेटर जारी किया था। इसमें राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा सीधे सवालों के घेरे में आ गए। मंदिर ट्रस्ट से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि मंदिर में चढ़ावा चोरी सामने आने के बाद नृपेंद्र मिश्रा ने एक इंटरव्यू में सुरक्षा, सीसीटीवी के डिलीट होने और 1500 से ज्यादा कर्मचारियों की तैनाती पर सवाल उठाकर चंपत राय को घेरा था। इसके बाद चंपत ने अचानक दूरी बनाकर अयोध्या के कारसेवकपुरम में एकांतवास में चले गए थे। उस दौरान उनके विरोधियों को लगा कि चंपत की पकड़ ढीली पड़ गई है, लेकिन चंपत राय ने शांत रहकर सही वक्त का इंतजार किया और एसआईटी की रिपोर्ट कोर्ट में पेश होते ही काउंटर-अटैक किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंपत राय इस बात से नाराज दिखते हैं कि नृपेंद्र मिश्रा हर 15 दिन पर अयोध्या आते हैं। निर्माण समिति की मीटिंग में शामिल होते हैं। फिर लखनऊ या दिल्ली लौट जाते हैं। नृपेंद्र इस बीच जब भी अयोध्या आए, कभी भी चंपत राय से मुलाकात नहीं की। यह साबित करता है कि मतभेद सिर्फ पत्राचार तक सीमित नहीं हैं, दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला टूट चुका है। इस विवाद में एक पहलू यह भी है कि नृपेंद्र मिश्रा पूर्व आईएएस अफसर हैं। वहीं, चंपत राय विश्व हिंदू परिषद से आते हैं। यही वजह है, पत्र में चंपत राय ने लिखा कि नृपेंद्र मिश्रा ने हमेशा खुद को ही मंदिर निर्माण के सभी फैसलों का सर्वेसर्वा माना। चंपत राय ने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण से जुड़ा एक भी ऐसा फैसला नहीं है, जो निर्माण समिति ने खुद न लिया हो। अगर ट्रस्ट ने कोई सुझाव दिया भी, तो उसे अमान्य कर दिया गया या बने हुए निर्माण को हटा दिया गया।

बांग्लादेश भी चला पाकिस्तान की चाल, पानी को लेकर यूएन जाने की दे रहा धमकी

नई दिल्ली,। तीस्ता से लेकर सिंधु तक भारत के दोनों पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और बांग्लादेश पानी को हथियार बनाकर एक जैसी कूटनीतिक रणनीति अपनाते नजर आ रहे हैं। बांग्लादेश के वाटर रिसोर्सेज मिनिस्टर शाहिद उद्दीन चौधरी अनी ने भारत से गंगा जल संधि में गारंटी क्लॉज जोड़ने और साथ ही तीस्ता नदी का पानी देने की मांग की है। उन्होंने धमकी दी है कि अगर भारत नहीं माना तो बांग्लादेश संयुक्त राष्ट्र समेत अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचेगा। इससे पहले पाकिस्तान भी सिंधु जल संधि को लेकर यूएन सुरक्षा परिषद में जा चुका है। दोनों देशों की भाषा और रणनीति में साफ समानता दिख रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के वाटर रिसोर्सेज मिनिस्टर शाहिद उद्दीन चौधरी अनी ने 19 अगस्त को ढाका में एक सेमिनार में कहा कि गंगा जल संधि जब रिन्यू होगी तो उसमें गारंटी क्लॉज़ जरूर शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 1977 की संधि में यह क्लॉज मौजूद था, लेकिन 1996 में शेख हसीना सरकार में हुई तीस साल की संधि में इसे हटा दिया गया। यही संधि दिसंबर 2026 में समाप्त होने वाली है और मौजूदा संधि में कोई गारंटी क्लॉज नहीं है। मंत्री ने इसे बांग्लादेश का अधिकार बताते हुए कहा कि बिना संधि के आगे कोई रास्ता नहीं है।

मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश तीस्ता के मुद्दे पर भारत से रिश्ते खराब नहीं करना चाहता, लेकिन साथ ही उन्होंने बताया कि बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान इस फाइल की समीक्षा कर रहे हैं और तीस्ता परियोजना को लागू करके रहेंगे, चाहे यह भारत के साथ मिलकर हो या किसी और योजना के तहत। उन्होंने साफ कहा कि जरूरत पड़ी तो बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय मंचों का रुख करेगा, और अगले महीने पीएम तारिक रहमान संयुक्त राष्ट्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाने वाले हैं।

बांग्लादेश ने जून 2025 में यूएनईसीई वाटर कन्वेंशन को साइन किया है और वह भारतीय उपमहाद्वीप का पहला देश है जो इस कन्वेंशन का सदस्य बना है। यह संयुक्त राष्ट्र यूरोप आर्थिक आयोग द्वारा समर्थित एक तकनीकी और सहयोगात्मक मंच है, जिसके तहत सदस्य देशों को संयुक्त संस्थाएं, तकनीकी टीमें और वित्तीय सहायता जैसी सुविधाएं मिलती हैं। यह कोई ट्रिब्यूनल नहीं है और भारत इसका सदस्य नहीं है, इसलिए इसका भारत पर कोई बाध्यकारी असर नहीं होता। फिर भी बांग्लादेश इसे अपनी मांग को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जायज ठहराने के लिए एक संस्थागत आधार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

बता दें इससे पहले अप्रैल 2026 में पाकिस्तान भी सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहुंचा था। इस्लामाबाद ने इसे क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बताया था, लेकिन इस मुद्दे को वहां कोई खास तवज्जो नहीं मिली। अब बांग्लादेश भी वैसी ही रणनीति अपना रहा है, जिसमें पानी के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाने की बात कही जा रही है। गौर करने वाली बात यह भी है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच लगातार सहयोग और समन्वय बढ़ता जा रहा है।

पाकिस्तान से चीनी नहीं खरीदेगा भारत...केंद्र सरकार ने किया साफ

-पाकिस्तानी उत्पादकों के लिए एक बड़ा झटका

नई दिल्ली। भारत ने घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए कच्चे चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी लेने से साफ इंकार किया है। यह फैसला पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि वहां के व्यापारी भारत में चीनी बेचने को बेताब दिख रहे थे। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि मई 2019 से इस्लामाबाद के साथ व्यापार पर लगी मौजूदा पाबंदियां जारी रहेंगी और उनमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में तेजी और आपूर्ति की चिंताओं के मद्देनजर, भारत की नरेंद्र मोदी सरकार ने हाल ही में 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इस घोषणा के बाद, पाकिस्तान के चीनी उद्योग ने अपनी सरकार से भारत को चीनी निर्यात करने की संभावना तलाशने का आग्रह किया था, खासकर तब जब इस्लामाबाद भी चीनी का निर्यात बढ़ाना चाहता है। यहां तक कि पाकिस्तान ने हाल ही में 1.05 लाख टन चीनी बेचने के लिए एक वैश्विक टेंडर भी जारी किया था।

हालांकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ किया कि पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख और नीति स्पष्ट है, और उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत को अगर चीनी की जरूरत है, तब वैश्विक बाजार में काफी अन्य विकल्प मौजूद हैं, और भारत को पाकिस्तान से चीनी लेने की आवश्यकता नहीं है। नई दिल्ली ने साफ किया है कि दुनिया के बाकी देशों से चीनी मंगाई जाएगी लेकिन पाकिस्तान से नहीं ली जाएगी। यह निर्णय पाकिस्तानी उत्पादकों के लिए एक बड़ा झटका है, जिनके लिए भारतीय बाजार एक महत्वपूर्ण और नजदीकी गंतव्य साबित हो सकता था।

सिंहों की मौत पर गुजरात हाईकोर्ट सख्त

'सिंह देश की शान हैं, इनकी अकाल मौत बेहद गंभीर'

अहमदाबाद। गुजरात के गिर क्षेत्र में एशियाटिक सिंहों की लगातार हो रही आकस्मिक मौतों को लेकर हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सिंहों के संरक्षण को लेकर हुई महत्वपूर्ण सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार और रेलवे विभाग से अब तक उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी तथा रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सिंह देश की शान हैं और उनकी अकाल मौत की घटनाएं बेहद गंभीर विषय हैं। अदालत ने सिंहों के संरक्षण के लिए केवल तत्काल उपाय करने के बजाय दीर्घकालिक और प्रभावी नीति तैयार करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

गिर और आसपास के क्षेत्रों में सिंहों की आवाजाही के दौरान रेलवे लाइन सहित कई स्थान उनके लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने रेलवे ट्रैक के आसपास उचित फेंसिंग और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सिंह रेलवे लाइन तक न पहुंच सकें और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

अदालत ने सिंहों की सुरक्षा के लिए रेलवे विभाग और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता भी बताई है। खतरनाक स्थानों की पहचान कर वहां प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था करने पर जोर दिया गया है।

सिंहों की मौत के संभावित कारणों में खुले कुएं भी गंभीर खतरा हैं। अदालत ने खुले कुओं को सुरक्षित बनाने और वन्यजीवों के उनमें गिरने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत बताई है।

सिंहों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही के लिए बनाए गए अंडरपास को लेकर भी हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने अंडरपास की नियमित सफाई और उचित रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि वहां किसी प्रकार का अवरोध न रहे और वन्यजीव सुरक्षित रूप से गुजर सकें।

इसके साथ ही अंडरपास की नियमित निगरानी करने तथा वन्यजीवों की आवाजाही के मार्गों को सुरक्षित बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

सिंह जब रेलवे लाइन या किसी अन्य जोखिम वाले क्षेत्र में प्रवेश करें तो समय रहते इसकी जानकारी मिल सके, इसके लिए इंट्रुजन डिटेक्शन डिवाइस लगाने संबंधी कार्रवाई का भी उल्लेख सुनवाई के दौरान हुआ। ऐसी तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल से संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते रोकने में मदद मिल सकती है।

हाईकोर्ट ने सिंह संरक्षण के लिए गठित संयुक्त समिति को अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत प्रोग्रेस रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार और रेलवे विभाग को भी सिंहों की सुरक्षा के लिए समन्वय के साथ ठोस कदम उठाने को कहा गया है।

अदालत ने विशेष रूप से रेलवे लाइन, खुले कुओं और अन्य जोखिम वाले क्षेत्रों से सिंहों की जान बचाने के लिए प्रभावी एवं दीर्घकालिक नीति तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अब इस मामले में राज्य सरकार और रेलवे विभाग की ओर से हाईकोर्ट के समक्ष पेश की जाने वाली विस्तृत रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर सिंहों के संरक्षण और उनकी आकस्मिक मौतों को रोकने के लिए आगे की कार्रवाई और दिशा-निर्देश तय होने की संभावना है।

रिश्वतखोरी का पर्दाफाश करने वाली वेबसाइट अचानक बंद, लाखों यूजर्स ने किया था इस्तेमाल

नई दिल्ली। देश में रिश्वतखोरों की पोल खोलने के उद्देश्य से शुरू की गई एक क्राउड फंडेड वेबसाइट ब्राइब डाट एफवायआई अचानक बंद हुई है। दिल्ली के 20 वर्षीय बी-टेक छात्र आर्यन निषाद द्वारा साइड प्रोजेक्ट के तौर पर बनाई वेबसाइट ने लांच के मात्र 48 घंटों में ही 50 लाख रिक्वेस्ट और 2 लाख नए यूजर्स को अपनी ओर खींचा था। इसमें भारत का एक नियॉन-रेड मैप दिखाया जाता था, जहाँ लोग गुमनाम रूप से रिश्वत मांगने की रिपोर्ट कर सकते थे।

इस पोर्टल पर 17 अगस्त तक देश के 253 शहरों से पुलिस, आरटीओ, राजस्व, भूमि रिकॉर्ड और पासपोर्ट कार्यालयों सहित विभिन्न विभागों के खिलाफ शिकायतें दर्ज हो चुकी थीं। दिलचस्प बात यह थी कि 37 प्रतिशत मामलों को रेफ्यूसेड मार्क किया गया, जिसमें यूजर्स ने दावा किया कि उन्होंने रिश्वत नहीं दी और फिर भी उनका काम हुआ। इतनी तेजी से लोकप्रियता हासिल करने वाली यह वेबसाइट उतनी ही जल्दी ऑफलाइन भी हो गई। इसके बंद होने की वजह अधिक ट्रैफिक, डेटा सुरक्षा, स्पैम, डुप्लीकेट एंट्री और गलत इस्तेमाल बताया गया। टीम ने वेबसाइट को एहतियात के तौर पर अपनी मर्जी से बंद किया, यह स्वीकारकर कि उनके पास इतनी बड़ी मात्रा में मिल रही सूचनाओं को सुरक्षित रूप से संभालने के लिए पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं था। अपने विदाई नोट में उन्होंने कहा कि इसका मकसद हमेशा एक संदेश देना था, न कि किसी पर उंगली उठाना, और उन्हें लगता है कि संदेश पहुँच गया है। हालांकि, घटना ने अब कानूनी और नैतिक बहस छेड़ दी है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 8 के तहत, किसी सरकारी कर्मचारी को अनुचित लाभ देना या देने का वादा करना एक अपराध है, जिसके लिए सात साल तक की जेल हो सकती है। कानून में एक अपवाद है कि मजबूर होकर रिश्वत देने वाला व्यक्ति यदि सात दिनों के भीतर इसकी रिपोर्ट करता है, तब उस छूट मिल सकती है। लेकिन वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से ऐसा कबूल करना इस सुरक्षा के दायरे में नहीं आता। एक जानकार ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति यह लिखता है कि मैंने अपना लाइसेंस बनवाने के लिए 5,000 रुपये दिए, तब वह अपनी ही आपराधिक जवाबदेही के लिए अहम बयान दे सकता है। उन्होंने इसतरह के प्लेटफॉर्म्स के लिए गुमनामी और सुरक्षा को शुरुआत से ही डिजाइन का हिस्सा बनाने और पहचान संबंधी कोई जानकारी इकट्ठा न करने पर जोर दिया।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कूलर में आए विद्युत करंट की चपेट में आने से पंचायत के मेट की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम चीनी में कूलर में आए विद्युत करंट की चपेट में आने से ग्राम के पंचायत के मेट कोमल पिता हगुरू लाल टेम्भरे 54 वर्ष की मौत हो गई। घटना 21 अगस्त की दोपहर की बताई जा रही है। घटना के समय कोमल अपने घर में

अकेला था। 22 अगस्त को परसवाड़ा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोमल टेम्भरे खेती किसानी के साथ पंचायत में मेट का काम भी करता था। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। बेटा रायपुर में नौकरी करता है। जबकि बेटी का विवाह हो चुका है। बताया गया है कि कुछ समय पहले कोमल की पत्नी अपनी बेटी के गांव मलाजखंड गई हुई थी। कोमल घर में अकेला रह रहा था। 21 अगस्त को कोमल दोपहर से शाम तक घर और गांव में दिखाई नहीं दिया। इस पर परिजनों को शंका हुई। उसके भाई भूवन लाल ने घर के अंदर जाकर देखा तो कोमल कूलर से चिपका हुआ मिला। उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले-पड़ोस के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर परसवाड़ा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। 22 अगस्त को पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया।प्रारंभिक तौर पर संभावना जताई जा रही है कि कूलर सुधारते समय अथवा उसे चालू करते समय अचानक विद्युत करंट की चपेट में आने से कोमल की मौत हुई। परसवाड़ा पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

24 बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में बड़ी कार्रवाई, टीकाकरण और मलेरिया अधिकारियों पर गिरी गाज

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बिरसा के प्रभावित आदिवासी गांवों का किया निरीक्षण, डॉ. परेश उपलप को टीकाकरण और मनीषा जुनेजा को मलेरिया के प्रभार से हटाया, ब्रजेश पटेल को बनाया गया जिला मलेरिया अधिकारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचल में बीमारी से 24 बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रभावित क्षेत्रों में टीकाकरण और मलेरिया की रोकथाम में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरतने के मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है। शनिवार को प्रभावित ग्रामों के निरीक्षण पर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने टीकाकरण अधिकारी डॉ. परेश उपलप को प्रभार से हटाने के साथ जिला मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा पर भी कार्रवाई की है। मनीषा जुनेजा का बालाघाट से जबलपुर स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थान पर ब्रजेश पटेल को बालाघाट का जिला मलेरिया अधिकारी बनाया गया है, जबकि जिला टीकाकरण अधिकारी का प्रभार डॉ. परितोष शुक्ला को सौंपा गया है। अभी डॉ. परेश उपलव सीएचएमओ के पद पर पदस्थ है उनका जिला टीकाकरण अधिकारी पद से हटा दिये गये है। प्रभारी सीएचएमओ पद पर अपनी सेवायें देंगे।

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल शनिवार को महामारी से प्रभावित ग्राम मछुरदा पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान एक महिला ने मंत्री को बताया कि गांव में अस्पताल तो है, लेकिन वहां डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते। ग्रामीणों की इस शिकायत पर मंत्री ने तत्काल सीएमएचओ से जानकारी ली और अस्पताल में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में एएनएम की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। प्रभावित क्षेत्र के निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दशकों बाद यह क्षेत्र नक्सल प्रभाव से मुक्त हुआ है। अब सरकार का प्रयास है कि यहां निवासरत आदिवासी समुदाय को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों तक सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने कहा कि प्रभावित ग्रामों के निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हुआ है कि टीकाकरण को और प्रभावी बनाने, मलेरिया से बचाव के लिए दवा का छिड़काव बढ़ाने तथा कुपोषण की समस्या दूर करने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशासनिक अमला लगातार काम कर रहा है। प्रभावित गांवों में बच्चों को मीजल्स-रुबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष टीकाकरण अभियान भी शुरू किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने माना कि प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का भी अभाव है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को बीमारी से बचाव, समय पर उपचार और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के उपयोग के प्रति जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में फैली बीमारी को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर है और मुख्यमंत्री स्वयं पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में सरकार पीछे नहीं हटेगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित ग्रामों में अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मचारियों की तैनाती भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान यह बात भी सामने आई कि कई ग्रामीणों का डॉक्टरों और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हुआ है। मंत्री ने कहा कि इस भरोसे को दोबारा कायम करना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है। मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि बैगा आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सरकार किसी भी तरह की कमी नहीं छोड़ेगी। प्रभावित क्षेत्र में यदि किसी अतिरिक्त संसाधन, कर्मचारी या सुविधा की आवश्यकता है तो प्रशासन प्रस्ताव बनाकर भेजे और शासन स्तर से उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूरस्थ आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। टेक होम राशन को लेकर पूछे गए सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में इसके विकल्प के आधार पर पोषण संबंधी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्र में बच्चों और परिवारों को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराकर कुपोषण की समस्या को नियंत्रित करना है। 24 बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर हुई इस कार्रवाई को सरकार की सख्ती के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। अब नए अधिकारियों के सामने प्रभावित आदिवासी गांवों में टीकाकरण की शत-प्रतिशत कवरेज, मलेरिया नियंत्रण, दवा छिड़काव, कुपोषण की रोकथाम और ग्रामीणों का स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा बहाल करने की बड़ी चुनौती होगी।

ब्रजेश पटेल बने बालाघाट के जिला मलेरिया अधिकारी

जिले के आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सामने आई चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। इसके तहत डॉ. परेश उपलप को टीकाकरण के प्रभार से हटा दिया गया है, जबकि जिला मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा का बालाघाट से जबलपुर स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थान पर ब्रजेश पटेल को बालाघाट का नया जिला मलेरिया अधिकारी बनाया गया है। वहीं जिला टीकाकरण अधिकारी का प्रभार डॉ. परितोष शुक्ला को सौंपा गया है। अधिकारियों की जिम्मेदारियों में किए गए इस बदलाव के बाद अब जिले में मलेरिया नियंत्रण और टीकाकरण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर रहेगा। विशेषकर प्रभावित आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी, मलेरिया की रोकथाम और टीकाकरण अभियान को गति देना नए अधिकारियों के लिए अहम चुनौती होगी।

परसवाड़ा में 11 वर्षीय मासूम से शराब पिलाकर दुष्कर्म गिरफ्तार आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। एक शराबी व्यक्ति द्वारा 11 वर्षीय मासूम बच्ची को शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चंदन सिंह पिता गोबरू भलावी 40 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पीड़िता और उसके गांव की पहचान गोपनीय रखी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी चंदन सिंह भलावी घर में अकेला रहता है, उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई हैऔर वह शराब पीने का आदी है। मोहल्ले की ही 11 वर्षीय बालिका अक्सर उसके घर टीवी पर कार्यक्रम देखने आया करती थी।बताया गया कि 20 अगस्त को दोपहर में जब चंदन सिंह अपने घर में नशे की हालत में था। तभी बालिका टीवी देखने उसके घर गई थी। आरोप है कि चंदन सिंह ने इस बच्ची को शराब पिलाई और नशे की हालत में बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।शाम तक बच्ची के घर न लौटने पर परिजनों ने डायल 112 को सूचना दी। डायल 112 की टीम ने खोजबीन शुरू की तो बच्ची आरोपी के घर में नशे की हालत में मिली। परिजन तत्काल उसे परसवाड़ा अस्पताल लेकर पहुंचे।जहां होश में आने पर बच्ची ने आपबीती बताई।घटना की सूचना पर परसवाड़ा पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी चंदन सिंह भलावी के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जिसे बैहर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बैहर भेज दिया गया है।

चलती मोटरसाइकिल से गिरने से घायल वृद्धा की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम पाथरवाड़ा के पास खैरलांजी रोड पर चलती मोटरसाइकिल से गिरने के कारण एक 73 वर्षीय वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया।जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतिका केसरबाई पति चेतराम डोंगरे 73 वर्ष ग्राम महदुली थाना कटंगी निवासी बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केसरबाई डोंगरे अपने परिवार के साथ रहती थीं और खेती-मजदूरी का कार्य करती थीं। 22 अगस्त को वह अपने भतीजे निखिल डोंगरे के साथ मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर कटंगी आ रही थीं। इसी दौरान कटंगी और पाथरवाड़ा के बीच अचानक चलती मोटरसाइकिल से गिर गईं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं।घायल केसरबाई को तत्काल कटंगी अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।घटना की सूचना के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया है। मामले की आगे की कार्रवाई के लिए मर्ग डायरी संबंधित थाना कटंगी भेजी गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट